www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 15 मार्च, 2024 | वर्ष-16 | अंक -340 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

राफा पर हमला कर के भी हमास को खत्म नहीं... 02

- 31 मार्च तक 50 हजार उपभोक्ताओं को जमा ... 04
- व्यापारी ने पत्नी व पुत्र की हत्या करने के बाद ...

- सीएए कानून को लागू करना भाजपा की वोट बैंक ... 07
- हिंदू शरणार्थियों से नफरत करते हैं केजरीवाल : प्रवीण शंकर

हेजे जाति के लोग 'नई गुणवत्ता उत्पादक ... 10

बहुजन समाज पार्टी जिन्दाबाद!

बहन कु0 मायावती जिन्दाबाद!

बहन कु0 मायावती जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.एस.पी.,
पूर्व मुख्यमंत्री उ.प्र.

चुनाव चिन्ह
हाथी

बिजनौर लोकसभा क्षेत्र- 04 बहुजन समाज पार्टी से

चौ. विजेन्द्र सिंह

को प्रत्याशी बनाये जाने पर
हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं
एवं दिली मुबारकबाद

मा. सुश्री बहन मायावती जी

पूर्व मुख्यमंत्री जी
का दिल की गहराईयों से
हार्दिक आभार
एवं धन्यवाद!

चौ. विजेन्द्र सिंह
प्रत्याशी लोकसभा बिजनौर-04

निवेदक- लोकसभा बिजनौर- 04 के समस्त बसपा कार्यकर्ता

नेपाल में जीप दुर्घटना, सात लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के उदयपुर जिले में गुरुवार सुबह एक जीप के राजमार्ग से फिसल कर खाई में गिर जाने से एक नवजात सहित सात लोगों की मौत हो गई और अन्य कई घायल हो गए। जिले के पुलिस प्रवक्ता रोशन थापा ने बताया, हमने जीप में सवार 16 में से नौ लोगों को बचा लिया है जिनको अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस को आशंका है कि क्षमता से अधिक यात्रियों को जीप में ले जाने और ढलानदार सड़क होने के कारण यह दुर्घटना घटी होगी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय जीप में 16 लोग सवार थे।

देश विदेश

राफा पर हमला कर के भी हमास को खत्म नहीं कर पाएगा इजराइल : हिजबुल्लाह प्रमुख

बेरूत, 14 मार्च (एजेंसियां)। हिजबुल्लाह नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह ने कहा है कि राफा पर

- इजराइल अब तक अपने उद्देश्यों में असफल रहा
- हसन बोले, हमास का प्रतिरोध जारी रहेगा

हमले के बाद भी इजराइल हमास को खत्म नहीं कर पाएगा। यह जानकारी एक स्थानीय मीडिया आउटलेट ने दी। बुधवार को एक टेलीविजन भाषण में नसरल्ला ने कहा, गाजा पर हमले के बाद इजराइल अब तक अपने उद्देश्यों में असफल रहा है। उन्होंने कहा, राफा पर जमीनी हमला करके भी इजराइल हमास को खत्म नहीं कर पाएगा। हमाास का प्रतिरोध जारी रहेगा। नसरल्ला ने हमास के साथ एकजुटता की बात कही। नसरल्लाह ने कहा कि इज़राइल हमास को खत्म करने में विफल रहा है। स्थानीय टीवी चैनल अल-मनार ने बताया कि लगभग छह महीने के युद्ध के बाद, इजराइल मध्यस्थों के जरिए हमास के साथ बातचीत कर रहा है।

हमले से पहले राफा में रह रहे आम लोगों को बाहर निकालेगा इजराइल : अधिकारी

यरुशलम। इजराइली अधिकारियों ने कहा है कि उनका देश गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर राफा पर हमला करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहर पर हमला करने के पहले वहां रह रहे लगभग 14 लाख फिलिस्तीनियों में से अधिकांश को वहां से निकाला जाएगा। शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने इज़राइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के प्रवक्ता डैनियल हगारी के हवाले से बताया कि शहर पर हमला करने के पहले सेना वहां के आम नागिरकों को मध्य गाजा में शरण लेने को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि उनको आवास, भोजन और पानी सहित अन्य बुनियादी जरूरतें उपलब्ध कराई जाएंगी। हालांकि हगारी ने राफा से लोगों को निकालने या यहां हमले की तारीख नहीं बताई। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और विभिन्न मानवीय संगठनों ने राफा पर इजराइल के हमले की योजना पर चिंता प्रकट की है। उनका कहना है कि इससे गंभीर मानवीय तबाही होगी।

गाजा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 31,341 हुई : फिलिस्तीनी मंत्रालय

गाजा। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि इजरायल के सैन्य हमले में गाजा पट्टी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 31,341 हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटों के दौरान तटीय क्षेत्र में 69 फिलिस्तीनी मारे गए और 110 अन्य घायल हो गए। इसी के साथ 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 31,341 हो गई और 73,134 घायल हुए हैं। मंत्रालय के अनुसार, एम्बुलेंस कर्मचारियों की कमी है, जिस कारण कुछ पीड़ित मलबे में फंसे रहे। 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू किया, जो अभी भी जारी है।

भारत पहुंचे भूटान के प्रधानमंत्री दोनों देशों के रिश्तों को देंगे मजबूती

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग टोबगे गुरुवार को भारत पहुंचे। इस दौरान वो

- पद ग्रहण करने के बाद भूटान के प्रधानमंत्री पहली बार किसी विदेश दौरे पर

द्विपक्षीय संबंध को और विस्तार देने की कोशिश करेंगे। पद ग्रहण करने के बाद भूटान के प्रधानमंत्री पहली बार किसी विदेश दौरे पर जा रहे हैं। दाशो शेरिंग टोबगे को केंद्रीय राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने एयरपोर्ट पर स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने भूटान के प्रधानमंत्री टोबगे के भारत आने पर कहा, भारत में हार्दिक स्वागत! भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग टोबगे जनवरी 2024 में पदभार संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री टोबगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कई अन्य भारतीय गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात करेंगे। प्रधानमंत्री टोबगे के साथ विदेश और विदेश व्यापार मंत्री, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्री, उद्योग, वाणिज्य और रोजगार मंत्री और भूटान की शाही सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी भारत आए हैं। दोनों राष्ट्र सभी स्तरों पर विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित मधुर और सौहार्दपूर्ण संबंध साझा करते हैं। बुधवार को पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दोनों देशों के बीच तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दे दी, जिसमें पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति, ऊर्जा दक्षता और खाद्य सुरक्षा उपायों में सहयोग शामिल है।

सुडोकू 6496

3	9	8						
	4	6	9					
		2		8				
5			7			4		8
		3	2		4	1		
4		1			8			7
				7		3		
					3	9	5	
						7	4	2

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 15 मार्च, 2024 फाल्गुन शुक्ल पक्ष 5

राशिफल

मेष - आज आप खर्च में संयम बनाए रखें। अनावश्यक कारणों पर भी धन खर्च हो सकता है। धन संबंधी एवं लेन-देन संबंधी सभी कामों में सावधानी रखने की जरूरत है। किसी के साथ विवाद न हो, इसका ध्यान रखें।

वृषभ - आज का दिन शुभ फलदायी है। आपकी रचनात्मक और कलात्मक शक्तियों में वृद्धि होगी। मानसिक रूप से आज आप वैचारिक स्थिरता का अनुभव करेंगे। इसके परिणामस्वरूप आप लगन के साथ काम कर पाएंगे।

मिथुन - आज आपका दिन शारीरिक एवं मानसिक अस्वस्थता के साथ चिंता में भी रहेगा। शारीरिक कष्ट, विशेषकर आंखों में पीड़ा होने की आशंका रहेगी। परिजनों और स्नेहियों के साथ किसी घटना की संभावना है।

कर्क - आज का दिन आपके लिए बहुत लाभकारी है। आपकी आय में वृद्धि होगी। किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा। मित्रों के साथ मुलाकात हो सकती है। व्यपार में लाभ होगा। संतान और जीवनसाथी से सुख मिलेगा।

सिंह - आपके दृढ़ मनोबल और भरपूर आत्मविश्वास से हर काम सफलतापूर्वक संपन्न होंगे। व्यापार के क्षेत्र में आपकी प्रतिभा बढ़ सकती है। पदोन्नति की संभावना है। पिता की संपत्ति से लाभ होगा।

कन्या - आज आप का दिन बहुत शुभ है। धार्मिक कार्य एवं यात्रा के लिए समय अनुकूल है। मित्रों एवं सम्बंधियों से हुई मुलाकात के कारण आनंद होगा। मित्रों से लाभ होगा।

तुला - आप की वाणी पर संयम रखें। नियम विरुद्ध काम ना करें। नए संबंधों से नुकसान हो सकता है। आर्थिक परेशानी में दिन गुजरेगा। ईश्वर की आराधना एवं आध्यात्मिकता आपके मन को शांति प्रदान कर सकती है।

वृश्चिक - आज आप दैनिक कामों से दूर आनंद-प्रमोद में खोए रह सकते हैं। किसी मनोरंजन स्थल या पर्यटन स्थल पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

धनु - आज आपके लिए आर्थिक लाभ का दिन है। घर में शांति और आनंद का वातावरण रहेगा। इससे आपका मन प्रसन्न रखेगा। नौकरी करने वाले लोगों को लाभ मिलेगा। सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा।

मकर - आज आप मानसिक रूप से काफी अशांत और असमंजस में रहेंगे। आप कोई भी ठोस निर्णय नहीं ले पाएंगे, जिससे तनाव में रहेंगे। भाग्य आज आपके साथ नहीं रहेगा, इससे आपको काफी निराशा का अनुभव होगा।

कुंभ - अत्यधिक संवेदनशील होने के कारण आज आप मानसिक बेचैनी और अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। इस कारण जिद्दीपन आएगा। सार्वजनिक रूप से मानहानि न हो, इसका ध्यान रखें।

मीन - आज का दिन महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए शुभ है। विचारों में दृढ़ता रहेगी, काम अच्छी तरह से पूरे होंगे। सृजनात्मक और कलात्मक शक्ति में वृद्धि होगी। दोस्तों या परिजनों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1236- विश्व प्रसिद्ध सूफ़ी संत हज़रत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती अजमेरी रहमतुल्लाह अलैह का निधन।
1493- क्रिस्टोफर कोलम्बस अपने विश्व भ्रमण के बाद स्पेन लौटा।
1564- मुगल बादशाह अकबर ने जजिया कर हटाया।
1744- फ्रांसीसी सम्राट लुईस 15वें ने ब्रिटेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1901- महान कुश्ती प्रशिक्षक एवं पहलवान गुरु हनुमान का जन्म।
1901- अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में घोडों की दौड पर प्रतिबंध लगा।
1907- फिनलैंड महिलाओं को वोट देने का अधिकार देने वाला पहला यूरोपीय देश बना।
1919- हैदराबाद में उस्मानिया विश्वविद्यालय का उद्घाटन हुआ।
1934- बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम का जन्म।
1943- दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिह वर्मा का जन्म।
1964- सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान में परमाणु परीक्षण किया।
1969- भारतीय नौसेना में पहला हेलीकॉप्टर दस्ता गोवा में शामिल किया गया।
1976- बॉलीवुड अभिनेता अभय देओल का जन्म।
1984- यूरोपीय देश तंजानिया में संविधान को अंगीकार किया।
1985- पहला डोमेन नाम 'सिम्बोलिक डॉट कॉम' पंजीकृत किया गया।
1988- आजादी के बाद पहली बार आठ राजनीतिक दलों ने भारत बंद का आह्वान किया।
1992- प्रसिद्ध साहित्यकार राही मासूम रज़ा का निधन।
1999- एल्डबजोर्ग लोवर नार्वे की प्रथम रक्षामंत्री बनीं।
2001- करासे फिजी के पुन:प्रधानमंत्री चुने गए।

फ्रांस ईयू के साथ थाईलैंड की वीज़ा-मुक्त यात्रा का समर्थन करने के लिए तैयार

बैंकॉक, 14 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस थाईलैंड और यूरोपीय संघ(ईयू) के नागरिकों की पारस्परिक वीजा-मुक्त यात्रा पर समझौते पर हस्ताक्षर करने के थाईलैंड के प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए तैयार है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने अपनी यूरोप यात्रा के दौरान यह बात कही। श्री थाविसिन ने सोमवार से मंगलवार तक फ्रांस का दौरा किया और बुधवार को जर्मनी पहुंचे।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन से मुलाकात और फ्रांस की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद थाईलैंड के चैनल 3 ने प्रधान मंत्री को पत्रकारों को यह कहते हुये उद्धृत किया , हमने वीज़ा-मुक्त यात्रा पर चर्चा की है। फ्रांस थाईलैंड और यूरोपीय संघ के बीच साधारण पासपोर्ट वाले नागरिकों के लिए पारस्परिक वीज़ा-मुक्त यात्रा पर एक समझौते पर चर्चा करने की तैयारी में हमारा समर्थन करने के लिए तैयार है।

फ्रांस में बैठकें थाईलैंड-ईयू मुक्त व्यापार समझौते और रक्षा उद्योग सहयोग, आपसी व्यापार, पर्यटन, निवेश और द्विपक्षीय संबंधों की आगामी वर्षगांठ सहित द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर भी केंद्रित थीं।

चीन ने छह और देशों को वीजा मुक्त डेस्टिनेशन की लिस्ट में जोड़ा

बीजिंग, 14 मार्च (एजेंसियां)। चीन छह देशों स्विट्जरलैंड, आयरलैंड, हंगरी, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम और लक्ज़मबर्ग के सामान्य पासपोर्ट धारकों के लिए वीज़ा-मुक्त

- वर्तमान में, 23 देशों ने चीन के साथ व्यापक पारस्परिक वीज़ा छूट प्राप्त की है

नीति का परीक्षण करेगा। प्रासंगिक व्यवस्था के अनुसार, 2024 के 14 मार्च से 30 नवंबर तक, स्विट्जरलैंड सहित छह देशों के सामान्य पासपोर्ट धारक जो व्यापार, पर्यटन, रिश्तेदारों और दोस्तों से मिलने और 15 दिन से भी कम समय में चीन में ट्रांसफर, वीज़ा-मुक्त के साथ चीन में प्रवेश कर सकते हैं। मार्च की शुरुआत में चीन ने 157 देशों के साथ विभिन्न किस्मों वाले पासपोर्ट समेत पारस्परिक वीज़ा छूट समझौते संपन्न किए हैं और वीज़ा प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए 44 देशों के साथ समझौते या व्यवस्था पर पहुंचे हैं। वर्तमान में, 23 देशों ने चीन के साथ व्यापक पारस्परिक वीज़ा छूट प्राप्त की है, और 60 से अधिक देश और क्षेत्र चीनी नागरिकों को वीज़ा-मुक्त या वीज़ा-ऑन-अराइवल देते हैं।

'एआई एप्लिकेशन्स में प्रतिस्पर्धा महत्वपूर्ण होगी'

बीजिंग। चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) द्वारा निर्मित चीन का पहला एआई कार्टून हाल ही में प्रसारित किया गया। तोंग ता को विदाई थांग राजवंश के कवि काओ शी के जीवन और काव्य रचना के उतार-चढ़ाव की कहानी को स्पष्ट रूप से बताने के लिए नियंत्रणीय छवि निर्माण, गतिशील चरित्र निर्माण और साहित्यिक वीडियो जैसी नवीनतम तकनीकी उपलब्धियों का व्यापक रूप से उपयोग करता है। चीनी एक्सपर्ट ल्यू पनफू के अनुसार, इस साल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एप्लिकेशन्स में प्रतिस्पर्धा महत्वपूर्ण होगी। एआई दुनिया को इतने तरीकों से बदल रहा है जितना कोई सोच भी नहीं सकता।

प्रतिनिधि सभा में शीर्ष डेमोक्रेट ने यूक्रेन को सहायता संबंधी विधेयक पारित करने का आग्रह किया

वाशिंगटन, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में शीर्ष डेमोक्रेटिक विधायक ने चैंबर के जीओपी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे अगले सप्ताह के अंत तक यूक्रेन के लिए फंडिंग वाले एक विदेशी सहायता पैकेज को पारित करें और इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति जो बाईडेन के पास भेजें।

- अगले सप्ताह के अंत तक यूक्रेन के लिए फंडिंग वाले एक विदेशी सहायता पैकेज को पारित करें : डेमोक्रेटिक विधायक

सदन में विपक्ष के नेता हकीम जेफ़रीज़ ने बुधवार को कैपिटल हिल में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, 'समय बीतता जा रहा है, और हमें अगले शुक्रवार यानी 22 मार्च से पहले दोनों दलों की सहमति वाले राष्ट्रीय सुरक्षा विधेयक को अंजाम तक पहुँचाना होगा।' न्यूयॉर्क डेमोक्रेट ने कहा, 'ऐसा न करना लापरवाही है।' प्रतिनिधि सभा में बहुमत वाले दल के नेता लुइसियाना के रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन यूक्रेन को अधिक सहायता का विरोध नहीं करते हैं, लेकिन वह 95 अरब डॉलर के विदेशी सहायता पैकेज पर वोट को रोक रहे हैं - जिसमें से लगभग 60 अलब डॉलर यूक्रेन को दिए जाएंगे इस विधेयक को हाल ही में सिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उनका तर्क यह है कि विधेयक में अमेरिका की दक्षिणी सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के लिए पर्याप्त उपायों का अभाव है।

जेफ़रीज़ का वस्तुत: इस पर कोई नियंत्रण नहीं है कि कानून के किस विशेष टुकड़े को सदन में वोट मिलता है, लेकिन जॉनसन पर विदेशी सहायता बिल लाने के लिए दबाव बढ़ रहा है। व्हाइट हाउस का कहना है कि अगर जॉनसन इस पर नरम रुख चुनते हैं तो इसे पारित करने के लिए निश्चित रूप से पर्याप्त वोट मिलेंगे। जेफ़रीज़ ने प्रेस ब्रीफिंग में अपनी टिप्पणी में पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डूडा की ओर इशारा किया, जिन्होंने हाल ही में वाशिंगटन का दौरा किया और मंगलवार को जेफ़रीज़ और जॉनसन से मुलाकात की।

चीनी के घरेलू वाणिज्यिक विमान एआरजे-21 और सी 919 का मलेशिया में पदार्पण

बीजिंग, 14 मार्च (एजेंसियां)। चीनी घरेलू वाणिज्यिक विमान एआरजे21 और सी919 हाल ही में प्रदर्शन उड़ानों के लिए मलेशिया के सेलांगोर में सुल्तान अब्दुल अजीज शाह हवाई अड्डे पर पहुंचे। चीनी घरेलू वाणिज्यिक विमान एआरजे21 और सी919 ने पहले वियतनाम, लाओस, कंबोडिया और इंडोनेशिया में प्रदर्शन उड़ानें आयोजित की हैं। वे 12 मार्च को मलेशिया के सुल्तान अब्दुल अजीज़ शाह हवाई अड्डे पर पहुंचे और 13 मार्च को प्रदर्शन किए गए। एआरजे21 विमान ने एक प्रदर्शन उड़ान भरी। प्रदर्शन उड़ान मिशन को समाप्त करने के बाद दोनों विमान 14 मार्च को शांगहाई लौटे। मलेशिया के परिवहन मंत्री, निवेश, व्यापार और उद्योग के उप मंत्री, निवेश, व्यापार और सार्वजनिक परिवहन के लिए सेलांगोर राज्य कार्यकारी पार्षद और स्थानीय निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों, नागरिक उड्डयन विभागों और संबंधित उद्यमों के प्रतिनिधियों ने सी919 और एआरजे21 के केबिनों का दौरा किया।

वर्ग पहेली 6496

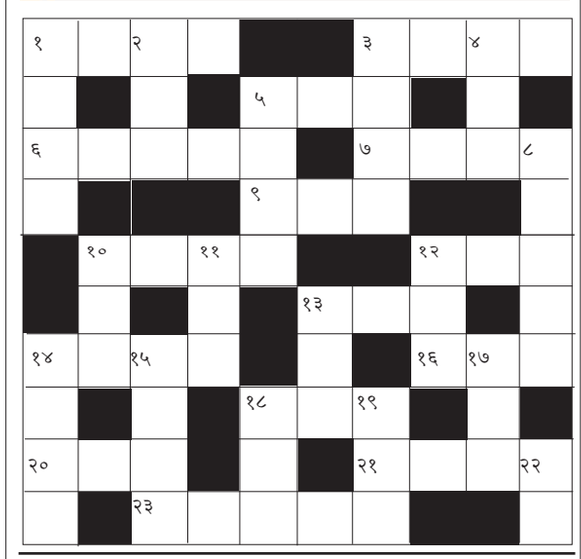

बायें से दायें:-

१. जिसका कुछ अंश बाकी बचा हो, बाकी, शेष, अपूर्ण, अधूरा
३. राय, सलाह
५. आकाश, वर
६. भलाई चाहने वाला
७. दान करने वाला, दानी
९. सरस्वती, दुर्गा
१०. आग उगलने वाला, हथियार
१२. कुबेरपुरी
१३. तो भी, तिस पर भी
१४. विद्यमान, हाजिर
१६. न्यूनाधिक्य का विचार, मिलान, समता, आपेक्षिक संबंध
१८. मिलन
२०. किरण
२१. अबोध, मूर्ख (उर्दू)
२३. किसी की मृत्यु के तेरहवें दिन पर होने वाला कार्यक्रम

ऊपर से नीचे:-

१. समूह संबंधी
२. शिरोभूषण, मुकुट, पर्वत-शिखर
३. पिता का दादा
४. दूध देने या बोझ ढोने के काम आने वाले पालतू पशु
५. गणित
८. प्रति पक्षी को लड़ने की चुनौती देना
१०. इल्जाम मढ़ना
११. बिताया हुआ
१२. किंतु
१३. घुड़साल
१४. श्रेष्ठता
१५. वह चित्र जो चलता हुआ न हो (स्टील फोटो फ्रेम)
१७. बागडोर
१८. भौंरा, भ्रमर
१९. शरण (उर्दू)
२२. हलकी किंतु लगातार होने वाली वर्षा

वर्ग पहेली-6495

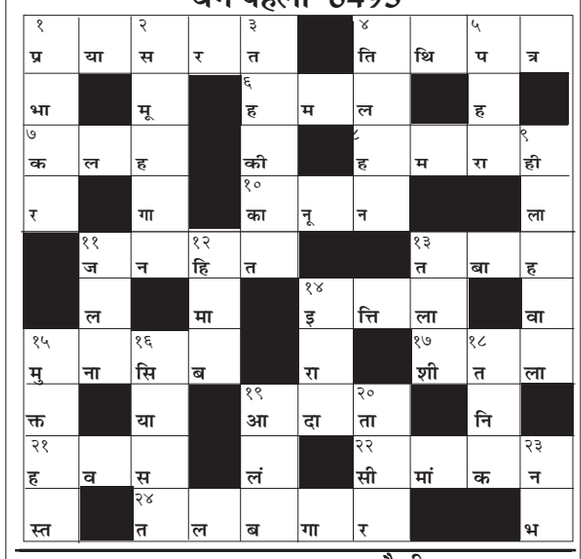

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

तैयारी स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्री इग्नाजियो कैसिस बोले

यूक्रेन पर शांति वार्ता में रूस को शामिल करना लक्ष्य

बर्न, 14 मार्च (एजेंसियां)। स्विट्जरलैंड ने कहा है कि यूक्रेन संघर्ष पर स्विस शांति पहल का उद्देश्य रूस को वार्ता प्रक्रिया में शामिल करना है।

स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्री इग्नाजियो कैसिस ने एसआरएफ प्रसारक के साथ एक साक्षात्कार में कहा, इस पहल का लक्ष्य रूस को शामिल करना है। विचार यह है कि यह शांति सम्मेलन एक प्रक्रिया शुरू करेगा और एक राह खोलेगा, तथा रूस को निश्चित रूप से उस राह पर चलना होगा।

मैंने जनवरी में दावोस में पहले ही कहा था कि रूस के शामिल हुए बिना शांति स्थापना नहीं होगी। मेरा रुख अब भी वही है।

स्विस राष्ट्रपति वियोला एमहर्ड ने 15 जनवरी को कहा था कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्विट्जरलैंड को यूक्रेन पर एक शांति शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए कहा था। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि कीव श्री जेलेंस्की के 'शांति सूत्र' को मंजूरी देने के लिए शिखर सम्मेलन आयोजित कराना चाहता है। श्री कैसिस ने बाद में इस बात पर जोर दिया कि रूस को यूक्रेन संघर्ष से संबंधित किसी भी शांति प्रक्रिया का हिस्सा बनने की जरूरत है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बुधवार को कहा कि रूस, स्विट्जरलैंड में यूक्रेन पर सम्मेलन में भाग नहीं लेगा, भले ही उसे आधिकारिक तौर पर आमंत्रित किया गया हो।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने 23 जनवरी को श्री कैसिस के साथ एक बैठक की थी और उन्हें बताया था कि रूस ने अपने तटस्थता सिद्धांतों से दूर जाने और यूक्रेन को पूर्ण समर्थन देने के स्विट्जरलैंड के फैसले को ध्यान में रखा है।

पुतिन का लोगों से राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने का आग्रह

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश के लोगों को 15-17 मार्च को होने वाले आगामी राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया है। रूसी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, व्लादिमीर पुतिन ने एक रिकॉर्डेड वीडियो संदेश में कहा, एक साथ आगे बढ़ने के लिए हमारी एकता और दृढ़ संकल्प की पुष्टि करना आवश्यक है। आपका प्रत्येक वोट मूल्यवान और महत्वपूर्ण है। इसलिए, मैं आपसे अगले तीन दिन में वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करने का आग्रह करता हूं। रूसियों को याद दिलाते हुए कि वे एक परिवार हैं, उन्होंने कहा कि हर शहर, कस्बे और गाँव में मतदान केंद्र खुले रहेंगे।

दुनिया को जानें

अमेरिकी सदन ने टिकटॉक पर प्रतिबंध के लिए कानून

वाशिंगटन, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक ऐसा कानून पारित किया, जिससे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इस ऐप का का उपयोग हर महीने 17 करोड़ अमेरिकियों द्वारा किया जाता है। यह कानून अब सीनेट पारित होना है और अंतिम निर्णय राष्ट्रपति को लेना है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि वह विधेयक पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना देंगे।

कानून 352 सकारात्मक वोटों के साथ पारित हुआ, जबकि 65 नकारात्मक वोट पड़े। इसे रिपब्लिकन माइक गैलाघेर और डेमोक्रेट राजा कृष्णमूर्ति द्वारा पेश किया गया था, जो क्रमश: अध्यक्ष और रैंकिंग सदस्य के रूप में चीन मामले की चयन समिति के प्रमुख हैं। टिकटॉक बिल को आगे बढ़ाने वाली हाउस कॉमर्स कमेटी की रिपब्लिकन अध्यक्ष कैथी मैकमोरिस रॉजर्स ने कहा, आज हम अपने विरोधियों को एक स्पष्ट संदेश भेजते हैं कि हमारी स्वतंत्रता को हमारे खिलाफ हथियार बनाया जाना हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 15 मार्च, 2024 | वर्ष-16 | अंक-340 | पृष्ठ-10 | मूल्य - 3.00 रुपए

राफा पर हमला कर के भी हमास को खत्म नहीं... 02

■ 31 मार्च तक 50 हजार उपभोक्ताओं को जमा ... 04
■ व्यापारी ने पत्नी व पुत्र की हत्या करने के बाद ...

■ सीएए कानून को लागू करना भाजपा की वोट बैंक ... 07
■ हिंदू शरणार्थियों से नफरत करते हैं केजरीवाल : प्रवीण शंकर

हेजे जाति के लोग 'नई गुणवत्ता उत्पादक ... 10

रमजान मुबारक

15 मार्च-4

खत्म सहरी : 5.18

रोजा इफतार : 6.30

सार संक्षेप

अमरिंदर सिंह की सांसद पत्नी भाजपा में शामिल

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी लोकसभा सदस्य परनीत कौर गुरुवार को भाजपा में शामिल हो गई। कांग्रेस पार्टी ने उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हुए पार्टी से निलंबित कर दिया था। उन्होंने भाजपा महासचिव अरुण सिंह, विनोद तावडे,तरुण चुगव पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली। चार बार की सांसद रही परनीत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए कामों की तारीफ की।

एक देश, एक चुनाव समिति की रिपोर्ट पेश

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति ने 'एक देश, एक चुनाव-आकांक्षी भारत के लिए एकसाथ चुनाव महत्वपूर्ण' विषय पर गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपनी 18,626 पृष्ठ की रिपोर्ट सौंप दी। विधि मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, समिति को कुल 47 राजनीतिक दलों ने अपने सुझाव दिए हैं, जिनमें से 32 ने पूरे देश में सभी चुनाव एक साथ कराने की प्रस्ताव का समर्थन किया है। 15 राजनीतिक दलों ने इसका विरोध किया है।

सुधा मूर्ति ने राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली

नई दिल्ली। हाल ही में उच्च सदन के लिए मनोनीत की गई सामाजिक कार्यकर्ता ,इंजीनियर और जानीमानी लेखिका सुधा मूर्ति ने गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने श्रीमती मूर्ति को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई। इस मौके पर नेता सदन पीयूष गोयल, राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी और अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एक सौ जेल 'ईट राइट परिसर' के रूप में प्रमाणित

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने देश भर की लगभग 100 जेलों को 'ईट राइट परिसर' के रूप में प्रमाणित किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि देश की कुछ प्रमुख जेलों तिहाड़ जेल (दिल्ली), केंद्रीय जेल गया (बिहार), आधुनिक केंद्रीय जेल (पंजाब) व कई जिला स्तर की जेलों को 'ईट राइट परिसर' के रुप में प्रमाणित किया गया है।

किसानों नेताओं ने रामलीला मैदान में भरी हुंकार

पूंजीपतियों की है मोदी सरकार, गांवों में घुसने नहीं देंगे

■ 23 मार्च को देशव्यापी प्रदर्शन करेंगे किसान
■ किसानों ने दिल्ली आने से रोकने का लगाया आरोप
■ उप्र, पंजाब के अलावा कई राज्यों से किसान पहुंचे

यह आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है। सरकार को बातचीत के जरिए मांगों को लेकर रास्ता निकालना चाहिएः **राकेश टिकैत, किसान नेता**

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। देश भर में केंद्र सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ कई आंदोलन हो रहे हैं, जोकि नजर नहीं आ रहे हैं। जहां किसान संगठन कमजोर हैं, वहां सरकार मजबूत है। ऐसे में गांवों में बैठक करनी जरूरी है। केंद्र सरकार ने 22 जनवरी, 2021 के बाद से किसान संगठनों से कोई बातचीत नहीं की है। यह सरकार किसी पार्टी की नहीं, बल्कि पूंजीवादियों की सरकार है। यह बातें भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहीं। वह रामलीला मैदान में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान-मजदूर महापंचायत में किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये विचारधारा के आंदोलन हैं। इससे सरकार को संदेश दिया है कि सभी संगठन एक हैं। यह आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ है। सरकार को बातचीत के जरिए मांगों को लेकर रास्ता निकालना चाहिए। किसी भी पार्टी की सरकार हो, अगर किसानों के खिलाफ फैसले लेगी तो उसका विरोध किया जाएगा। सरकार संयुक्त किसान यूनियन को तोड़ना चाहती है। सरकार सिख समाज को बदनाम कर रही है। लेकिन, पूरा देश किसानों के साथ है। टिकैत ने आरोप लगाते हुए कहा कि महापंचायत में शामिल होने के लिए किसानों की ट्रेनों को रोका जा रहा है, बसों में जाकर किसानों को डरा रहे हैं। यह किसान मजूदरों की हक की लड़ाई है।

22 जनवरी, 2021 के बाद से किसान संगठनों से कोई बातचीत नहीं की

एसकेएम ने केंद्र सरकार के विरोध में संकल्प पत्र किया जारी

न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत अन्य मांगों को लेकर गुरुवार को संयुक्त किसान मोर्चा समेत कई किसान संगठन ने रामलीला मैदान में पहुंचे। एसकेएम ने किसान शुभकरण सिंह की मृत्यु और किसान आंदोलन के खिलाफ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग की। वहीं, घटना की न्यायिक जांच और जिम्मेदार नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। इस दौरान एसकेएम ने केंद्र सरकार के विरोध में संकल्प पत्र जारी किया।

यह खेती-किसानी के भविष्य की लड़ाई है

किसानों ने आगे की रणनीति को लेकर बताया कि 23 मार्च को देश भर में बड़े स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। किसान नेता दर्शन पाल ने कहा कि सरकार ने किसानों को बॉर्डर पर बैरिकेडिंग और कीलें लगाकर आने से रोका है। अब किसान उन्हें अपने गांव में आने से रोकेंगे। गांव में घुसने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि यह खेती-किसानी की भविष्य की लड़ाई है। किसान शांत हुआ है, लेकिन अपनी मांगों को लेकर पीछे नहीं हटे हैं।

किसानों को खुशहाल बनाएगी किसान न्याय योजना : खड़गे

■ 62 करोड़ किसानों को भाजपाई अत्याचार से मुक्त कराएंगे
■ कांग्रेस ने एमएसपी को कानूनी दर्जा देने की दी है गारंटी

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किसान न्याय योजना को देश के अन्नदाता के लिए क्रांतिकारी कदम बताते हुए गुरुवार को कहा कि इससे किसान खुशहाल होंगे और उनके जीवन में समृद्धि आएगी। श्री खड़गे ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में आज कहा, हम देश के 62 करोड़ अन्नदाता किसानों को भाजपाई अत्याचार से मुक्त कराएंगे । 'किसान न्याय' से हर किसान के जीवन में खुशहाली लाएंगे। कांग्रेस पार्टी की किसान न्याय गारंटी के 5 मुख्य बिंदु हैं जिनमें सही दाम एमएसपी को स्वामीनाथन आयोग के फार्मूले के तहत कानूनी दर्जा देने की गारंटी। उन्होंने कहा कि योजना के तहतकर्जा माफी आयोग किसानों के ऋण माफ करने और ऋ ण माफी की राशि निर्धारित करने के लिए एक स्थायी 'कृषि ऋ ण माफी आयोग' बनाने की गारंटी है।

किसानों की आवाज बनकर उभरेगा इंडिया

राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया गठबंधन किसानों की आवाज बन कर उभरेगा। हम ऐसी पॉलिसियां बनाएंगे जो उनकी हिफाजत कर सके। उन्होंने किसानों को जीएसटी से बाहर करने का वादा किया। राहुल गांधी कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरा महाराष्ट्र के नासिक जिले के चंदवाड में एक किसान रैली को संबोधित कर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार गुट से मांगा हलफनामा

प्रचार सामग्री में शरद पवार की तस्वीर का ना करें इस्तेमाल

सर्वोच्च अदालत ने कहा चुनाव आने पर आपको उनके नाम की जरुरत होती है

■ मामले की 18 मार्च को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजीत पवार गुट से यह हलफनामा देने को कहा कि वह लोकसभा या विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी प्रचार सामग्री पर शरद पवार की तस्वीर का इस्तेमाल नहीं करेगा।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और के वी विश्वनाथन की पीठ ने अजित पवार समूह की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह से कई सवाल पूछे और तस्वीर इस्तेमाल के मामले में शनिवार को हलफनामा देने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने इस निर्देश के साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 मार्च की तारीख मुकर्रर कर दी। पीठ ने अजित पवार गुट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह से पूछा कि उसने आगामी लोकसभा चुनाव में पोस्टरों में शरद पवार की तस्वीर का इस्तेमाल क्यों किया।

अजीत गुट से कहा, अपनी पहचान के साथ रहिए

पीठ ने कहा, अपनी पहचान के साथ रहिए। आप उनके नाम को भुना नहीं सकते। चुनाव आने पर आपको उनके नाम की जरुरत होती है और जब यह खत्म हो जाता है, तो आपको उनकी आवश्यकता नहीं होती। पीठ ने कहा कि उसने अजित पवार समूह को घड़ी चुनाव चिन्ह के साथ वास्तविक राकांपा के रूप में मान्यता देने के चुनाव आयोग के फैसले पर अभी तक अपना कोई विचार नहीं किया है।

चुनावी बॉन्ड से जुड़ी जानकारी हुई सार्वजनिक

■ निर्वाचन आयोग ने अपलोड किया डेटा
■ एसबीआई ने आयोग को दिए थे आंकड़े

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक कर दी है। चुनाव आयोग के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के हिसाब से भारतीय स्टेट बैंक ने 12 मार्च 2024 को चुनाव आयोग (ईसीआई) को चुनावी बांड से संबंधित डेटा मुहैया करा दिया था। इसके बाद चुनाव आयोग की वेबसाइट पर गुरुवार को डेटा अपलोड कर दिया गया। वेबसाइट पर चुनावी बॉन्ड एसबीआई से प्राप्त डेटा को जस के तस अपलोड कर दिया गया है।

चंदा देने वालों में पीरामल डीएलएफ शामिल

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़े के मुताबिक, चुनावी बॉन्ड के माध्यम से राजनीतिक दलों को दान देने वालों में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, मेघा इंजीनियरिंग, पीरामल एंटरप्राइजेज शामिल हैं। इसमें टोरेंट पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ कमर्शियल डेवलपर्स, वेदांता लिमिटेड शामिल हैं। इसके अलावा सूची में चुनावी बॉन्ड के खरीदारों में अपोलो टायर्स, लक्ष्मी मित्तल, एडलवाइस, पीवीआर, केवेंटर, सुला वाइन, वेलस्पन, सन फार्मा के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही चुनाव आयोग की ओर से साझा की जानकारी में बताया गया है कि इन बॉन्ड्स के जारिए भाजपा, कांग्रेस, अन्नाद्रमुक, बीआरएस, शिवसेना, तेदेपा, वाईएसआर कांग्रेस को धन मिला। सूची में द्रमुक, जद(एस), राकांपा, तृणमूल कांग्रेस, जद (यू), राजद, आप और सपा के भी नाम हैं।

चुनाव आयोग को मिले दो नए आयुक्त

■ सुखबीर संधू और ज्ञानेश के नाम पर मुहर ■ अधीर रंजन ने प्रकिया पर उठाए सवाल

चुनाव आयोग में दो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति हो गई है। इसके लिए गुरुवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास पर हुई एक बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भी शामिल हुए। बैठक के बाद अधीर रंजन चौधरी ने बता दिया था कि सुखबीर संधू और ज्ञानेश कुमार के नाम पर मुहर लगी है। पूर्व चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय के सेवानिवृत्त होने और अरुण गोयल के बीते दिनों इस्तीफे की वजह से चुनाव आयोग में दो चुनाव आयुक्तों के पद खाली थे। श्री चौधरी ने बातचीत में चुनाव आयुक्तों की चयन प्रक्रिया पर सवाल भी खड़े किए। कांग्रेस नेता ने कहा, उनके पास बहुमत है। इससे पहले, उन्होंने मुझे 212 नाम दिए थे। लेकिन नियुक्ति से 10 मिनट पहले उन्होंने मुझे फिर से सिर्फ छह नाम दिए। श्री चौधरी ने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह मनमाना है लेकिन जो प्रक्रिया अपनाई जा रही है उसमें कुछ खामियां हैं।

संयुक्त राष्ट्र की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट

मानव विकास सूचकांक में भारत 134वें पायदान पर

■ लैंगिक असमानता सूचकांक में 108वें स्थान पर रहा

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में भारत 193 देशों की सूची में 134वें नंबर पर है। साल 2022 की रैंकिंग में भारत की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। 2021 के सूचकांक की तुलना में एक पायदान ऊपर पहुंचा भारत कई मायने में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की तरफ से जारी इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत लैंगिक असमानता सूचकांक (जीआईआई) 2022 में 108वें स्थान पर रहा। जीआईआई-2021 में 0.490 स्कोर के साथ 191 देशों में इसकी रैंक 122 थी। इससे पता लगता है कि देश में लैंगिक असमानता को दूर करने की दिशा में बीते कुछ महीनों में उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं। यह सूचकांक इसलिए भी अहम है क्योंकि लगातार दो साल फिसलने के बाद भारत की रैंकिंग में सुधार दर्ज किया गया है। 2021 और 2022 में भारत एक-एक पायदान नीचे खिसक गया था।

संयुक्त राष्ट्र के इस सूचकांक के बारे में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कहा, जीआईआई-2021 की तुलना में जीआईआई-2022 में 14 रैंक की छलांग महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्शाता है। हालांकि, अलग-अलग पैमानों पर हुए अध्ययन में श्रमिकों से जुड़ा चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। 2022 के सूचकांक के मुताबिक देश की श्रम बल भागीदारी दर में सबसे बड़ा लैंगिक अंतर भी सामने आया है। महिलाओं (28.3 प्रतिशत) और पुरुषों (76.1 प्रतिशत) के बीच 47.8 प्रतिशत का बड़ा अंतर देखा गया है।

पाकिस्तानियों ने पुलिस सुरक्षा में किया हुड़दंग : केजरीवाल

■ देश के किसानों को इजाजत नहीं, पाकिस्तानी कर रहे प्रदर्शन
■ भाजपा मुझसे नफरत करते-करते पाकिस्तानियों के साथ खड़ी हो गई

नई दिल्ली, 14 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए गुरुवार को कहा कि देश के के किसानों को दिल्ली में आने की भी इजाज़त नहीं है जबकि पाकिस्तानियों को पुलिस सुरक्षा और सम्मान के प्रदर्शन करने दिया जा रहा है। श्री केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'पाकिस्तानियों को पूरी पुलिस सुरक्षा और सम्मान के साथ मेरे घर के बाहर प्रदर्शन करने की इजाज़त और इस देश के किसानों को दिल्ली में आने की भी इजाज़त नहीं? भारत के किसानों पर आंसू गैस के गोले, लाठियां, डंडे और गोलियां? और पाकिस्तानियों को इतना सम्मान?' उन्होंने कहा, आज कुछ पाकिस्तानियों ने मेरे घर के सामने प्रदर्शन और हुड़दंग किया। दिल्ली पुलिस ने उन्हें पूरा सम्मान और संरक्षण दिया। भाजपा ने इनका पूरा समर्थन किया। भाजपा मुझसे नफ़रत करते-करते पाकिस्तानियों के साथ खड़ी हो गई, भारत के साथ गद्दारी करने लगी? इस सीएए के बाद ये पाकिस्तानी पूरे देश में फैल जाएंगे और इसी तरह हमारे ही मुल्क के लोगों को इस तरह हड़काएंगे।

सरकार ने 18 ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रतिबंध लगाया

57 सोशल मीडिया अकाउंट पर भी प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने अश्लील विषय वस्तु और सामग्री का प्रसारण करने वाले 18 ओटीटी प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने गुरूवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि इन प्लेटफार्म के साथ साथ 19 वेबसाइटों, 10 ऐप जिनमें से सात गुगल प्ले स्टोर पर और तीन एप्पल ऐप स्टोर पर हैं और इनसे जुड़े 57 सोशल मीडिया अकाउंट पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने 'रचनात्मक अभिव्यक्ति' की आड़ में अश्लीलता और दुर्व्यवहार का प्रचार न करने के लिए प्लेटफार्मों की जिम्मेदारी पर बार-बार जोर दिया है।

परेशानी — कश्मीरी पंडितों के साथ हो रही राजनीतिक नाइंसाफी

बिना संसदीय क्षेत्रों के मतदाता हैं कश्मीरी विस्थापित

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 14 मार्च (देशबन्धु)। है तो बड़ी अजीब बात लेकिन जम्मू कश्मीर में यह पूरी तरह से सच है। कभी आपने ऐसे मतदाता नहीं देखें होंगे जो बिना लोकसभा क्षेत्र के हों। यहां पर हैं। वे भी एक दो सौ-पांच सौ नहीं बल्कि पूरे सवा लाख। और ये मतदाता जिन्हें कश्मीरी विस्थापित कहा जाता है पिछले 34 सालों में होने वाले उन लोकसभा तथा विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करते आ रहे हैं

■ संसदीय क्षेत्र कश्मीर में, प्रचार व मतदान होता है जम्मू में

जहां से पलायन किए हुए उन्हें 34 साल का अरसा बीत गया है।

देखा जाए तो कश्मीरी पंडितों के साथ यह राजनीतिक नाइंसाफी है। कानून के मुताबिक, अभी तक उन्हें उन क्षेत्रों के मतदाताओं के रूप में पंजीकृत हो जाना चाहिए जहां वे रह रहे हैं लेकिन सरकार ऐसा करने को इसलिए तैयार नहीं है क्योंकि वह समझती है कि ऐसा करने से कश्मीरी विस्थापितों के दिलों से वापसी की आस समाप्त हो जाएगी। नतीजतन कश्मीर के करीब 6 जिलों के 46 विधानसभा क्षेत्रों के मतदाता आज जम्मू में रह रहे हैं। इनमें से श्रीनगर जिले के सबसे अधिक मतदाता हैं। तभी तो कहा जाता रहा है कि श्रीनगर जिले की 8 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने वाले मतदाताओं का भविष्य इन्हीं विस्थापितों के हाथों में होता है जिन्हें हर बार उन विधानसभा तथा लोकसभा क्षेत्रों के लिए मतदान करना पड़ा है जहां अब लौटने की कोई उम्मीद उन्हें नहीं है। और अब एक बार फिर उन्हें इन्हीं लोकसभा क्षेत्रों से खड़े होने जा रहे उम्मीदवारों को जम्मू या फिर देश के अन्य भागों में बैठ कर चुनना है। उनकी पीड़ा का एक दुखद पहलू यह है कि जम्मू में आकर होश संभालने वाले युवा मतदाताओं को भी जम्मू के मतदाता के रूप में पंजीकृत करने की बजाए कश्मीर घाटी के मतदाता के रूप में स्वीकार किया गया है। अर्थात उन युवाओं को उन लोकसभा तथा विधानसभा क्षेत्रों के लिए इस बार मतदान करना पड़ेगा, जिनकी सूरत भी अब उन्हें याद नहीं है।

हालांकि चुनावों में हमेशा स्थानीय मुद्दों को नजर में रख कर मतदाता वोट डालते रहे हैं तथा नेता भी उन्हीं मुद्दों के आधार पर वोट मांगते रहे हैं। लेकिन कश्मीरी विस्थापित मतदाताओं के साथ ऐसा नहीं है। न ही उनसे वोट मांगने वालों के साथ ऐसा है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

हम मेक इन इंडिया के साथ साथ आत्मनिर्भर भारत का भी सपना पूर्ण करने की राह पर हैं। हम सरकार के साथ मिलकर जम्मू में ईवी प्लांट स्थापित करेंगे जिसमे हमारे द्वारा 1000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इससे लगभग एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिलेगा और मात्र 36,900 रुपए में देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक टू व्हीलर इसी वर्ष एनजीई के द्वारा 15 अप्रैल को लॉन्च किया जाएगा : **डॉ. पीयूष द्विवेदी, चेयरमैन नेक्सजेन एनर्जिया**

नेक्सजेन एनर्जिया के एमडी ने नितिन गडकरी से की मुलाकात

नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। नेक्सजेन एनर्जिया के चेयरमैन डा. पीयूष द्विवेदी ने केंद्र सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग, जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री नितिन गडकरी से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर पूरे देश में सीबीजी प्लांट लगाने, ईंधन के इंपोर्ट को कम करने, ईवी को बढ़ावा देने के लिए मेक इन इंडिया जैसे कई अहम विषयों के प्रस्ताव को लेकर मुलाकात की।

नेक्सजेन एनर्जिया के चेयरमैन डा. पीयूष द्विवेदी ने बताया की हम मेक इन इंडिया के साथ साथ आत्मनिर्भर भारत का भी सपना पूर्ण करने की राह पर हैं। हम सरकार के साथ मिलकर जम्मू में ईवी प्लांट स्थापित करेंगे जिसमे हमारे द्वारा 1000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। इससे लगभग एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार मिलेगा और मात्र 36,900 रुपए में देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक टू व्हीलर इसी वर्ष एनजीई के द्वारा 15 अप्रैल को लॉन्च किया जाएगा।

1000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव

डा. पीयूष द्विवेदी ने बताया कि मुलाकात के दौरान इस बात पर गहन चर्चा हुई की ई व्हीकल आयात करने वाले 900 आयातकों के आयात देश में ही बनाए जाएंगे, जिससे देश का पैसा देश में ही रहे और मेक इन इंडिया को मजबूती मिल सके। इसके लिए चाइना से आयात होने वाले उपकरण भारत में ही बनाए जाएंगे और कम दर पर उत्पादक तक पहुंचाया जाएगा। इससे देश आर्थिक रूप से और भी मजबूत होगा। नेक्सजेन एनर्जिया इलेक्ट्रिक टू व्हीलर के साथ साथ अब इलेक्ट्रिक बस, ट्रक और आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कार का भी उत्पादन शुरू करेगी, जिसका प्रस्ताव भी केंद्रीय मंत्री को दिया गया।

31 मार्च तक 50 हजार उपभोक्ताओं को जमा करना होगा एडवांस बिल

नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। शासन स्तर से मिले लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से बिजली विभाग की तरफ से करीब 50 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को एडवांस बिल भेजे गए हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों ने इन बिजली बिलों को जमा करने के लिए 31 मार्च तक का समय उपभोक्ताओं को दिया है। साथ ही बिजली विभाग की तरफ से उपभोक्ताओं को यह भी जानकारी दी गई है कि अगर वह निर्धारित तारीख तक बिजली बिल जमा नहीं करते हैं तो उन सभी की फैक्ट्री और संस्थानों में कनेक्शन काटने का अभियान चलाया जाएगा। वहीं, बिजली विभाग की तरफ से एडवांस बिजली बिल भेजने के बाद उपभोक्ताओं ने मनमानी का आरोप लगाते हुए इसका विरोध भी शुरू कर दिया है। शासन की तरफ से बिजली विभाग को वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने में करीब 600 करोड़ रुपए का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य को पूरा करना अधिकारियों के लिए अब सिरदर्द भी बनता जा रहा है। बिजली विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह लक्ष्य अन्य महीनों की तुलना में काफी ज्यादा है। लक्ष्य को पूरा करने के उद्देश्य से बिजली विभाग की तरफ से उपभोक्ताओं को पांच हजार से लेकर पांच लाख रुपए तक एडवांस बिजली बिल भेजे जा रहे हैं।

■ बिल जमा नहीं करने पर चलेगा कनेक्शन काटने का अभियान

अप्रैल महीने के बिल में जोड़ दी जाएगी एडवांस राशि

बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मार्च में भेजे जाने वाले एडवांस राशि को उपभोक्ताओं के अप्रैल महीने के बिजली बिल में जोड़ दिया जाएगा। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता संजीव कुमार वैश्य ने बताया कि एक भी घरेलू उपभोक्ताओं को एडवांस बिजली बिल नहीं भेजा गया है। यह केवल वाणिज्यिक, संस्थागत और औद्योगिक उपभोक्ताओं को ही एडवांस बिजली बिल भेजा गया है। वाणिज्यिक उपभोक्ताओं में भी बड़े कनेक्शन के उपभोक्ताओं को ही एडवांस बिजली बिल भेजा गया है।

बिजली की समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य अभियंता कार्यालय पर पंचायत

नोएडा। सेक्टर 16 स्थित मुख्य अभियंता के कार्यालय पर गुरुवार को भाकियू (लोक शक्ति) के कार्यकर्ताओं ने महापंचायत का आयोजन किया। यह महापंचायत भाकियू (लोक शक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह के नेतृत्व में आयोजित की गई। इस महापंचायत के दौरान भाकियू (लोक शक्ति) ने बिजली से संबंधित किसानों की समस्याओं को प्रमुखता के साथ रखा। वहीं, इन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान की भी मांग की। भाकियू (लोक शक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह ने बताया कि डूब क्षेत्र के किसानों की समस्याओं पर महापंचायत के दौरान ज्यादा जोर दिया गया। इसके अलावा सेक्टर 16, 18, 162 और सेक्टर 163 के अलावा ग्रेटर नोएडा के अधिशासी अभियंता को भी महापंचायत में बुलाया गया। इस दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों को महापंचायत के दौरान जानकारी दी गई कि विजिलेंस इंस्पेक्टर रात के समय चेकिंग अभियान न चलाएं। इस मौके पर ओमदत्त चौहान, सतपाल यादव, विनोद चौधरी और लखन मलिक समेत कई किसान मौजूद रहे।

सार संक्षेप

युवती के पिता का दोस्त बताकर 1.29 लाख ठगे

नोएडा। साइबर अपराधी ने सेक्टर-11 निवासी युवती को फोन कर उसके पिता का दोस्त बताया। इसके बाद रुपए वापस देने का झांसा देकर उससे एक लाख 29 हजार रुपए हड़प लिए। पीड़िता ने सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज कराया है। शालिनी कुमारी ने पुलिस को बताया कि उनके पास 28 फरवरी को अनजान व्यक्ति ने फोन किया। उनसे कहा कि वह उनके पिता का दोस्त बोल रहा है। उसको उनके पिता के कुछ रुपए वापस करने हैं। इसके बाद आरोपी ने युवती को अपनी बातों के झांसे में फंसाकर उससे कई बार में कुल एक लाख 29 हजार रुपए ले लिए। जब आरोपी और रुपए मांगने लगा तो युवती को ठगी की जानकारी हुई। उन्होंने आरोपी से अपने रुपए वापस मांगे तो उसने फोन काट दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की एक टीम मामले की जांच कर रही है।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे चार गिरफ्तार

नोएडा। सदरपुर कॉलोनी के पास से सार्वजनिक स्थान पर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने ताश की गड्डी और नगदी बरामद किया है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को पुलिस को सूचना मिली कि सदरपुर कॉलोनी के पास कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर हार- जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने कुलदीप कनौजिया, विशाल कनौजिया, हर्षित मिश्रा और अमित कुमार को गिरफ्तार किया है।

ई- रिक्शा चालक ने की आत्महत्या

नोएडा। थाना फेस- वन क्षेत्र के नया बास गांव में रहने वाले एक ई- रिक्शा चालक ने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उसके भाई ने गंभीर हालत में उपचार के लिए उसको जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। थाना फेस -वन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि अमन (19) पुत्र ओमवीर नयाबांस गांव में रहता था, ई-रिक्शा चलाता था। उन्होंने बताया कि बुधवार की देर रात को अमन ने अपने घर पर पंखे से फंदा लगा लिया। उसके भाई ने उसे फंदे से उतर कर अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर 39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया।

स्क्रैप ठेकेदार पर लाखों की ठगी का आरोप

नोएडा। एक व्यक्ति ने स्क्रैप ठेकेदार सहित चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी करने और लाखों रुपए नहीं देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि हर्षवर्धन ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी कंपनी रेफान एंटरप्राइजेज से स्क्रैप ठेकेदार मेहताब कुरैशी, उसके तीन भाई नाजिम, अब्बास आदि ने स्क्रैप खरीदा।

स्वास्थ्य विभाग ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर चलाया जागरूकता कार्यक्रम

नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरुवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इस दौरान सेक्टर 39 स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय में हस्ताक्षर अभियान से इसकी शुरुआत की गई। इसके बाद बिसरख स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जागरूकता सेमिनार का भी आयोजन किया। यह कार्यक्रम जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की जिला सलाहकार श्वेता खुराना के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने इस दौरान तंबाकू से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी देते हुए आग्रह भी किया कि वह लोगों को तंबाकू से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करें।

■ सीएमओ कार्यालय पर हस्ताक्षर अभियान से की शुरुआत

जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की जिला सलाहकार श्वेता खुराना ने बताया कि इस कानून की धारा 4 के तहत सभी सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध है। इस धारा का उल्लंघन करने पर 200 रुपए तक का जुर्माना और धारा 6ए के तहत 18 साल से कम आयु के बच्चों को तंबाकू उत्पाद बेचने और खरीदने की मनाही है। इस धारा का उल्लंघन करने पर 200 रुपए का जुर्माना और धारा 6बी के तहत सभी शिक्षण संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू युक्त पदार्थ बेचने की मनाही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि सिगरेट और अन्य तंबाकू पदार्थ का सेवन करने से मुंह और गले का कैंसर, अस्थमा, हार्ट अटैक और अन्य भयानक बीमारियों के होने का खतरा बना रहता है। किसी भी व्यक्ति को सिगरेट और अन्य तंबाकू पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए।

पार्षद के निधन पर निगम मुख्यालय में शोक सभा आयोजित

गाजियाबाद, 14 मार्च (देशबन्धु)। वार्ड 19 की भाजपा पार्षद श्रीमती उर्मिला चौहान गुरुवार को निधन हो गया। शाम को नगर निगम कार्यालय परिसर में शोक सभा की गई। जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मौन रखा गया। जिसमें महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक समेत तमाम अधिकारी उपस्थित रहे।

व्यापारी ने पत्नी व पुत्र की हत्या करने के बाद खुद गला काटकर किया आत्महत्या का प्रयास

गाजियाबाद, 14 मार्च (देशबन्धु)। कविनगर थाना क्षेत्र के महिंद्रा एंक्लेव में एक व्यापारी ने अपनी पत्नी और बेटे की हत्या करने के बाद खुद भी अपना गला रेतकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है। व्यापारी को गम्भीर दशा में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद पूरी कालोनी में हड़कम्प मचा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शूरु कर दी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वारदात को अंजाम क्यों दिया इसका भी पता नहीं लग पाया है। मौके से एक रजिस्टर में लिखा हुआ सुसाइड नोट बरामद हुआ है। पुलिस उपायुक्त (नगर) कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि कविनगर क्षेत्र के महेंद्रा एनक्लेव ई ब्लॉक में व्यापारी अमरदीप शर्मा अपनी पत्नी सोनू और बेटे विनायक के साथ रहते हैं। गुरुवार को अमरदीप शर्मा अपने घर मे घायल अवस्था मे व उनकी पत्नी सोनू व इनका पुत्र विनायक मृत अवस्था मे मिले है। घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। फोरेन्सिक टीम मौके पर है। प्रथम दृष्टया घटना के विषय मे यह प्रतीत होता है कि अमरदीप शर्मा ने पत्नी व बच्चे को मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की है। अमरदीप शर्मा घायल अवस्था मे हास्पिटल मे है, अर्धचेतन अवस्था मे कुछ बाते स्वीकार भी कर रहे है। एक सुसाइड नोट भी मिला है जिसमे उन्होने अपनी पत्नी व बच्चे को मारकर क्षमा मांगते हुए अपने सुसाइड करने की बात लिखी है। साक्ष्यों का विश्लेषण किया जा रहा है। अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है ।

पूरे इलाके में मचा हड़कम्प, मौके से मिला सुसाइड नोट

निष्पक्ष चुनाव की तैयारी में जुटा प्रशासन, डीएम की अनुमति के बिना अधिकारी नहीं छोड़ेंगे मुख्यालय

गाजियाबाद, 14 मार्च (देशबन्धु)। जिला प्रशासन अब चुनाव तैयारी में जुट गया है। गुरुवार की जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्रविक्रम सिंह ने आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन—2024 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए कार्यवृत्त बनाया। जिसमें प्रभार कार्य व्यवस्था, प्रभारी अधिकारी, सह प्रभारी अधिकारी और कार्य दायित्व का विवरण दिया गया। जिसके अन्तर्गत जिला मजिस्ट्रेट जिला निर्वाचन अधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को प्रभारी अधिकारी बनाते हुए कार्मिक एवं प्रशिक्षण, स्वीप की व्यवस्थाओं कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी।

■ चुनाव को स्वतन्त्र, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण व सुचारू रूप से सम्पन्न कराना ही लक्ष्य : इन्द्र विक्रम सिंह

जिलाधिकारी ने बताया कि इसमें टेन्टेज व्यवस्था, मतदाता सूची सम्बंधित समस्त कार्य, स्ट्रांग रूप, मानचित्रों की तैयारी की जिम्मेदारी, लेखन साम्रगी, लाजिस्टिक व्यवस्था, मतपत्र व्यवस्था, पोस्टल बैलेट एवं ईटीपीबीएमएस व्यवस्था, ईवीएम व्यवस्था, प्राप्ति एवं प्रेषण निर्वाचन सामग्री, आदर्श आचार संहिता, कानून एवं शांति व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, प्रेक्षक व्यवस्था, वीडियोग्राफी, वेबकास्टिंग, सीसीटीवी, निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण, कन्ट्रोल रूम, कॉल सेन्टर, निर्वाचन सम्बंधी शिकायत प्रकोष्ठ, सी—विजिल, कम्यूनिकेशन प्लान एवं रूट चार्ट, मतदान केन्द्रों, मतदेय स्थल का निर्माण एवं मतदान सम्बंधी समस्त व्यवस्थाएं, साफ—सफाई पेयजल व्यवस्था, पोल डे मॉनिटरिंग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, साइबर सिक्योरिटी एवं आईटीसेल सम्बंधी व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, यात्रा भत्ता, मानदेय वितरण व्यवस्था, खानपान व्यवस्था, अग्निशमन, कार्मिक कल्याण, दिव्यांगजन कल्याण व्यवस्था, विधि प्रकोष्ठ सहित अन्य प्रभार, कार्य व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी प्रभारी अधिकारी, सह प्रभारी अधिकारी अपने पद के दायित्वों के प्रति अपनी जानकारी बढ़ाने के लिए सम्पर्क में रहें और मुख्य निर्वाचन आयोग से मिले। दिशा—निर्देशों के अनुरूप ही कार्य करें। अपने कार्यक्षेत्र में कार्य कर रहे अधिकारी, कर्मचारियों से समन्वय बनाकर रखें और उन्हें समय—समय पर उनके कार्य के प्रति सम्बंधित जानकारी उपलब्ध कराएं और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण व जांच करें। यदि निर्वाचन के सम्बंध में किसी भी प्रकार की कोई समस्या आती हैं तो प्रभारी अधिकारी से सम्पर्क करें और यदि प्रभारी अधिकारी को समस्या आती है तो वह हमसे नि:संकोच जानकारी लें।

निर्वाचन के सम्बंध में होने वाली सभी बैठकों में प्रतिभाग करना अनिवार्य हैं। चुनाव को स्वतन्त्र, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराना ही लक्ष्य हमारा लक्ष्य हैं। साथ ही मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करते हुए ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने पर जोर दिया जाए। उन्होने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जीडीए सचिव, अपर नगर आयुक्त, सभी एडीएम, सिटी मजिस्ट्रेट उपस्थित थे।

गंदा पानी नाले में बहाने पर 35 संस्थानों पर 70 लाख का जुर्माना

नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। किचन से निकलने वाले चिकनाई युक्त पानी को बिना शोधित किए सीधे नाले में डाला जा रहा था। इससे शहर में नाला व नाली चोक हो रहे है। इस पर गुरुवार को प्राधिकरण ने बड़ा एक्शन लेते हुए 35 संस्थानों पर करीब 70 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इन सभी को प्राधिकरण ने चेतावनी जारी करते हुए 15 दिन का समय दिया था। इन संस्थानों ने अपने यहां ग्रीस ट्रेप-ईटीपी नहीं लगाए। वहीं नोटिस के बाद 5 संस्थानों ने अपने यहां ग्रीस ट्रेप और इटीपी लगाया।

■ संस्थानों को सात दिन में जमा करना होगा जुर्माना

■ महज पांच संस्थाओं ने लगाया ईटीपी और ग्रीस ट्रेप

इन संस्थानों ने लगाया ईटीपी ग्रीस ट्रेप

करीम सेक्टर-104, द इलिओट होटल हाजीपुर, नाथूस सेक्टर-18, बीकानेर सेक्टर-18

बता दें कि लंबे समय से नोएडा प्राधिकरण में शिकायत की जा रही थी कि , नोएडा के रेस्तरां , होटल और वाणिज्यिक संस्थानों की ओर से निकलने वाला चिकनाई युक्त पानी सीधे नाली में बहाया जा रहा है। शिकायत का संज्ञान लेकर प्राधिकरण जल खंड की ओर से करीब 105 संस्थानों को नोटिस जारी किया गया। इनके समय अवधि पूरी होने के बाद प्राधिकरण की टीम ने निरीक्षण किया। जिसके बाद पहले फेज में करीब 35 संस्थानों की ओर से ग्रीस ट्रेप और ईटीपी नहीं लगाया गया। प्राधिकरण ने इन पर जुर्माना लगाया। इन सभी को सात दिनों में पैसा जमा करना होगा। साथ नियमों के तहत ग्रीस ट्रेप और ईटीपी लगाना होगा। अन्यथा होने पर और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इन सभी पर लगाया गया दो लाख का जुर्माना

सेक्टर-104 में द कोर्ट यार्ड डिनर, कोलोकल रेस्टोरेंट, एट लाइफ रेस्टोरेंट, द यलो चिली, स्पेजिया बिस्तरो, लॉ पिनोज पिज्जा, बाबास रेस्टोरेंट, आहार रेस्टोरेंट, द गेंट पांडा एशियन रेस्टोरेंट, स्वीट आई रेस्टोरेंट हाजीपुर गांव में छवी होटल, अव्यद्या फूड तरकारी, एआई नवाब रेस्टोरेंट, फीलिया रेस्टोरेंट, गब्बर ढाबा,सिंह फूड नोएडा, बाबा का ढाबा, द आर्टिसन वॉक फूड कोर्ट, डेजा ट्रीट, स्टर्लिंग मॉल।
नोएडा के सेक्टर-18 में गुलाटी पंजाबी स्वाद, खान काठी रोल, चाइनीज 18, प्रथ्वी, वाक इन वुड्स, देसी वाइब्स, ढाबा द अट्टा, राधे श्याम, काऊमेन, स्वागत रेस्टोरेंट एंड बार, द तंदूरी विलेज, नजीर फूड्स, सागर रत्ना, द पटियाला किचन।

'पीएम सूर्य घर' मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत

गाजियाबाद, 14 मार्च (देशबन्धु)। सांसद एवं केंद्रीय सड़क परिवहन, राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री जनरल डॉ. वीके सिंह ने गांव काकड़ा, ब्लॉक - मुरादनगर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की। इस योजना के लाभांवित होने वाला देश का पहला जनपद गाजियाबाद और पहला गांव काकड़ा बन गया है। इस अवसर पर वीके सिंह ने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना घर में प्रकाश व धन अर्जित करने का स्त्रोत है।

■ 'पीएम सूर्य घर' मुफ्त बिजली योजना प्राप्त करने वाला पहला जनपद बना गाजियाबाद

'पीएम सूर्य घर' योजना घर में प्रकाश व धन अर्जित करने का स्त्रोत : वीके सिंह

वी के सिंह ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन समारोह और भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर प्रधानमंत्री ने देशभर में एक करोड़ घरों को सौर ऊर्जा का तोहफा देने का ऐलान किया था। भारत को आत्मनिर्भर बनाने और बिजली की कमी को दूर करने के लिए एक करोड़ घरों को अपना रूप टॉप सोलर देने का निर्णय लिया गया है। इस योजना से घरों में बिजली की कमी नहीं होगी। इस योजना से गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को बिजली तो मिलेगी ही, साथ ही भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा। इस योजना के अंतर्गत देश में रह रहे गरीब परिवारों को 300 यूनिट तक फ्री बिजली प्रदान की जाएगी। साथ ही इससे पैदा होने वाली अतिरिक्त बिजली को बेचकर सालाना 17 से 18 हजार रुपए तक की कमाई भी कर सकते हैं। इस योजना के तहत साल 2026 तक 40 हजार मेगावाट बिजली बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना का फायदा उठाने वाले उपभोक्ताओं का बिजली बिल कम आएगा।

साध्वी अणिमा के सानिध्य में काव्यधारा आयोजित

नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। अणुव्रत अमृत महोत्सव के उपलक्ष में अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में साध्वी अणिमा श्री के सानिध्य में काव्यधारा का आयोजन किया गया। जिसमें साध्वी श्री जी ने कहा कि फागुन शुक्ला दूज को अणुव्रत का सूत्रपात सरदार शहर में हुआ था। दूरदर्शी आचार्य तुलसी ने एक बहुत बड़े आंदोलन का सूत्रपात किया जब देश आजादी का जशन मना रहा था, तब आचार्य तुलसी ने कहा यू आजादी की सुरक्षा नहीं होगी,असली आजादी तो त्याग और संयम के आधार पर ही प्राप्त की जा सकती है। सुरक्षित रखे जा सकती है। अणुव्रत आंदोलन के 75 वर्ष पूर्ण होने पर पूरी परिषद के लिए संदेश दिया कि घर-घर में अणुव्रत का सिंहनाद हो। हर व्यक्ति के जीवन में अणुव्रत के नियम उतरने चाहिए। क्योंकि अणुव्रत ने पारदर्शिता भाईचारे और नैतिकता की पृष्ठभूमि को मजबूत करने का प्रयास किया है।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

सलारपुर व मूंजखेड़ा गांव के 115 किसानों को ड्रा के माध्यम से आबादी भूखंड आवंटित किए गए। शीघ्र ही अन्य गांवों के पात्र किसानों को भूखंड दिए जाएंगे। पारदर्शिता के लिए ड्रा के माध्यम से भूखंड आवंटित किए गए
: डॉ. अरुणवीर सिंह,सीईओ यमुना प्राधिकरण।

सलारपुर व मूंजखेड़ा गांव के 115 किसानों को मिले सात फीसदी आबादी भूखंड

- **16 गांवों के 4500 किसानों को आवंटित किए जाने हैं आबादी भूखंड**
- **सात फीसदी आबादी भूखंड को लेकर पिछले कई साल से आंदोलनरत हैं किसान**

सलारपुर व मूंजखेड़ा गांव के 115 किसानों को ड्रा के माध्यम से आबादी भूखंड आवंटित किए गए। शीघ्र ही अन्य गांवों के पात्र किसानों को भूखंड दिए जाएंगे : डॉ. अरुणवीर सिंह

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च (देशबन्धु)। यमुना प्राधिकरण ने जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को सात फीसदी आबादी भूखंड आवंटित करने की कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को सलारपुर और मूंजखेड़ा गांव के 115 किसानों को ड्रा के माध्यम से भूखंड आवंटित किए गए, जो यीडा सिटी के सेक्टर- 25 में होंगे। प्राधिकरण ने अगले तीन माह में 16 गांवों के 4500 किसानों को आबादी भूखंड देने की कार्ययोजना तैयार की है। दरअसल जमीन अधिग्रहण से प्रभावित किसानों को यमुना प्राधिकरण में 7 फीसदी आबादी भूखंड दिए जाने का प्रावधान है। अधिसूचित क्षेत्र के गांवों के किसान पिछले कई सालों से आबादी भूखंड दिए जाने की मांग कर रहे हैं। कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने पात्र किसानों को भूखंड आवंटित करना शुरू कर दिया है। बीते दिनों हुई बैठक में सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने 16 गांवों के किसानों को आबादी भूखंड आवंटित करने के लिए परियोजना व नियोजन विभाग को निर्देश देते थे।

इस क्रम में सलारपुर गांव के 94 और मूंजखेड़ा के 21 भूखंड सहित कुल 115 भूखंड ड्रा के माध्यम से आवंटित किए गए। अलग- अलग साइज के आवंटित भूखंड सेक्टर- 25 के पॉकेट- ए, बी, आई, जे-1 व जे- 3 ब्लॉक में होंगे। प्राधिकरण द्वारा इस सेक्टर में नाली, सड़क व सीवर सहित सभी विकास कार्य कराए जाते हैं। आबादी भूखंडों के आवंटन को लेकर एक समिति गठित की गई है। ड्रा ओएसडी शैलेंद्र कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर अजय कुमार शर्मा, तहसीलदार एवं प्रबंधक नियोजन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि सलारपुर व मूंजखेड़ा गांव के 115 किसानों को ड्रा के माध्यम से आबादी भूखंड आवंटित किए गए। शीघ्र ही अन्य गांवों के पात्र किसानों को भूखंड दिए जाएंगे। पारदर्शिता के लिए ड्रा के माध्यम से भूखंड आवंटित किए गए।

इन गांव के किसानों को आवंटित किए जाएंगे आबादी भूखंड

रौनीजा, फतेहपुर अट्टा, धनौरी, रुस्तमपुर, उस्मानपुर, चांदपुर, रामपुर, खेरलीभाव, अच्छेजा बुजुर्ग, मोहम्मदपुर बुजुर्ग, पचोकरा, कादरपुर, निलौनी शाहपुर, जगनपुर-अफजलपुर आदि गांव शामिल हैं।

सीनियर सिटीजन सोसाइटी व मिग्सन अल्टिमो में फ्लैट की रजिस्ट्री शुरू

- **ग्रेनो प्राधिकरण व रजिस्ट्री विभाग ने मिलकर दोनों सोसाइटी में लगाया शिविर**
- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कल आने की संभावना**

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर पी-थ्री स्थित सीनियर सिटीजन सोसाइटी और ओमीक्रॉन थ्री स्थित मिग्सन अल्टिमो के निवासियों के लिए बृहस्पतिवार को खुशी का वह पल आ ही गया, जिसका उनको लंबे समय से इंतजार था। दोनों सोसाइटियों में रजिस्ट्री की प्रक्रिया बृहस्पतिवार को प्रारंभ हो गई है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार की प्रयास से बृहस्पतिवार को सेक्टर पी-थ्री स्थित सीनियर सिटीजन सोसाइटी और ओमीक्रॉन थ्री स्थित मिग्सन अल्टिमो में फ्लैट खरीदारों के नाम रजिस्ट्री करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ 15 मार्च को ग्रेअर नोएडा आकर फ्लैट खरीदारों को मालिकाना हक सौंपने वाले थे, उनका कार्यक्रम एक दिन आगे बढ़ गया है। अब मुख्यमंत्री के 16 मार्च को आने की संभावना है।

प्राधिकरण और रजिस्ट्री विभाग के अधिकारीगण मौके पर जाकर कैंप लगाकर रजिस्ट्री कर रहे हैं। पहले दिन दोनों जगहों पर लगभग 20-20 रजिस्ट्री हो भी गई हैं। ओएसडी व एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव का कहना है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इन दोनों फ्लैट खरीदारों को अतिशीघ्र मालिकाना हक दिलाने के लिए दोनों सोसाइटियों में शिविर लगा दिए हैं।

रजिस्ट्री करने की प्रक्रिया निरंतर चलती रहेगी। दोनों सोसाइटीवासियों को अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

रक्तदान शिविर में विवि के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा गलगोटिया विश्वविद्यालय में रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़कर रक्तदान किया। कैम्प में 175 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रो. डॉ. के.के. शर्मा ने बताया कि रोटरी ब्लड बैंक नोएडा

में रक्त की कमी चल रही थी। जिसे दूर करने के लिये गलगोटिया विवि के रजिस्ट्रार नितिन शर्मा से अनुरोध करने पर उन्होंने यूनिवर्सिटी कैम्पस में रक्तदान शिविर आयोजित करने की सहमति प्रदान की। रोटरी क्लब के सहयोग से लगाए गए शिविर में 175 बहुमूल्य यूनिट रक्त एकत्र हुआ। क्लब अध्यक्ष रो. अतुल जैन ने बताया कि रक्तदान के लिए छात्र-छात्राओं में उत्साह देखने को मिला सभी ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया कैम्प में 55 बच्चे कम हीमोग्लोबिन के कारण रक्तदान नही कर सके। कैम्प में नर्सिंग डिपार्टमेन्ट की डीन लेखा विष्ट, अरविंद जैन व सोनिया सिंह का विशेष सहयोग रहा। कुलपति के. मलिकार्जुन बाबू ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने में छात्र दाताओं के योगदान की सराहना की और सामुदायिक कल्याण के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। विवि के प्रो.अवधेश कुमार ने कहा कि देश के युवाओं में इस प्रकार की परोपकार की भावना का होना राष्ट्र के कल्याण के लिए बहुत ही जरूरी है। संचालन निदेशक, आराधना गलगोटिया ने रक्तदान शिविर में छात्रों की परोपकारी भावना को देखकर हृदय से बहुत प्रसन्न व्यक्त की।

ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता में आगरा टीम विजयी

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के निर्देश पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में 12 से 14 मार्च 2024 तक नोएडा कॉलेज आफ फिजिकल एजुकेशन धूम

मानिकपुर दादरी में ओपन स्टेट आमंत्रण सीनियर महिला बास्केटबाल प्रतियोगिता का समापन उप जिलाधिकारी दादरी विवेकानंद मिश्रा की मौजूदगी में हुआ। उपक्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर ने बताया कि प्रतियोगिता के तीसरे दिन अलीगढ़ और गौतम बुद्ध नगर की टीम के बीच मैच हुआ, जिसमें अलीगढ़ ने गौतम बुद्ध नगर को 29-19 से हराया तथा प्रतियोगिता का फाइनल मैच आगरा और वाराणसी की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें आगरा ने वाराणसी को 64-56 से हराया। जिसमें जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, थाना अध्यक्ष बादलपुर, एनसीपीई अध्यक्ष सुशील राजपूत, बबीता नागर, अजय सिंह प्रमोद कुमार आदि के द्वारा विजेता उपविजेता तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों, प्रबंधकों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया।

मतदाताओं को जागरुक करने के लिए की समीक्षा बैठक

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। आगामी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को जागरूक बनाकर मतदान प्रतिशत में वृद्धि करने को लेकर मुख्य विकास अधिकारी,नोडल अधिकारी(स्वीप) जनार्दन सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन के सभागार में अधिकारियों के साथ मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने को लेकर बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चन्द, जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा, आदि सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होनें सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में मतदाता को जागरूक बनाने के लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्म, विडियो, होर्डिंग, बैनर, स्टीकर, आदि से व्यापक प्रचार प्रसार शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए एवं शिक्षण संस्थानों में शपथ, हस्ताक्षर अभियान व पैरेंट्स मीटिंग का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीप कार्यक्रम की कार्रवाई से संबंधित आख्या भी से ससमय अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध करा दी जाए।

रेडियोलाजिस्ट की नौवीं मंजिल से गिरकर मौत

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ऐस प्लेटिनम सोसायटी में रहने वाले रेडियोलाजिस्ट की नौवीं मंजिल की सीढ़ी से गिरकर मौत हो गई। मामले की सूचना पुलिस को मिली तो जांच हुई। मामले में परिजनों ने कोई लिखित तहरीर नहीं दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सोसायटी में 52 वर्षीय राजवीर परिवार के साथ रहते थे। उनका दादरी में क्लीनिक है। वह रेडियोलाजिस्ट थे।

बुधवार को वह सोसायटी में सीढ़ी से नीचे उतर रहे थे। तभी सीढ़ी पर लगी रेलिंग पर उनका हाथ फिसल गया और नियंत्रण बिगड़ने से वह नौवीं मंजिल से सीधे भूतल पर आ गिरे। उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सूरजपुर कोतवाली प्रभारी पुष्पराज सिंह ने बताया कि मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया जांच के दौरान पता चला है कि हादसे में रेडियोलाजिस्ट की जान गई है।

दो लोगों की सड़क हादसे में मौत

रबूपुरा, 14 मार्च(देशबन्धु)। धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए अपने दोस्त को लेने आए युवकों की कार में मिट्टी लदे बेकाबू डम्फर ने टक्कर मार दी। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। डम्फर चालक मौके से गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा डंफर को जब्त कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। जेवर के गांव कुरैव निवासी ओमवीर (27) पुत्र विक्की व लोकेश (25) पुत्र कान्हा अपने एक साथी को धार्मिक आयोजन के शामिल होने के लिए लेने आए थे। बताया जाता है जैसे ही वह तीर्थली चौराहे के समीप पहुंचे तभी मिट्टी से लदे तेजगति डम्फर (हाइवा) ने उनकी कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। आनन-फानन में घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन ओमवीर व लोकेश की रास्ते मे ही मौत हो चुकी थी। पुलिस का कहना है डम्फर को जब्त कर लिया है तथा शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व निकली कलश यात्रा

रबूपुरा। क्षेत्र के गांव भाईपुर ब्रह्मनान में गुरुवार से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। कथा से पूर्व धूमधाम से कलश यात्रा निकली गई। जिसमें 101 महिलाओं ने हिस्सा लिया। कलश यात्रा कथा स्थल से प्रारंभ होकर गांव के मुख्य-मुख्य मार्गो से होती हुई कथा परिसर में संपन्न हुई। विभिन्न स्थानों पर यात्रा का पुष्प वर्षा से स्वागत किया।

संबंध विच्छेद

मैं अपने पुत्र प्रशांत नागर को गलत आचरण व व्यवहार के कारण अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद करता हूं भविष्य में वह अपने कार्यों का स्वयं जिम्मेदार होगा। विजयपाल पुत्र बाबूराम निवासी ग्राम कचैडा वारसाबाद बादलपुर जिला गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश

जबरन स्क्रैप का ठेका लेने वाले रवि काना गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। रवि काना गिरोह के लिए जबरन स्क्रैप का ठेका हथियाने वाले दो अन्य आरोपितों को पुलिस ने गुरुवार को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत बीटा दो कोतवाली में मुकदमा दर्ज है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अमन व अवध उर्फबिहारी के रूप में हुई है। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रवि का ठिकाना पता करने की कोशिश कर रही है। गिरोह का सरगना रवि नागर व उसकी महिला मित्र काजल झा अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। रवि पर वर्तमान में 25 हजार का इनाम घोषित है। बीटा दो कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र कुमार ने बताया कि अमन व अवध गिरोह के अहम कड़ी है। दोनों का काम फैक्ट्रियों की सूची तैयार कर उसमें जाकर जबरन स्क्रैप का ठेका हथियाने का था। इसमें उनका साथ रवि के अलावा राजकुमार भी देता था। राजकुमार पूर्व से जेल में बंद है। अवध को दो साल पहले भी रंगदारी के मामले में बीटा दो कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम आयोजित

जेवर, 14 मार्च(देशबन्धु)। कस्बे के टप्पल रोड स्थित जैन इंटर कॉलेज में गुरुवार को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसके मुख्य अतिथि विधायक धीरेन्द्र सिंह रहे। भारतीय जनता पार्टी के शिक्षक प्रकोष्ठ, शिक्षण प्रकोष्ठ व प्रबुद्ध वर्ग प्रकोष्ठ द्वारा विकसित भारत संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करने वाले लोग हैं, जहां का दृष्टिकोण मानवतावादी है। हम इंसानियत के लिए काम करने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि जेवर मेरी राजनीति का नहीं वरन कार्य नीति का गढ़ है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिंदुस्तान का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। आज किसी भी देश की ताकत नहीं कि वह हिंदुस्तान की तरफ आंख उठाकर देख सके। अब उत्तर प्रदेश का विकास का रास्ता जेवर से

होकर गुजरता है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष संजय रावत, उदयवीर सिंह, सतपाल सिंह, श्री कुलभूषण शर्मा, हरीश शर्मा, सुधीर शर्मा, तेजपाल भाटी, संजीव शर्मा, अरविंद सिंह, अशोक वर्मा, विजय शर्मा, हिमांशु कौशिक आदि मौजूद रहे।

दो युवकों की मौत से मंगरोली गांव में मातम

जेवर, 14 मार्च(देशबन्धु)। क्षेत्र के गांव मंगरौली के दो युवकों की मंगलवार को अलीगढ के कस्बा जट्टारी में सड़क पर करते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। जिनका बुधवार की शाम गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

दोनों मृतक गांव चौरोली से मंगलवार को बारात में जट्टारी के पास हेतलपुर गांव जा रहे थे। गांव मंगरौली के रहने वाले सौरभ (17) व जतिन (18) मंगलवार को चौरोली से बारात में अलीगढ के कस्बा जट्टारी के पास हेतलपुर गांव जा रहे थे। जट्टारी पहुंचने पर दोनो युवक किसी काम से सड़क पार कर रहे थे। उसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दोनों में टक्कर मार दी।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

ग्रामीणों को डिजिटल सेवाओं के लिए किया जागरूक

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। एनएसएस, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय यूनिट दो ने मुर्शदपुर गांव में डिजिटल इंडिया जागरूकता संबंधी एक दिवसीय विशेष शिविर का अयोजन किया गया। इस शिविर में छात्रों ने मुर्शदपुर गांव के लोगों को डिजिटल सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने टोलियां बना कर नारे लगाते और गलियों में घूमते हुए लोगों के भविष्य को डिजिटल भारत बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने काफी लोगों से बातचीत करके उन्हें और उनके पूरे परिवार को समझाया कि डिजिटल सेवाएं हमारी जिंदगी को किस तरह से आसान बनाती हैं। लोगों के अंदर डिजिटल सेवाओं के लिए जागरूकता लाने संबंधी इस कार्यक्रम का आयोजन यूनिट 2 के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सिद्दरमु और डॉ. प्रियंका गोयल के मार्गदर्शन और देखरेख में संपन्न हुआ।

मोटोजीपी बाइक रेस के आयोजकों पर अनियमितता का आरोप, जांच कराए जाने की मांग

- **जेवर विधायक ने मुख्य सचिव और यीडा के सीईओ को लिखा पत्र**
- **सरकार से प्राप्त की धनराशि का ऑडिट कराए जाने की मांग**
- **आयोजकों ने ट्रैक का निर्माण सहित अन्य कार्य करने वाली कई कंपनियों का नहीं किया भुगतान**

ग्रेटर नोएडा, 14 मार्च(देशबन्धु)। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर बीते साल सितंबर माह हुई मोटोजीपी बाइक रेस के आयोजकों पर अनियमितताएं बरतने का गंभीर आरोप लगा है। ट्रैक का निर्माण, हाउसकीपिंग, ग्राउंड पर सुरक्षा सहित अन्य कार्य करने वाली कंपनियों का करोड़ों रुपये का भुगतान नहीं किया गया। जेवर विधायक ने प्रदेश के मुख्य सचिव और यमुना प्राधिकरण के सीईओ को पत्र लिखकर सरकार से प्राप्त की धनराशि का ऑडिट कराए जाने और अग्रिम

भुगतान न किए जाने की मांग की है।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा है कि मोटोजीपी बाइक रेस की आयोजक कंपनी एफएसएस द्वारा स्पेन की डोरना कंपनी को लाइसेंस शुल्क के रूप में 120 करोड़ रुपए का भुगतान करना था, जो अभी तक नहीं किया गया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र 103/एस0टी0-एस0डी0एम0/2024 दिनांक 07.02.2024 के अनुसार मृतक श्रीमती स्व0 महेन्द्र पुत्र जयमल सिंह व स्व0 श्रीमती गायत्री पत्नी स्व0 श्री महेन्द्र नि0 ग्राम मौहल्ला नयाबास गढी दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु कमश 07.10.2023 व 09.01.2023 को हो चुकी है, के आवेदिका के पति स्व0 मनोज कुमार पुत्र महेन्द्र सिंह की मृत्यु दिनांक 10.01.2014 को हो चुकी है जिसके अनुसार निम्न प्रकार मृतक के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	आयु लगभग	मृतक से संबंध
गुनपुरा	140	स्व0 महेन्द्र पुत्र जयमल सिंह व श्रीमती गायत्री पत्नी स्व0 श्री महेन्द्र नि0 ग्राम मौहल्ला नयाबास गढी दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती चंदा देवी	40 वर्ष	पुत्री
			श्रीमती कविता पत्नी स्व0 मनोज कुमार	32 वर्ष	पुत्रवधु
			श्री विवेक पुत्र स्व0 मनोज कुमार	14 वर्ष	पौत्र
			कु0 प्रिया पुत्री स्व0 मनोज कुमार	12 वर्ष	पौत्री
			कु0 हिमांशी पुत्री स्व0 मनोज कुमार	11 वर्ष	पौत्री
			दिपांशु पुत्र स्व0 मनोज कुमार	10 वर्ष	पौत्र

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखो में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट नं0-01, सैक्टर के0पी-04, ग्रेटर नोएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Army Welfare Housing Organation, Gurjinder Vihar, के माध्यम से आवंटित भवन संख्या-2-B-204, 2nd Floor, Sector-Chi-I, Builder's Area, P-5, Greater Noida क्षेत्रफल-101.67 वर्ग मीटर, Mr. Dinesh Kumar Dhingra S/o Late Shri J.N. Dhingra & Mr. Ankush Dhingra S/o Shri Dinesh Kumar Dhingra के पक्ष में हस्तांतरित/पंजीकृत है। मूल आवंटी Mr. Dinesh Kumar Dhingra की मृत्यु दिनांक-26.12.2016 को हो जाने के उपरांत पूर्ण रूप से सह आवंटी (Mr. Ankush Dhingra S/o Late Shri Dinesh Kumar Dhingra) ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामान्तरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में मूल आवंटी Mr. Dinesh Kumar Dhingra के स्थान पर पूर्ण रूप से सह आवंटी (Mr. Ankush Dhingra S/o Shri Dinesh Kumar Dhingra) के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रभारी (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्लॉट नं0-01, सैक्टर के0पी-04, ग्रेटर नोएडा सिटी
जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Air Force Naval Hosing Board, के माध्यम से आवंटित भवन संख्या-E-165, 2nd Floor, Jal Vayu Vihar, Second-P-4, क्षेत्रफल-138.011 वर्ग मीटर, Mr. S.K. Dube S/o Shri D.N. Dube & Mrs. Shefali Dube W/o Mr. S.K Dube के पक्ष में आवंटित/पंजीकृत है। मूल आवंटी Mr. S.K. Dube की मृत्यु दिनांक-26.04.2021 को हो जाने के उपरान्त पूर्ण रूप से सह आवंटी Mrs. Shefali Dube W/o Late Mr. S.K. Dube ने उक्त भवन को अपने पक्ष में नामांतरण कराने हेतु आवेदन किया है। इस म्यूटेशन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराना सूनिश्चित करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मूल आवंटी Mr. S.K. Dube के स्थान पर पूर्ण रूप से सह आवंटी Mrs. Shefali Dube W/o Late Mr. S.K. Dube के नाम पर दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रभारी (ग्रुप हाउसिंग)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा-201310
जिला गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-पतवारी की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन-पी.ए.टी.01168, भूखण्ड संख्या-131ए, क्षेत्रफल-215 वर्ग मीटर श्री सुल्तान पुत्र श्री राजमल, निवासी-ग्राम-बैदपुरा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री सुल्तान पुत्र श्री राजमल की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान श्री श्याम सिंह वर्मा पुत्र स्व० श्री सुल्तान व श्रीमती पूनम वर्मा पत्नी स्व० श्री योगेन्द्र कुमार पुत्रबधु स्व० श्री सुल्तान, निवासी-मकान नं०-675, पाल गली ज्वाला नगर, शाहदरा, दिल्ली के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्तिं हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके श्री श्याम सिंह वर्मा पुत्र स्व० श्री सुल्तान व श्रीमती पूनम वर्मा पत्नी स्व० श्री योगेन्द्र कुमार पुत्रबधु स्व० श्री सुल्तान, निवासी-मकान नं०-675, पाल गली ज्वाला नगर, शाहदरा, दिल्ली के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 15 मार्च 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

आंदोलनों और यात्रा के बीच चुनाव का इंतज़ार

देश इस समय अनेक तरह के आंदोलन सड़कों पर देख रहा है। इनमें प्रमुख हैं किसानों का आंदोलन और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की बजाय बैलेट पेपर पद्धति से चुनाव कराने की मांग को लेकर होने वाला आंदोलन, जिनमें ज्यादातर वरिष्ठ वकील एवं सिविल सोसायटियां शामिल हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' अपने समापन की ओर है। वहीं इस समय बड़ी गहमागहमी सुप्रीम कोर्ट के परिसर में भी है जहां इलेक्टोरल बॉन्ड्स को लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को न्यायपालिका के सामने झुकना पड़ा। चुनावी चंदे के रूप में करोड़ों रुपये एकत्र करने वाली नरेन्द्र मोदी की केन्द्र सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी को बचाने की कोशिशों में नाकाम एसबीआई ने आखिरकार केन्द्रीय निर्वाचन आयोग को वह सूची सौंप दी जिसमें बतलाया गया है कि किन 22 हजार से ज्यादा लोगों ने किन दलों को चंदा दिया है। यह सूची आयोग को शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर डालनी है। इसी दिन निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति समेत सम्बन्धित अधिनियम को चुनौती देने वाली एक याचिका पर भी सुप्रीम कोर्ट को उसी दिन सुनवाई करनी है। हालांकि आनन-फानन में केन्द्र सरकार ने दो नये आयुक्तों की नियुक्तियां कर दी हैं।

जो भी हो, साफ है कि अब जब कभी भी आम चुनावों की घोषणा हो सकती है, भाजपा कई-कई मुसीबतों के साथ उसका सामना करेगी। आंदोलनों की बात करें तो जो दो प्रमुख आंदोलन सामने हैं, उनमें पहला तो है किसानों का आंदोलन जो अब शम्भू बॉर्डर पार करता हुआ देश की राजधानी दिल्ली तक आ पहुंचा है। कृषि उत्पादों पर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप न्यूनतम समर्थन मूल्य (सी2 प्लस 50 प्रतिशत का फार्मूला) की मांग को लेकर बुधवार को देश भर के किसान संगठनों ने दिल्ली के जवाहर भवन में बैठक की। इन किसानों की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं- किसानों की कर्ज माफी, मनरेगा के अंतर्गत मजदूरों को 700 रुपये प्रति दिन के हिसाब से 200 दिनों का काम, जमीन अधिकरण कानून, 2013 के तहत भू अधिग्रहण का फार्मूला तय करना, वन संरक्षण अधिनियम, 2023 को रद्द करना आदि। तय किया गया कि 23 मार्च को देश भर में इन मांगों को लेकर किसान देशव्यापी आंदोलन करेंगे। इसके साथ ही किसान ईवीएम हटाने की भी मांग कर रहे हैं। यही मांग लेकर वकीलों एवं स्वयंसेवी संगठन पहले से ही आंदोलनरत हैं। साफ है कि ऐन चुनाव के पहले इन मांगों को लेकर होने वाले आंदोलनों से भाजपा का परेशान होना लाजिमी है क्योंकि इससे उसके खिलाफ व्यापक जनमत बन रहा है।

किसानों ने 2020-21 में इसे लेकर बड़ा आंदोलन छेड़ा गया था जिसके कारण सरकार को वे तीन कृषि कानून वापस लेने पड़े थे जिनके जरिये मंडी व्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त कर देश का कृषि व्यवसाय निजी हाथों में सौंपने की तैयारी मोदी सरकार ने कर रखी थी। आंदोलन वापसी के समय सरकार ने जो आश्वासन किसानों को दिये थे, उन पर अब तक अमल न होने पर किसानों ने 12 फरवरी से यह आंदोलन पुन: शुरू किया है। इस आंदोलन को दबाने के लिये सरकार ने वे सारे उपाय किये, जो उसने पहले वाले आंदोलन के दौरान किये थे। किसान व ईवीएम विरोधी आंदोलन जिस प्रकार से बड़ा रूप ले रहे हैं, उससे भाजपा विरोधी वातावरण बन रहा है।

उधर राहुल गांधी की जो यात्रा 20 मार्च को खत्म हो रही थी, उसे चुनावों के सम्भावित ऐलान के मद्देनज़र 16 मार्च को खत्म किया जा रहा है। यात्रा अंतिम राज्य यानी महाराष्ट्र में है। इस पूरी यात्रा के दौरान गुजरात समेत सारे राज्यों की तरह महाराष्ट्र में भी उसे शानदार प्रतिसाद मिला है। नन्दुरबार, धुले, नासिक, मालेगांव आदि स्थानों में हुई राहुल की यात्रा व सभाओं में लोगों ने बड़ी संख्या में शिरकत की। यात्रा की खासियत यह रही कि राहुल ने खुद की व कांग्रेस की प्रतिबद्धता किसानों के हित के प्रति जतलाई। साथ ही, महिलाओं के लिये 5 सूत्रीय विशेष वादे लोगों को अपील कर सकते हैं। इनमें प्रमुख है हर गरीब महिला को प्रति वर्ष एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करना। यह कांग्रेस के काडर पर निर्भर होगा कि वह इन गारंटियों को लोगों तक पहुंचाये। यह घोषणा प्रकारान्तर से पूरे इंडिया गठबन्धन को भी फायदा पहुंचा सकती है।

सुप्रीम कोर्ट में जहां एक तरफ चुनावी बॉन्ड्स को लेकर लोगों में यह संदेश गया है कि भ्रष्टाचार हटाने के बड़े वादे कर सत्ता में आने वाली मोदी सरकार खुद ही आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। जिस प्रकार से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के वकील हरीश साल्वे के माध्यम से पहले सरकार ने दानदाताओं की सूची तैयार करने के लिये चार माह का समय मांगा और कई तरह के बहाने बनाये उससे जनता को यह बात समझ में आ गई है इस मामले में भाजपा व सरकार के हाथ साफ नहीं है क्योंकि यह जानकारी पहले से ही सबके सामने आ चुकी थी कि चंदे का बड़ा हिस्सा भाजपा को ही मिला है। यह राशि इकट्ठी करने में सरकारी जांच एजेंसियों (ईडी, सीबीआई व आयकर) का भरपूर दुरुपयोग किया गया है। ऐसे ही, निर्वाचन आयोग अधिनियम, 2023 में जो प्रावधान किये गये हैं उनके उद्देश्य इस संवैधानिक संस्था को पूरी तरह से सरकार के हाथ की कठपुतली बनाने के हैं। देखना यह होगा कि चुनावी बॉन्ड्स की तरह क्या शीर्ष न्यायालय इन नियमों के अंतर्गत चुनाव कराने के लिये सरकार को रोकेगा, जैसी कि इनके खिलाफ दायर याचिकाओं में मांग की गई है। उम्मीद है कि शुक्रवार निरंकुश बनने की कोशिशों को बेअसर करने वाला दिन बनेगा।

इलेक्टॉरल बॉन्ड में बुरी तरह फंसती केंद्र सरकार

सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इलेक्टॉरल बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने के लिए एसबीआई को और समय देने से इंकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से 12 मार्च तक इलेक्टॉरल बॉन्ड की सभी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कहा। अदालत ने चुनाव आयोग को इस जानकारी को 15 मार्च शाम 5 बजे तक अपने वेबसाइट पर सार्वजनिक करने का निर्देश भी दिया है। एसबीआई इलेक्टॉरल बॉन्ड के खुलासे के लिए 30 जून तक का समय मांग रहा था। तब तक लोकसभा चुनाव संपन्न होकर नई सरकार का गठन हो चुका होता। ऐसे में मतदाताओं को इलेक्टॉरल बॉन्ड की सूचनाओं के बिना ही लोकसभा चुनाव में मतदान के अधिकार का प्रयोग करना पड़ता। 13 मार्च को एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर स्पष्टीकरण दिया कि उसने इलेक्टॉरल बॉन्ड.से संबंधित सूचनाएं चुनाव आयोग को दे दी है। जब एसबीआई 30 जून का समय मांग रहा था, तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- 'हमने 15 फरवरी को फैसला दिया था। आज 11 मार्च है । पिछले 26 दिनों में आपने क्या कदम उठाए ? कुछ भी नहीं बताया गया है। आपको जानकारी देनी ही होगी।'

15 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा झटका देते हुए इलेक्टॉरल बॉन्ड को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इलेक्टॉरल बॉन्ड को जिस तरह अज्ञात और गोपनीय रखा गया है, उस कारण यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) का सीधा उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट का मानना था कि लोकतंत्र में जनता के समक्ष सभी सूचनाएं रहनी चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने इसे सूचना के अधिकार का उल्लंघन माना। कोर्ट ने कहा कि- ये चुनावी लोकतंत्र के खिलाफ है, क्योंकि ये बड़ी कंपनियों को लेवल प्लेइंग फील्ड खत्म करने का मौका देती है। अंत में जनता को यह भी पता नहीं चल पाता था कि आखिर यह कंपनियां कितना चंदा किस राजनीतिक दल को दे रही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले 6 मार्च की समयसीमा तय की थी, लेकिन इसके दो दिन पहले ही स्टेट बैंक की तरफ से इसे 30 जून तक करने का अनुरोध किया गया। आज की तारीख में जब टेक्नालॉजी इतनी आगे बढ़ी हुई है,तब देश के इतने बड़े बैंक को एक खास स्कीम के तहत लेन-देन के डिटेल्स निकालने में इतना वक्त लग जाएगा, इस पर सवाल उठ रहे थे। इस संपूर्ण मामले से ऐसा लग रहा था कि स्टेट बैंक पर केंद्र सरकार का काफी दबाव है और केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को क्रियान्वित करने में पर्दे के पीछे से बाधक बन रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्टेट बैंक को तो केवल सीलबंद लिफाफे को खोलना है और सार्वजनिक कर देना है। अपने संक्षिप्त आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को यह भी कहा कि- हर राजनीतिक दल बैंक की 29 निर्धारित शाखाओं में ही केवल चालू खाता खोल सकता है। इसलिए यह जानकारी आसानी से हासिल की जा सकती है।

केंद्र सरकार ने देश के राजनीतिक दलों के चुनावी चंदे के लिए वित्त वर्ष 2017-18 के बजट में इलेक्टॉरल बांड शुरू करने का ऐलान किया था। इस योजना को सरकार ने 29 जनवरी 2018 को कानूनन लागू किया था। इलेक्टॉरल बॉन्ड से मतलब एक ऐसे बॉन्ड से होता है, जिसके ऊपर एक करेंसी नोट की तरह उसकी वैल्यू लिखी होती है। यह बांड व्यक्तियों,संस्थाओं अथवा संगठनों द्वारा राजनीतिक दलों को पैसा दान करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता था।

चुनावी बांड एक हजार, दस हजार, एक लाख, दस लाख तथा एक करोड़ रूपये के मूल्य के होते थे। सरकार की ओर से चुनावी बॉन्ड जारी करने और उसे भुनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक को अधिकृत किया गया था, जो अपनी 29 शाखाओं के माध्यम से यह काम करता है। इलेक्टॉरल बॉन्ड को लाने के लिए सरकार ने फाइनेंस एक्ट-2017 के जरिए रिजर्व बैंक एक्ट-1937,जनप्रतिनिधित्व कानून-1951,आयकर एक्ट-1961 और कंपनी एक्ट में कई संशोधन किए गए थे। केंद्र सरकार ने इलेक्टॉरल बांड योजना को 2 जनवरी, 2018 को अधिसूचित किया। इसके मुताबिक कोई भी भारतीय नागरिक या भारत में स्थापित संस्था चुनावी बॉन्ड खरीद सकती है। चुनावी बांड खरीदने के लिए संबंधित व्यक्ति या संस्था के खाते का केवाईसी वेरिफाइड होना आवश्यक होता था।

राहुल लाल

> भारतीय चुनाव प्रक्रिया में धन बल का प्रयोग अत्यधिक होता है। ऐसे में अगर चुनावी चंदे की व्यवस्था को अत्यंत पारदर्शी न बनाया गया, तो राजनीति के काले धन से संचालित होने के संभावनाओं को खारिज नहीं किया जा सकता। आशा है कि जल्द ही देश में राजनीतिक दलों के चंदे से संबंधित एक ऐसा पारदर्शी ढांचा बन सकेगा।

जनप्रतिनिधित्व कानून 1951 की धारा 29 ए के तहत पंजीकृत राजनीतिक पार्टियां तथा पिछले आम चुनाव या विधानसभा चुनाव में जनता का कम से कम एक फीसदी वोट हासिल करने वाली राजनीतिक पार्टियां ही चुनावी बॉन्ड के जरिए पैसे ले सकती थी। चुनावी बॉन्ड्स पर बैंक द्वारा कोई ब्याज नहीं दिया जाता था।

स्टेट बैंक ने सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार के बाद 13 मार्च को हलफनामा देकर बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन किया गया है। एसबीआई (स्टेट बैंक) ने इलेक्टॉरल बॉन्ड की खरीद बिक्री, इसके खरीदारों के नाम समेत सभी संबंधित जानकारी को लेकर रिपोर्ट तैयार की है और उसे समय रहते चुनाव आयोग को उपलब्ध करा दिया है। इस हलफनामे में बैंक ने आंकड़ों के द्वारा बताया है कि 1 अप्रैल 2019 से 15 फरवरी 2024 तक 22,217 इलेक्टॉरल बॉन्ड्स बिके हैं। इनमें से 22,030 बॉन्ड्स भुना लिए गए हैं। केवल 187 बॉन्ड्स का भुगतान नहीं लिया गया है।

पॉलिटिकल फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ाने के तमाम दावों के बीच इलेक्टॉरल बॉन्ड पर भी अपारदर्शी होने का गंभीर आरोप लगने लगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे गुमनाम और अपारदर्शी होने के कारण असंवैधानिक घोषित किया। 2017 मे केंद्र सरकार ने कहा कि राजनीतिक दलों की फंडिंग में अज्ञात स्त्रोतों से आने वाले आय की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में सरकार पारदर्शी व वैधानिक फंडिंग के लिए इलेक्टॉरल बॉन्ड ला रही है। लेकिन इलेक्टॉरल बॉन्ड की अपारदर्शिता पूर्व के व्यवस्था से भी खतरनाक रही। लगता है कि इन बॉन्डों के जरिए चंदे का कानून बनने से हम एक अपारदर्शी व्यवस्था को छोड़कर एक दूसरी अपारदर्शी व्यवस्था के दायरे में आ गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टॉरल बांड के मुद्दे पर केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया। शीर्ष अदालत ने कि सरकार की काले धन पर लगाम लगाने की कोशिश के रूप में इलेक्टॉरल बॉन्ड की कवायद पूरी तरह बेकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- जिस तरह से इलेक्टॉरल बॉन्ड्स की व्यवस्था प्रारंभ की गई है, इससे लगता है कि यह ब्लैक मनी को व्हाइट करने का तरीका है साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि-जब कंपनियां राजनीतिक दलों को चंदा देती हैं, तो हो सकता है कि उन्होंने चंदे के बदले में किसी फयदे के लिए ऐसा किया हो। सुप्रीम कोर्ट की इस दलील में दम भी है, क्योंकि अधिकांश चंदा सत्तारुढ़ दल बीजेपी को ही प्राप्त हुआ है।

याचिकाकर्ताओं का सुप्रीम कोर्ट में कहना था कि मतदाताओं को राजनीतिक दलों के चंदे का स्त्रोत जानने का अधिकार है। इस पर अटॉर्नी जनरल ने कहा कि- जनता को सिर्फ राजनीतिक दलों के उम्मीदवार के बारे में जानने का अधिकार है, उसे इस बात से फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि राजनीतिक दलों का चंदा कहां से आ रहा है। स्पष्ट है कि केंद्र सरकार का यह तर्क अत्यंत कमजोर था, क्योंकि लोकतंत्र में जनता ही सर्वोच्च है और उसे सब कुछ जानने का अधिकार है।

इलेक्टॉरल बॉन्ड की असंवैधानिक व्यवस्था को लेकर विपक्ष सहित चुनाव सुधार से संबंधित तमाम संगठन सरकार को लगातार चेतावनी दे रहे थे कि यह पूर्णतः असंवैधानिक है। अगर सरकार पहले ही इन आलोचनाओं को लेकर गंभीर होती, तो आज इस मामले पर चुनाव पूर्व सरकार इस तरह इलेक्टॉरल बॉन्ड के झटके नहीं खा रही होती। इस सरकार में उद्योगपतियों का जिस तरह बोलबाला रहा, उसका पूरा प्रभाव इलेक्टॉरल बॉन्ड पर भी दिखा। एडीआर के आंकड़ों के अनुसार, इलेक्टॉरल बॉन्ड का सबसे ज्यादा लाभ बीजेपी को मिला। वर्ष 2017-18 से 2022-23 के बीच बीजेपी को 6,566 करोड़ के इलेक्टॉरल बॉन्ड मिले, जबकि इस दौरान 9,200 करोड़ के बॉन्ड जारी किया गया। ऐसे में प्रश्न उठता है कि जब सत्ताधारी दल को इतना चंदा दिया जाता है, तो किस उम्मीद में दिया जाता है। चंदा देने वाला जब सभी पार्टियों को छोड़कर बीजेपी को ही सबसे अधिक चंदा दे रहा है, तो जरूर उसकी अपेक्षा होगी कि सरकार उनके पक्ष में नीतियों का निर्माण करेगी। आखिर भारी संख्या में एयरपोर्ट अडानी को ही क्यों दिए जा रहे हैं ? इन प्रश्नों का उत्तर भी अब जल्द मिलने वाला है। इन आंकड़ों के सार्वजनिक होने से बहुत सारी चीजों पर रोशनी पड़ेगी। कोई फायदा लेना ही भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा कारण होता है। किसकी किस कंपनी को ठेका मिल रहा है ? जो नीतियां बन रही हैं, क्या वह कुछ कंपनियों को लाभ पहुंचा रही हैं ? ऐसे में लोकसभा चुनाव से पूर्व इलेक्टॉरल बॉन्ड के नए खुलासे से सत्तारूढ़ पार्टी घिरती दिख रही है, इससे कई नए घोटालों का भी पर्दाफाश होगा। प्रश्न तो यह भी उठ रहा है कि क्या कुछ कंपनियों से इलेक्टॉरल बॉन्ड से फंड लेकर उनके विरुद्ध एजेंसियों की कार्यवाही में राहत प्रदान की गई ? यह सूचनाएं भी बाहर आएगी कि चंदे लेने के बाद कितने कंपनियों के मामलों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। यह भ्रष्ट उद्योगपतियों एवं सरकार के गठबंधन की पोल खोल भी करेगा। भारतीय चुनाव प्रक्रिया में धन बल का प्रयोग अत्यधिक होता है। ऐसे में अगर चुनावी चंदे की व्यवस्था को अत्यंत पारदर्शी न बनाया गया, तो राजनीति के काले धन से संचालित होने के संभावनाओं को खारिज नहीं किया जा सकता। आशा है कि जल्द ही देश में राजनीतिक दलों के चंदे से संबंधित एक ऐसा पारदर्शी ढांचा बन सकेगा, जहां राजनीतिक दलों के 'अज्ञात स्त्रोत' वाले चंदे का मॉडल समाप्त हो सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व आर्थिक मामलों के जानकार हैं)

महाराष्ट्र में राजनीतिक परिदृश्य उम्मीद से अधिक जटिल

■ डॉ. ज्ञान पाठक

लोकसभा सीटों के मामले में उत्तर प्रदेश के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा राज्य महाराष्ट्र, एनडीए गठबंधन (महायुति) और इंडिया ब्लॉक (महा विकास अघाड़ी या एमवीए) के बीच एक जटिल चुनावी लड़ाई की ओर बढ़ रहा है, और इसलिए परिणाम आश्चर्यजनक होने की संभावना है। एनडीए और इंडिया दोनों गुटों को कई बाधाओं के कारण सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देने में देर हो रही है। राज्य 48 लोकसभा सदस्य भेजता है और दोनों पक्षों के लिए दांव बहुत ऊंचे हैं।

वर्तमान में, भाजपा के पास खोने के लिए बहुत कुछ है क्योंकि 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद वह 23 सीटें जीतकर महाराष्ट्र में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी थी। पार्टी को 27.59 प्रतिशत वोटों का सबसे बड़ा हिस्सा भी मिला। भाजपा ने 2019 में अविभाजित शिवसेना के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा था, जिसने बाद में कांग्रेस और एनसीपी के साथ गठबंधन में सरकार बनाने के लिए एनडीए को छोड़ दिया था।

जाहिर है, भाजपा की सीटों की संख्या और वोटों की हिस्सेदारी में गिरावट तय थी, जिसने पार्टी को शिवसेना में दलबदल कराने के लिए प्रेरित किया, जो दो भागों में विभाजित हो गई और एक गुट, शिव सेना (शिंदे) को भाजपा ने एनडीए में शामिल कर लिया ताकि महायुति की राज्य सरकार बन जाये। लेकिन यह भी अधिक लोकसभा सीटें जीतने के साथ-साथ अधिक वोट शेयर जीतने के लिए पर्याप्त नहीं होने के कारण, भाजपा ने एनसीपी से दलबदल कराया और एनसीपी (अजित पवार) का एक गुट एनडीए में शामिल हो गया, और अब वह भी राज्य सरकार का हिस्सा है।

भाजपा को उम्मीद थी कि इससे उसे अधिक संख्या में सीटें और वोट शेयर जीतने में मदद मिलेगी। हालांकि, भाजपा को अब शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी अजीत पवार गुट के साथ सीट साझा करना मुश्किल लग रहा है। वास्तव में, भाजपा 2019 की तुलना में 2024 में अधिक कठिन चुनावी लड़ाई की ओर बढ़ रही है।

यह तब हो रहा है जब भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरा कार्यकाल चाह रहे हैं। पीएम मोदी ने दावा किया है कि भाजपा 370 सीटें जीतेगी और एनडीए 405। इस प्रक्रिया में, भाजपा देश भर में अपने सहयोगियों पर दबाव डाल रही है, यहां तक कि एनडीए सहयोगियों के पर कतरने की भी कोशिश कर रही है ताकि वह अधिक संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ सके और इसकी राष्ट्रीय संख्या 2019 में जीती 303 से अधिक हो। भाजपा के इस सत्तावादी रवैये ने उसके सभी सहयोगियों को नाराज कर दिया है, जिससे हर प्रमुख राज्य में सीट-बंटवारे के समझौते में देरी हो रही है, और महाराष्ट्र उनमें से एक है।

2019 में, भाजपा ने 25 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 23 सीटें जीती थीं, जबकि उसकी सहयोगी शिवसेना ने 23सीटों पर चुनाव लड़ा था और 18 सीटें जीती थीं। कुल मिलाकर, एनडीए ने 41 सीटें जीतीं, जबकि यूपीए 7 सीटें ही जीत सकी, जिनमें एनसीपी को 4, कांग्रेस को एक, एआईएमआईएम को एक और निर्दलीय को एक सीट मिली थी। शिवसेना और एनसीपी में फूट के कारण एनडीए और इंडिया ब्लॉक दोनों के सामने सीट बंटवारे को लेकर मुश्किलें बढ़ गईं हैं।

विभाजित समूह अपने ऐतिहासिक रुझानों के आधार पर सीटों की मांग कर रहे हैं। एनडीए और इंडिया ब्लॉक इस सप्ताह के अंत में अपने अंतिम सीट-बंटवारे सौदे की घोषणा करेंगे, जबकि समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं।

एनडीए में होने वाले घटनाक्रम से पता चलता है कि भाजपा 31 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि महायुति में उसकी सहयोगी, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 13 पर और एनसीपी (अजित पवार) चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अजित पवार चार सीटों- बारामती, रायगढ़, शिरूर और परभणी के अलावा और सीटों की मांग कर रहे हैं। अविभाजित शिवसेना ने 23 और अविभाजित राकांपा ने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कहने की जरूरत नहीं है कि भाजपा ने दोनों के लिए 13 और 4 सीटें बांटकर उनके पर कतर दिये हैं।

इस तरह की अपमानजनक स्थितियां पूरे देश में भाजपा के सहयोगियों के लिए भी देखी जा रही हैं, इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि यह एनडीए सहयोगियों की राष्ट्रीय संख्या को प्रभावित कर सकता है, जिसकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 35 होने की उम्मीद की थी। यह भी अनिश्चित है कि अपमानित सहयोगी जमीनी स्तर पर भाजपा का कितना समर्थन कर सकता है, इसलिए भाजपा इस बार जोखिम में है।

> जमीनी स्तर की राजनीतिक स्थिति एनडीए गठबंधन से दूर होती दिख रही है, जिसे इंडिया टीवी-सीएनएक्स के ताजा सर्वे के नतीजों में भी देखा जा सकता है। हालांकि सर्वेक्षण में 35 सीटों के साथ एनडीए को बढ़त दर्शाया गया है, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह 41 से नीचे होगा जो उसने 2019 में जीता था। इंडिया टुडे-सी वोटर के एक अन्य सर्वेक्षण में एनडीए को फरवरी में केवल 22 सीटों के अनुमान के साथ पीछे रखा गया था।

अगर हम विपक्षी इंडिया गुट के परिप्रेक्ष्य में सीट बंटवारे को देखें, तो 25 सीटें ऐसी होंगी जहां भाजपा उसके साथ सीधी, बहुत करीबी आमने-सामने की लड़ाई में होगी। केवल 6सीटों पर भाजपा को इंडिया ब्लॉक उम्मीदवारों पर थोड़ी बढ़त मिलेगी। जबकि केवल 17 सीटें ऐसी होंगी जिन पर इंडिया ब्लॉक का सीधा मुकाबला एनडीए सहयोगियों से होगा, 13 सीटों पर एकनाथ शिंदे और 4 सीटों पर अजित पवार गुटों से। यह परिदृश्य भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए परेशान करने वाला है।

इंडिया ब्लॉक, जो कि महाराष्ट्र में एमवीए है, सैद्धांतिक रूप से 44 सीटों के लिए सीट बंटवारे पर सहमत हो गया है, जबकि 4 सीटों पर अभी भी मतभेद हैं। कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) 18-18सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि एनसीपी 11 और स्वाभिमानी पक्ष 1 सीट पर चुनाव लड़ेगी। जहां तक मुंबई-दक्षिण मध्य, भिवंडी नासिक और रामटेक की 4 सीटों पर मतभेद का सवाल है, तो उन्हें 17 मार्च से पहले हल होने की संभावना है, जिस दिन इंडिया ब्लॉक मुंबई में एक संयुक्त सार्वजनिक रैली आयोजित करने वाला है जिसके साथ विपक्ष का चुनाव अभियान शुरू होना है।

जमीनी स्तर की राजनीतिक स्थिति एनडीए गठबंधन से दूर होती दिख रही है, जिसे इंडिया टीवी-सीएनएक्स के ताजा सर्वे के नतीजों में भी देखा जा सकता है। हालांकि सर्वेक्षण में 35 सीटों के साथ एनडीए को बढ़त दर्शाया गया है, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह 41 से नीचे होगा जो उसने 2019 में जीता था। इंडिया टुडे-सी वोटर के एक अन्य सर्वेक्षण में एनडीए को फरवरी में केवल 22 सीटों के अनुमान के साथ पीछे रखा गया था, और वोट शेयर केवल 40 प्रतिशत का अनुमान था। महाराष्ट्र में भाजपा और उसके सहयोगी हर सीट पर इंडिया ब्लॉक के साथ आमने-सामने के मुकाबले में फिसलन भरी चुनावी पिच पर हैं।

पावन प्रसंग

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की सबसे बड़े बाधक

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं। निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में न आने दें अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है। अत: सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हों। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अत: निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है।

बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए । यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय आविष्कार को मूर्तरूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है।

संजीव ठाकुर

आपके पत्र

सामाजिक रुढ़िवाद से आज़ाद नहीं हुआ विधवा पुनर्विवाह

दांपत्य जीवन रूपी गाड़ी के दो पहिए होते हैं. जिस तरह एक पहिया के नहीं रहने से गाड़ी नहीं चल सकती ठीक उसी प्रकार पति या पत्नी के अभाव में जीवन पहाड़ बन जाता है। पुरुष प्रधान समाज में पत्नी के गुजर जाने पर पुरुष की दूसरी शादी करने का प्रस्ताव आने लगते हैं। मगर पति के मर जाने के बाद आज भी समाज विधवा के पुनर्विवाह की इजाजत नहीं देना चाहता है। उसे ताउम्र बच्चों के लालन-पालन व सास-ससुर की देखभाल करना ही जीवन का उद्देश्य समझाया जाता है. जबकि जीवनसाथी के बिछड़ने का दुख स्त्री और पुरुष दोनों का एक जैसा होता है। संवेदनाएं पुरुष की तरफ और सारी जिम्मेदारियां व पाबंदियां स्त्री के हिस्से हो जाती हैं। समाज विधुर पुनर्विवाह के लिए गाजे-बाजे तक की व्यवस्था करता है, वहीं स्त्रियों के हिस्से वेदना, परिवार की देखभाल और कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का हवाला दिया जाता है।

प्रश्न यह उठता है कि आखिर समाज में विधवाओं को अशुभ क्यों माना जाता है ? उसके लिए जीवन इतना कठिन क्यों हो जाता है ? सदियों से विधवा को उसके पति की मृत्यु का जिम्मेदार माना जाता है. विधवा महिलाओं को शारीरिक व मानसिक हिंसा का भी सामना करना पड़ता है। उस पर सामाजिक परंपरा के नाम पर रहन-सहन, खान पान, उठना-बैठना, हंसना-बोलना यहां तक कि उसके कहीं आने-जाने पर भी पाबंदी लगा दी जाती है। रूढ़िवादी विचारों में जकड़े ग्रामीण इलाकों में विधवा के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। सुबह-सुबह विधवा स्त्री का मुंह देखना अशुभ माना जाता है। उसके लिए श्रृंगार करना, सजना-संवरना, किसी पुरुष से बातचीत करना, शुभ कार्यों व अनुष्ठानों में शामिल होना आदि घोर पाप माना जाता है। इतना ही नहीं, कम उम्र में पति के गुजर जाने के बाद विधवा महिलाओं को यौन हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। हालांकि शहरी परिवेश में लोगों की धारणा धीरे-धीरे बदली है। पढ़े-लिखे परिवार में इक्का-दुक्का पुनर्विवाह भी कराया जा रहा है। इसका व्यापक असर टीवी सीरियल, फिल्मों व सोशल मीडिया पर आये दिन विधवा पुनर्विवाह की सकारात्मक खबरों से हुआ है। लेकिन देश का अधिकतर ग्रामीण क्षेत्र आज भी विधवा पुनर्विवाह पर अपनी संकुचित मानसिकता से बाहर नहीं निकला है।

2011 की जनगणना के अनुसार देश में लगभग साढ़े पांच करोड़ से अधिक महिलाएं विधवा की ज़िंदगी व्यतीत कर रही हैं। इसमें 58 प्रतिशत महिलाओं की उम्र 60 वर्ष से अधिक है, जबकि 32 प्रतिशत 40-59 आयु वर्ग की और 9 प्रतिशत 20 से 39 आयु वर्ग की विधवा महिलाएं हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि बाल विवाह निषेध अधिनियम के बावजूद 2011 की जनगणना में देश भर में लगभग 1.94 लाख बाल विधवाओं (10-19 वर्ष) की संख्या भी दर्ज की गई है। इनमें ग्रामीण क्षेत्रों की संख्या अधिक है। जिन्हें कई प्रकार की रूढ़िवादी विचारधारा के कारण बंदिशों वाली ज़िंदगी व्यतीत करनी पड़ रही है। वास्तव में, समाज का दोहरा चरित्र महिलाओं को वर्षों से प्रताड़ित और शोषित करता रहा है। समाज और परंपरा के नाम पर महिलाओं की दुर्दशा होती रही है।

पहले बाल विवाह फिर कम उम्र में मां बनना और फिर पति की मौत से सामाजिक बंदिशों व कुत्सित परंपराओं में जकड़ कर जीवन की आशा, आकांक्षा, स्वतंत्रता, समानता से महरूम रहना यही नारी की नियति बन जाती है। आजादी से कई साल पहले समाज सुधारक ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवाओं के पुनर्विवाह कानून को लागू करवा कर इस दिशा में पहल तो की, लेकिन इसके बावजूद समाज रूढ़ियों में जकड़ा रहा। शिक्षा और जागरूकता के कारण शहरी क्षेत्रों में विधवाओं के जीवन में परिवर्तन तो आया लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी यह बुराई अपनी जड़ें जमाए हुए है।

निशा सहनी, मुजफ्फरपुर बिहार

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पिता ने बेटे से कहा : लड़की वालों के सामने बड़ी-बड़ी बातें करना, लड़की वालों के आते ही बेटे ने पिता से कहा : पापा चाबी देना वो ट्रेन धूप में खड़ी है, उसे अंदर कर दूं...

सीएए कानून को लागू करना भाजपा की वोट बैंक की गंदी राजनीति : केजरीवाल

मुख्यमंत्री ने सीएए लागू किए जाने को लेकर केंद्र सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नागरिकता संशोधन अधिनियम सीएए लागू किए जाने को लेकर गुरुवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए दरवाजे खुलने के कारण पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारी संख्या में लोग भारत आएंगे। सीएए को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कथित टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने कहा कि देश महत्वपूर्ण है। आम आदमी पार्टी आप के नेता ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि उन्होंने (शाह) मुझे भ्रष्ट कहा है, लेकिन मैं महत्वपूर्ण नहीं हूं, देश महत्वपूर्ण है। उन्होंने मेरे द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब नहीं दिया। उन्होंने केवल मुझे अपशब्द कहे। केजरीवाल ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया था कि लोकसभा चुनाव से पहले सीएए को लागू करना भाजपा की वोट बैंक की गंदी राजनीति है। उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि इस कानून को निरस्त किया जाए। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस कानून के जरिए केंद्र की भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश से बड़ी संख्या में गरीब अल्पसंख्यकों के भारत आने के लिए द्वार खोल दिए हैं। उन्होंने दावा किया था कि आने वाले चुनावों में भाजपा को फायदा होगा क्योंकि पड़ोसी देशों से भारत में बसने वाले गरीब अल्पसंख्यक उसके वोट बैंक बन जाएंगे। बृहस्पतिवार को केजरीवाल ने केंद्र से पूछा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से भारत आने वाले शरणार्थियों के लिए नौकरियां, घर और अन्य संसाधन कहां से आएंगे। आप नेता ने दावा किया कि सीएए लागू होने से 1947 से भी बड़ा पलायन होगा। अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में 2.5 से 3 करोड़ अल्पसंख्यक हैं।

करदाताओं का पैसा दूसरे देशों के अल्पसंख्यकों पर खर्च करना स्वीकार्य नहीं : केजरीवाल

सीएए लागू होने से देश असुरक्षित होगा : मुख्यमंत्री

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सीएए लागू होने से देश असुरक्षित होगा और कानून-व्यवस्था की समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या 2014 के बाद लोगों ने भारत में प्रवेश करना बंद कर दिया। पहले, घुसपैठियों को पकड़े जाने और दंडित होने का डर था, लेकिन सीएए उस डर को खत्म कर देगा। घुसपैठिए अभी भी देश में प्रवेश कर रहे हैं। भाजपा पर हमला करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि आपके शासनकाल में रोहिंग्या भारत आए। क्या आप पाकिस्तानी घुसपैठियों को नौकरी और राशन कार्ड देंगे। करदाताओं का पैसा दूसरे देशों के अल्पसंख्यकों पर खर्च करना स्वीकार्य नहीं है।

रोहिंग्याओं को रोजगार भी है हासिल

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली के कालिंदी कुंज के पास बसे रोहिंग्या टेक्निकल काम सीखकर मोटर मैकेनिक जैसे रोजगार हासिल कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्हें आसपास के इलाकों में भी काम मिल रहा है। बीमार पड़ने पर वे यहां के सरकारी अस्पतालों में इलाज करवाते हैं। इसी बस्ती में रहने वाला रोहिंग्या नौजवान नूर मोहम्मद ने आईएएनएस को बताया कि यहां रहते हुए उसे 12 साल हो गए हैं। अब अपने परिवार का पालन-पोषण करने के लिए उन?होंने व बस्ती के कई और नौजवानों ने टेक्निकल काम भी सीख लिए हैं। इनमें कार, स्कूटर व अन्य प्रकार के मैकेनिक का काम शामिल है। इसके अलावा ये लोग बड़ी मशीनें चलाने का काम भी कर रहे हैं। नूर ने बताया कि यहां रह रहे रोहिंग्या नौजवान मेहनत-मजदूरी करके ठीक-ठाक रकम कमा लेते हैं, जिससे उनका गुजारा हो जाता है। इसी बस्ती में रहने वाली एक महिला ने बताया कि वह और उसके परिवार के लोग जब सरकारी अस्पताल में जाते हैं, तो उन्हें इलाज और दवाइयां मिल जाती हैं।

■ वार्षिक खेल प्रतियोगिता में जीत के बाद विजयी ट्रॉफी के साथ थॉमसन यूनिट से जुड़े लोग। फोटो देशबन्धु

सार संक्षेप

सीएए कानून नागरिकता लेने का नहीं देने के लिए : चरणजीव

नई दिल्ली। भारत सरकार की अधिसूचना के साथ ही देश में सिटिजन एमेंडमेंट एक्ट सीएए लागू हो गया है। भारत में सीएए लागू होने की खुशी में प्रमुख समाजसेवी एवं कोरोना योद्धा चरणजीव मलहोत्रा ने देश भर में सीएए लागू करने की मोदी सरकार द्वारा की गई घोषणा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के प्रति अभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह कानून नागरिकता लेने का नहीं देने के लिए है। समाज का कोई भी वर्ग किसी के बहकावे में नहीं आए। उन्होंने कहा कि यह कानून अफगानिस्तान, बंगलादेश और पाकिस्तान से 31 दिसम्बर, 2014 से पहले भारत आए धार्मिक आधार पर प्रताड़ित हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को नागरिकता देने के लिए लाया गया है। चरणजीव मलहोत्रा ने कहा कि इस कानून से किसी को डरने की जरूरत नहीं है। यह कानून दशकों से पीड़ित शरणार्थियों को पुनर्वास और नागरिकता की कानूनी बाधाओं को दूर कर सम्मानजनक जीवन देगा। नागरिकता अधिकार से उनके सांस्कृतिक, भाषिक, सामाजिक पहचान की रक्षा होगी। दरअसल यह कानून उन लोगों के लिए है जिन्हें वर्षों से उत्पीड़न सहना पड़ा है और उनके लिए दुनिया में भारत के अलावा और कोई जगह नहीं है।

निगम के खिलाफ झूठा आरोप लगाने के लिए याचिकाकर्ता पर जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम को विभाग के खिलाफ फर्जी दावे दायर करने वाले मृत कर्मचारी के परिजनों के खिलाफ अदालत में सफलता मिली। माननीय श्रम न्यायालय ने दिल्ली नगर निगम द्वारा प्रस्तुत तथ्यों पर संज्ञान लेते हुए निगम के खिलाफ फर्जी दावा दायर करने के लिए याचिकाकर्ता पर 10000 रुपये का भारी जुर्माना लगाया। दिल्ली नगर निगम का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने माननीय न्यायालय को अवगत कराया कि निगम के कर्मचारी की वर्ष 2004 में मृत्यु हो गई थी और मृतक कर्मचारी के पुत्रों को सेवांत लाभ का भुगतान किया गया था। दिल्ली नगर निगम ने माननीय न्यायालय को आगे बताया कि तत्काल दावा मृत कर्मचारी के दो बेटों में से एक द्वारा दायर किया गया है। इन कारणों से माननीय न्यायालय ने दावेदार पर जुर्माना लगाया। बादल कुमार उपायुक्त श्रम, दिल्ली नगर निगम ने बताया कि जनवरी 2024 के महीने में दिल्ली नगर निगम ने फर्जी दावे दायर करने के लिए 13 निगम कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है और दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र/विभाग ऐसे मामलों पर निगरानी रख रहे हैं।

चैलेंज टूर की भारत वापसी के साथ दिल्ली चैंलेज 2024 की घोषणा

नई दिल्ली। यूरोपियन चैलेंज टूर और टाटा स्टील प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया पीजीटीआई ने आज संयुक्त रूप से पहले दिल्ली चैलेंज की घोषणा की। चैलेंज टूर और टाटा स्टील पीजीटीआई द्वारा सह-अनुमोदित टूर्नामेन्ट के लिए 300,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि तय की गई है और इसे 14 -17 मार्च 2024 के बीच दिल्ली के बाहरी इलाके में, हरियाणा के नूह स्थित विशाल आईटीसी क्लासिक गोल्फ एण्ड कंट्री क्लब में खेला जाएगा। जेमी होजेस, चैलेंज टूर डायरेक्टर ने कहा कि हमें खुशी है कि हमें दूसरे साल रनिंग के लिए भारत वापसी का मौका मिला है। उत्तम सिंह मुंडी, सीईओ, पीजीटीआई ने कहा कि डीपी वर्ल्ड टूर क साथ साझेदारी में फिर से भारत में चैलेंज टूर का स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। पहला दिल्ली चैलेंज गोल्फिंग एक्शन के लिए मंच तैयार करेगा। भारत के शीर्ष पायदान के पेशेवर प्रमुख चैम्पियनशिप स्थलों में से एक भव्य क्लासिक गोल्फ एण्ड कंट्री क्लब में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

शिक्षा व स्वास्थ्य सरकार की प्राथमिकता : शैली

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली की मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने गुरुवार को कोटला मुबारकपुर में दिल्ली नगर निगम के मातृत्व एवं बाल कल्याण और आयुर्वेदिक पोलीक्लिनिक का शिलान्यास किया। एक साल के भीतर यह पॉलीक्लीनिक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका आसपास के लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को अपने घर पास ही मैटरनिटी सेंटर में इलाज मिल सकेगा। इसके अलावा बच्चों के लिए भी विशेष सुविधाएं होंगी। आयुर्वेदिक इलाज का भी लाभ मिल सकेगा। इस दौरान मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि 8 सालों की लड़ाई के बाद अब कोटला मुबारकपुर के लोगों को मातृत्व एवं बाल कल्याण और आयुर्वेदिक पोलीक्लिनिक की सौगात मिल रही है। शिक्षा और स्वास्थ्य हमारी पार्टी की प्राथमिकता है। हम दिल्ली सरकार की तर्ज पर ही दिल्ली नगर निगम के स्कूलों और अस्पतालों को बेहतर करने का काम कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से यहां पर पोलीक्लीनिक का शिलान्यास किया गया है। एमसीडी के करीब 1500 स्कूल, 250 डिस्पेंसरी और 10 अस्पताल हैं। निगम की आप सरकार तेजी से स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी सेवाओं में वृद्धि कर रही है। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल का विजन है कि हर नागरिक के लिए स्वास्थ्य सेवाएं मुफ़्त उपलब्ध हों।

■ मेयरने कोटला मुबारकपुर में मातृत्व एवं बाल कल्याण पोलीक्लीनिक का किया शिलान्यास

ग्लोबल मिसेज, मिस्टर वर्ल्ड इंडिया ब्यूटी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

देश भर से सौ से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली के वेस्टेंड इन होटल में ग्लोबल इंडिया एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के द्वारा ग्लोबल मिसेज, मिस्टर, मिस एंड मिस टीन ग्लोबल वर्ल्ड इंडिया 2024 ब्यूटी प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमे देश भर से 100 से अधिक प्रतिभागियो ने भाग लिया और रैंप पर अपनी प्रतिभा का खूब जलवा दिखाया। इस ब्यूटी प्रतियोगिता का आयोजन सुशील गोयल और मोनिका गोयल के द्वारा आयोजित किया गया था। जिनका उद्देश्य सभी प्रतिभागियों को बढावा देना और उनको मंच प्रदान करना है जिससे वह आगे बढ़ सकें। वही इस शो में अपनी अहम भूमिका निभाई क्रिएटिव डायरेक्टर एली शर्मा ने जिन्होंने बहुत ही बेहतरीन तरीके से सभी प्रतिभागियों को रूम किया।

वहीं ब्यूटी प्रतियोगिता के इस ग्रैंड फिनाले में सेलेब्रिटी गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी उपस्थित हुई जिन्होने शो के आयोजक को शुभकामनाएं देते हुआ कहा की बहुत अच्छा लगा यहां आकर जिस तरीके से सभी बच्चो को इन्होंने मंच प्रदान किया है। आगे बढ़ावा देने के लिए आयोजकों का यह काफी सराहनीय कदम है सुशील और मोनिका गोयल का । ज्यूरी मेंबर की तो उसमे मौजूद रहे। डॉक्टर वरुण कत्याल, अंकित नागपाल, कीर्ति मिश्रा नारंग, जतिन खिरबत, ज्योतिका बबल कपूर इन सभी ने बडी ही सूझ बूझ के साथ सभी प्रतिभागियों का चयन किया। इस प्रतियोगिता में प्लेटिनियम कैटेगरी में ग्लोबल वर्ल्ड इंडिया 2024 कृष्णा मोदी, रंगमानी वराडा, ऋतु शर्मा, तूलिका सिकंदर और प्रगति मल्होत्रा विजेता रहे। गोल्डन कैटेगरी में मिसेज ग्लोबल वर्ल्ड इंडिया 2024 नेहा चतुर्वेदी, नीतू यादव, डॉक्टर नेहा शिवराम, रितु बिजॉय और प्रियंका रिया विजेता रहे।

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली पर केजरीवाल चुप : सचदेवा

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जोरदार जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के संदेशखाली पर केजरीवाल चुप हैं और हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता देने पर उन्हें मिर्ची लग रही है। उन्होंने केजरीवाल पर बिना जानकारी के ज्ञान बांटने का आरोप लगाया है। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि नागरिकता संशोधन कानून हमारे घोषणा पत्र में था और अरविंद केजरीवाल को पहले इस कानून को पढ़ लेना चाहिए तब जाकर ज्ञान देना चाहिए। केजरीवाल संदेशखाली की घटना पर क्यों चुप हैं, उस पर क्यों नहीं बोलते हैं। जब हिंदू शरणार्थियों को भारत में नागरिकता दी जा रही है तो उन्हें क्यों मिर्ची लग रही है। उन्होंने बताया कि 1947 में धर्म के आधार पर बंटवारे के बाद देश आजाद हुआ था, जब देश के प्रधानमंत्री नेहरू जी थे, उन्होंने कहा था कि अभी व्यवस्था ऐसे ही बनाए रखें, बाद में हम अपने हिंदू शरणार्थियों को वापस बुलाएंगे, लेकिन वो काम मोदी सरकार कर रही है तो उससे अरविंद केजरीवाल को क्या दिक्कत है।

जब हमने इसे घोषणापत्र में डाला था तब अरविंद केजरीवाल ने इसका विरोध क्यों नहीं किया। सिर्फ एक विशेष धर्म को फायदा पहुंचाने के लिए केजरीवाल इस तरह की राजनीति कर रहे हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने केजरीवाल से सवाल भी पूछा कि अगर आपको रोजगार कि इतनी चिंता है तो 9 साल में आप दिल्ली में कितने युवाओं को रोजगार दे चुके हैं। आज शिक्षक प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें परमानेंट नहीं किया जा रहा। 10,000 से अधिक जो डीटीसी मार्शल थे, उन्हें भी नौकरी से निकाल दिया गया। आपका मंत्री घोटाले में जेल में बंद है और हमें पाठ पढ़ाने के लिए चले हैं।

हिंदू शरणार्थियों से नफरत करते हैं केजरीवाल : प्रवीण शंकर

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि हिंदू और सिख शरणार्थियों को बार-बार पाकिस्तानी कहकर संबोधित करके दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिखाया है कि वह हिंदू शरणार्थियों से कितनी नफरत करते हैं। दिल्ली बीजेपी के प्रवक्ता ने एक एक्स पोस्ट में कहा है कि अरविंद केजरीवाल को यह समझना चाहिए कि हिंदू चाहे पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल या दुनिया में कहीं से भी हों, हम भारतीयों की तरह उन हिंदुओं का भी मूल देश या आश्रय भारत ही है। लाखों बांग्लादेशी मुसलमान या म्यांमार से आए रोहिंग्या भारत में घुसपैठ कर घुसे हैं। अरविंद केजरीवाल सरकार और उसके अमानतुल्ला खान जैसे विधायक शर्मनाक तरीके से उन्हें सारी सुविधाएं दे रहे हैं। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता ने कहा है कि हम अरविंद केजरीवाल को बांग्लादेशी और म्यांमार मुस्लिम अवैध घुसपैठियों के खिलाफ बोलने की चुनौती देते हैं, जैसे वह वैध हिंदू और सिख शरणार्थियों के खिलाफ बोलते रहे हैं।

गाजियाबाद नगर निगम
अति अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना
पत्रांक:– 1217/जलकल/2023–24 दिनांक–13.02.2024

नगर निगम गाजियाबाद के जलकल विभाग द्वारा 15वें वित्त आयोग एवं निगम फंड के अन्तर्गत विभिन्न कार्यों की ई–निविदाएं जिनको ई–निविदा पोर्टल के माध्यम से दिनांक 15.03.2024 से 21.03.2024 को अपरान्हः 2.00 बजे तक आमंत्रित की जानी हैं। निविदा उत्तर प्रदेश की ई–प्रिक्योरमैन्ट की वेबसाईट http:/etender.up.nic.in से प्राप्त किये जा सकते है। शासनादेश संख्या–3890/नौ–5–19–149सा/2019 दिनांक 20.09.2019 के क्रम में निविदा शुल्क धनराशि, नगर निगम, गाजियाबाद के खाता संख्या–628601041088 IFSC-ICIC0006286 ICICI Bank, शाखा राजनगर में जमा कराकर उसकी रसीद अथवा जलकल विभाग के लिपिक से रसीद प्राप्त कर दिनांक 21.03.2024 की अपरान्हः 2:00 बजे तक अपलोड करना आवश्यक होगा, जिन्हे तद्दिनांक को ही सांय 4:00 बजे खोला जायेगा। ऐसी निविदादाता/फर्म जो नगर निगम, गाजियाबाद में पंजीकृत नही है, के लिये शासनादेश संख्या–3890/नौ–5–19– 149सा/2019 दिनांक 20.09.2019 के आलोक में निविदादाता का चरित्र प्रमाण–पत्र, हैसियत प्रमाण–पत्र, समान कार्य का अनुभव प्रमाण–पत्र तथा जी0एस0टी0 नम्बर वैबसाईट पर अपलोड करना आवश्यक होगा। विस्तृत निविदा सूचना वैबसाईट http:/etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

15वें वित्त आयोग एवं निगम फंड के अन्तर्गत निविदाओं की तकनीकि बिड हेतु

15वें वित्त आयोग, अमृत–2.0 ग्रीन बांड एवं निगम फंड के कार्यो क्रम संख्या–1 से 8 तक की निविदा अपलोड एवं डाउनलोड करने की अन्तिम तिथि	दिनांक 15.03.2024 से 21.03.2024 की अपरान्हः 2:00 बजे तक। दिनांक 21.03.2024 को सायं 4.00 बजे तक।

समस्त आमंत्रित निविदाओं की सर्व प्रथम तकनीकि बिड निविदा समिति अध्यक्ष महोदय के कार्यालय कक्ष में निविदा समिति के समक्ष खोली जायेगी। तकनीकि बिड में अर्हता रखने वाले योग्य निविदादाताओं की वित्तीय बिड खोलने की सूचना पृथक से दी जायेगी। यदि निविदा तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

महाप्रबन्धक (जल)

नई वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं

रेलयात्रियों की सुविधा हेतु ह. निज़ामुद्दीन व खजुराहो तथा वाराणसी और राँची के बीच हाल ही में शुरू की गई वंदे भारत सेवाओं की विस्तृत समय–सारणी निम्नानुसार होगी:–

गाड़ी सं. 22470/22469 ह.निज़ामुद्दीन–खजुराहो– ह.निज़ामुद्दीन
वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में छः दिन –सोमवार छोड़कर)

गाड़ी सं. 22470 आगमन	गाड़ी सं. 22470 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 22469 आगमन	गाड़ी सं. 22469 प्रस्थान
—	06:00	ह. निज़ामुद्दीन	23:10	—
07:40	07:45	आगरा छावनी	20:55	21:00
09:10	09:15	ग्वालियर जं.	19:25	19:30
10:30	10:35	वीरांगना लक्ष्मीबाई	18:20	18:25
11:35	11:45	ललितपुर जं.	17:10	17:20
12:21	12:23	टीकमगढ़	16:10	16:12
13:16	13:18	महाराजा छत्रसाल छतरपुर	15:15	15:17
14:20	--	खजुराहो	--	14:50

शुभारंभ की तिथि : 22470 ह.निज़ामुद्दीन से और 22469 खजुराहो 15.03.2024 से
स्थान : एग्जीक्यूटिव चेयर कार और चेयर कार।

गाड़ी सं. 20887/20888 राँची–वाराणसी– राँची
वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी (सप्ताह में छः दिन –गुरूवार छोड़कर)

गाड़ी सं. 20887 आगमन	गाड़ी सं. 20887 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं.20888 आगमन	गाड़ी सं.20888 प्रस्थान
—	05:10	राँची	23:55	—
06:10	06:12	मूरी जं.	22:48	22:50
07:10	07:12	बोकारो स्टील सिटी	21:50	21:55
08:40	08:42	कोडरमा जं.	19:50	19:52
10:00	10:05	गया जं.	18:45	18:50
11:03	11:05	सासाराम जं.	17:48	17:50
12:15	12:20	प.दीन दयाल उपाध्याय जं.	16:40	16:45
13:00	--	वाराणसी	--	16:05

शुभारंभ की तिथि : 20887 राँची से और 20888 वाराणसी 18.03.2024 से
स्थान : एग्जीक्यूटिव चेयर कार और चेयर कार।

उपरोक्त रेलगाड़ियों के मार्ग में आने वाले ठहरावों की समय–सारणी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

829/24
रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139
रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in
रेलमदद ऐप डाउनलोड करें
पर हमें फॉलो करें
उत्तर रेलवे आपकी सुविधा - हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
आज़ादी का अमृत महोत्सव
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
शुद्धिपत्र

संदर्भ :- i) निविदा सूचना क्रमांक 45/2023-2024 दिनांक 21.08.2023 ii) निविदा संख्या: 15225019A 30/04/2024 को देय है। 01. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में दो नये दस्तावेज संलग्न किये गये हैं 02. उपरोक्त निविदा के संदर्भ में नियत तिथि 21/03/2024 से बढ़ाकर 30/04/2024 कर दी गई है। अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित हैं। शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है। 817/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतू निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई– निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0 सं0	निविदा सं0	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	04230049A	एयर कंप्रेसर आयल "सर्वो प्रेस – 100 आर आर"	9731 लीटर	04-04-24
02	19240645	ब्रेक लाइनिंग कम्पलीट (ब्रेक पैड)	1774 सेट	08-04-24
03	02245015	4.5 के डब्लू अडरसलूंग टाइप कांस्टेंट वोल्टेज	20 नग	08-04-24
04	04230036	सर्वो लयूब– 100 / सर्वो सिस्टम –68 एक्सल सस्पेंशन बेअरिंग आयल	84095 लीटर	08-04-24
05	14240857A	डीसोल्वड एसिटिलीन गैस	70137 CUM	08-04-24
06	14230845	सोप टॉयलेट केक (वेट 100 ग्राम)	467377 नग	08-04-24
07	19243681	मॉडिफाइड सन विसर असेंबली	2355 नग	08-04-24
08	08245077	सप्लाई एंड इंस्टालेशन ऑफ एस एम पी एस बेस्ड 48 V 50 A बैटरी चार्जर	43 नग	10-04-24
09	18240199	टी 524 ए फ : रिजर्वेशन/कैंसलेशन रेक्विसिशन फॉर्म	25000 हजार	10-04-24
10	08245081	48 फाइबर सिंगल मोड (मोनो मोड) अर्मोरेड ऑप्टिकल फाइबर केबल	69 KM	15-04-24
11	19240554	सेट ऑफ ओपरेटिंग डिवाइस अरेंजमेंट	1000 सेट	15-04-24
12	19240560	सेट ऑफ हुरथ कपलिंग स्टार (1) गियर बॉक्स	14 सेट	15-04-24
13	02242175	एंटी वाइब्रेशन मॉउंटिंग पैड	3676 नग	22-04-24
14	07230087C	सिंगल पीस एफ आर पी लौवर शटर	13898 नग	22-04-24
15	18245028	सप्लाई, इंस्टालेशन, टेसटिंग एंड कमीशनिंग ऑफ ए टी वी एम क्योस्क	237 नग	22-04-24
16	19240566	सेट ऑफ हुरथ कपलिंग स्लीव (1) गियर बॉक्स साइड	13 सेट	29-04-24
17	07230191A	ब्रेक कैलिपर यूनिट (2.17) फॉर ई ओ जी कोचेस	144 नग	07-05-24
18	07230453A	ओवरहालिंग किट फॉर ब्रेक सिलिंडर्स दू के बी आई	1381 सेट	20-05-24
19	77245025	मनुफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ स्पेशल कास्ट लाइनर	12000 नग	06-06-24
20	07230316	डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व KE1IPKSL	38 नग	12-06-24

निविदा शर्तें– 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी। टेंडर नोटिस सं0 101/2023–2024 दिनांक 13.03.2024 810/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

देश

उवाच

कश्मीर के पारिस्थितिक प्रभाव को ध्यान में रखे बिना उसके बीच से रेलवे लाइनों का निर्माण गंभीर परिणामों से भरा होगा। इस मामले में प्रस्तावित रेलवे लाइन के लिए शोपियां में सेब के बगीचों की कटाई की आवश्यकता होगी।

-महबूबा मुफ्ती, पीडीपी प्रमुख

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	28.0	16.0
मुंबई	30.0	23.0
कोलकाता	31.0	24.0
चेन्नई	30.0	26.0

संविधान को पूरी तरह बदलना चाहती है केंद्र सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की उच्चस्तरीय समिति की सिफारिश को लेकर गुरुवार को सरकार पर हमला बोला। आरोप लगाया कि वह एक राष्ट्र, एक चुनाव के साथ संविधान को पूरी तरह बदला देना चाहती है। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री का उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है। वह स्पष्ट बहुमत, दो-तिहाई बहुमत और 400 सीटों की मांग कर रहे हैं। वह एक राष्ट्र, एक चुनाव के उद्देश्य के लिए बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को पूरी तरह बदलना चाहते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि जो पार्टियां इसका विरोध कर रही हैं, उनका तर्क है कि यह संविधान के आधारभूत ढांचे का उल्लंघन कर सकता है। साथ ही यह अलोकतांत्रिक, गैर-संघीय कदम होगा, जिससे क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान होगा और राष्ट्रीय पार्टियों का प्रभुत्व बढ़ेगा। आप, कांग्रेस और सीपीआई (एम) ने वन नेशन, वन इलेक्शन के विचार को यह कहकर खारिज कर दिया कि यह लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करेगा। साथ ही सीपीआई (एमएल) लिब्रेशन, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया, राजद, भारतीय समाज पार्टी, गोरखा नेशनल लिबरल फ्रंट, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) ने भी वन नेशन वन इलेक्शन का विरोध किया है। बसपा ने इसका सीधे तौर पर विरोध नहीं किया है, लेकिन इसे लेकर कुछ चिंताएं साझा की हैं और कहा है कि इसे लागू करना भी काफी चुनौतीपूर्ण होगा। समाजवादी पार्टी ने कहा है कि अगर पूरे देश में एक साथ चुनाव होंगे तो उस स्थिति में क्षेत्रीय पार्टियां, चुनाव खर्च और चुनावी रणनीति के मामले में राष्ट्रीय पार्टियों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगी। इनके अलावा एआईयूडीएफ, टीएमसी, एआईएमआईएम, सीपीआई, डीएमके, नगा पीपल्स फ्रंट ने भी वन नेशन-वन इलेक्शन का विरोध किया है। भारत राष्ट्र समिति, आईयूएमएल, जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कान्फ्रेंस, जेडीएस, झामुमो, केरल कांग्रेस (एम), एनसीपी, राजद, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट, तेलुगु देशम पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस ने कोई जवाब नहीं दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2019 में सभी राजनीतिक दलों की एक बैठक हुई थी, जिसमें देश में प्रशासन और चुनाव में बड़े बदलावों पर चर्चा हुई थी।

उस समय 19 राजनीतिक पार्टियों में से 16 ने बदलावों का समर्थन किया था और सिर्फ तीन ने ही इस विचार का विरोध किया था। वहीं भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है और इसका उद्देश्य धन और अन्य संसाधनों की बचत करना है।

■ कोविंद समिति की रिपोर्ट को लेकर केंद्र सरकार पर बोला हमला

मोदी का उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है वह स्पष्ट बहुमत दो-तिहाई बहुमत व 400 सीटों की कर रहे मांग : जयराम रमेश

कांग्रेस समेत इन पार्टियों ने किया विरोध

कांग्रेस, बसपा, आम आदमी पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) ने वन नेशन, वन इलेक्शन का विरोध किया है। वहीं भाजपा और नेशनल पीपल्स पार्टी ने इसका समर्थन किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन 32 राजनीतिक पार्टियों ने वन नेशन वन इलेक्शन योजना का समर्थन किया है, उनका कहना है कि इससे संसाधन बचेंगे और सामाजिक सदभावव और आर्थिक विकास की भी सुरक्षा होगी।

दिसंबर में उत्तराखण्ड में होंगे 38वें राष्ट्रीय खेल

■ नेशनल गेम्स के 15 अप्रैल से शुरू होंगे खेल कैंप
■ खेल विभाग पूरे जोश से जुटा तैयारियों में

देहरादून, 14 मार्च (देशबन्धु)। उत्तराखंड में 38 वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां जोरों पर हैं। खिलाड़ियों के रहने के साथ ही ठहरने की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। खेल विभाग पूरे जोश के साथ तैयारियों में लगा हुआ है। इस बार उत्तराखंड में नेशनल गेम्स के 15 अप्रैल से कैंप शुरू होंगे। 38वें राष्ट्रीय खेल का इवेंट उत्तराखंड के लिए इस साल के सबसे बड़ा इवेंट है। दिसंबर माह में प्रस्तावित नेशनल गेम्स के लिए इस बार उत्तराखंड को होस्ट बनाया गया है। यह उत्तराखंड के लिए एक सुनहरे मौके के साथ-साथ कई चुनौतियां लेकर भी आया है। अवस्थापना विकास की अगर बात करें तो खेल विभाग पिछले लंबे समय से प्रदेश भर में वर्ल्ड स्टैंडर्ड के इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर के काम कर रहा है। इसी की बदौलत इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में 90 फ़ीसदी कम नेशनल गेम्स के मध्य नजर पूरे हो चुके हैं। विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा ने बताया आगामी नेशनल गेम्स के लिए खेल सचिवालय की स्थापना हो चुकी है। अब पूरी तरह से फोकस ऑपरेशन पर है। विशेष प्रमुख सचिव खेल ने बताया खेल सचिवालय की स्थापना हो चुकी है। इंफ्रास्ट्रक्चर का काम भी लगभग पूरा हो चुका है।

स्मार्ट सिटी के 16 प्रोजेक्ट हुए पूर्ण : अग्रवाल

शहरी विकास मंत्री ने ली स्मार्ट सिटी परियोजना की समीक्षा की

देहरादून, 14 मार्च (देशबन्धु)। शहरी विकास मंत्री डॉ. प्रेम चन्द अग्रवाल ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ स्मार्ट सिटी परियोजना के संबंध में समीक्षा बैठक की। मंत्री ने देहरादून में 10 वार्डों के अन्तर्गत चल रहे स्मार्ट सिटी के कार्यों से संतुष्टि जताते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी के कार्यों में 16 प्रोजेक्ट अभी तक पूर्ण कर लिए गए हैं जिनमें 7 स्मार्ट शौचालय, 3 स्मार्ट स्कूल, क्रैश बिल्डिंग, मॉर्डन दून लाइब्रेरी का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 30 इलेक्ट्रॉनिक बसें भी चल रही हैं। उन्होंने कहा कि 24 स्मार्ट वाटर एटीएम, 1 नेशनल फ्लैग दिलाराम चौक पर स्थापित किया गया है। 120 स्मार्ट वेस्ट वाहन नगर निगम तथा जल संस्थान को हस्तान्तरित किए जा चुके हैं। शहरी विकास मंत्री ने कहा कि परेड ग्राउण्ड तथा पलटन बाजार में स्मार्ट सिटी के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि स्मार्ट वाटर मीटर लगाने का कार्य भी लगभग पूर्ण कर लिया गया है। मंत्री ने कहा कि स्मार्ट रोड, सिवरेज तथा ड्रेनेज का कार्य तेजी से चल रहा है तथा जून 2024 तक इन कार्यों को पूर्ण करने हेतु कार्यदायी संस्थाओं तथा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मंत्री ने स्मार्ट सिटी परियोजना से जुड़े हुए अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से ससमय पूर्ण कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत बनने वाली ग्रीन बिल्डिंग के कार्य में मानकों की स्वीकृति समय पर न मिलने के कारण विलम्ब हुआ है जिसे पूर्ण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना के कार्यस्थलों का समय-समय पर अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाए। मंत्री ने कहा कि आगामी कुछ समय में पर्यटन की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण चारधाम यात्रा प्रारंभ होने वाली है जिसको ध्यान में रखते हुए स्मार्ट सिटी के लम्बित कार्यों को तय समय-सीमा के अन्तर्गत पूर्ण कर लिया जाए।

परेड ग्राउण्ड तथा पलटन बाजार में स्मार्ट सिटी के कार्य पूर्ण हो चुके हैं : डॉ. प्रेम चन्द अग्रवाल

जन समस्याओं का समयबद्ध निदान प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

शिमला, 14 मार्च (देशबन्धु)। सिरमौर ज़िला के विधानसभा क्षेत्र शिलाई में एक विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि जन समस्याओं का समयबद्ध निदान उनकी प्राथमिकता है और वह राजनीतिक हित साधने के लिए समस्याओं को लटकाने में विश्वास नहीं रखते। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार आमजन को राहत पहुंचाने के लिए समय पर निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि चुनावी फायदे के लिए नहीं अपितु जन कल्याण के लिए सोच समझकर निर्णय लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं आम परिवार से सम्बन्ध रखते हैं और उनका यह प्रयास है कि आमजन की समस्याओं के निदान के लिए कल्याणकारी योजनाएं बनाई जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए कार्य कर रही है और जन-जन के आशीर्वाद से सभी बाधाओं को पार कर इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

सार संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में हिमस्खलन की चेतावनी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुरुवार को अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के आठ जिलों के ऊंचे इलाकों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी की। प्राधिकरण के मुताबिक अगले 24 घंटों में जम्मू संभाग के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ और रामबन जिलों में हिमस्खलन होने की संभावना है। वहीं कश्मीर घाटी के कुपवाड़ा, बांदीपोरा, गंदेरबल एवं बारामूला जिलों में ऊंचाई वाले स्थानों पर निवासरत लोगों के लिए भी चेतावनी जारी की गयी है तथा उन्हें सावधानी बरतने और अगले आदेश तक हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी गयी है।

एम्स, भुवनेश्वर को मिला डब्ल्यूएचओ से पुरस्कार

भुवनेश्वर। एम्स भुवनेश्वर को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से प्रतिष्ठित एशिया सेफ सर्जिकल इंप्लांट कंसोर्टियम क्यूआईपी अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। एम्स, भुवनेश्वर ने बताया कि संस्थान को अस्पताल में उपकरणों एवं प्रत्यारोपण पुनर्प्रसंस्करण की गुणवत्ता पर उल्लेखनीय कार्य के लिए यह विशिष्ट पुरस्कार मिला है। कार्यक्रम में पूरे एशिया से 28 प्रतिष्ठित अस्पतालों ने भाग लिया और एम्स भुवनेश्वर सर्वश्रेष्ठ अस्पताल बनकर उभरा।

ओडिशा में डीए, टीआई में चार फीसदी की बढ़ोतरी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने गुरुवार को सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (टीआई) में चार प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि बढ़ा हुआ डीए और टीआई का भुगतान जनवरी 2024 से किया जाएगा। गौरतलब है कि इस फैसले से राज्य के 4.5 लाख राज्य सरकार के कर्मचारियों और 3.5 लाख पेंशनभोगियों को फायदा होगा।

पटना में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गए वकील

पटना। बिहार में पटना व्यवहार न्यायालय के गेट नंबर एक पर ट्रांसफर्मर में आग लगने के बाद हुए विस्फोट में घायल मुंशी की मौत होने से इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई और इसके बाद अदालत के वकील अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए। प्राप्त सूचना के अनुसार, हादसे में घायल हुए एक मुंशी प्रकाश कुमार की इलाज के दौरान आज पटना चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में मौत हो गई है। इस तरह हादसे में मरने वालों की संख्या दो हो गई। मुंशी प्रकाश कुमार पटना जिले के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र निवासी लालबाबू पासवान के पुत्र थे और पटना व्यवहार न्यायालय में अधिवक्ता लिपिक का काम करते थे।

बिहार में नवनियुक्त आयुष चिकित्सकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

पटना, 14 मार्च (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को 2901 नवनियुक्त आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्यमंत्री सचिवालय संवाद में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सह स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंह भी मौजूद रहें। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगातार कई विभागों की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ नियुक्ति पत्र का वितरण भी हो रहा है। बिहार में एनडीए की सरकार बनने के बाद से कई विभागों में नियुक्ति पत्र वितरित किया गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। मालूम हो कि, लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद आचार संहिता लगते ही इस तरह के कार्यक्रमों पर ब्रेक लग जाएगा। इसलिए मुख्यमंत्री के स्तर से भी सभी विभागों को निर्देश दिया गया था कि जल्द से जल्द उद्घाटन और शिलान्यास के साथ नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम कर लें। ताकि आगे किसी तरह की कोई भी समस्या का समाना न करना पड़े और बाकि के काम भी सुचारु रूप से संचालित होते रहे। उधर, जब से बिहार में एनडीए की सरकार बनी है, तब से हजारों करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हो चुका है। वहीं कई विभागों में नियुक्ति पत्र भी बांटा गया है। लेकिन, स्वास्थ्य मंत्री सम्राट चौधरी के विभाग के तरफ से यह पहला कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

■ नीतीश ने नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में की शिरकत

बेंगलुरु में नहीं पानी की कमी : शिवकुमार

बेंगलुरु, 14 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्य के कई हिस्सों में पानी की कमी को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि जहां तक बेंगलुरु की बात है कि वहां पानी का संकट है, तो ऐसा नहीं है। वहां केवल सात हजार बोरवेल सूख गए हैं। इसके लिए हमने वैकल्पिक वयवस्था बनाई है। उन्होंने कहा कि हमने जल स्रोत की पहचान की है और पानी के टैंकरों को अपने नियंत्रण में लिया है। अब इनसे पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। गौरतलब है कि डीके शिवकुमार बेंगलुरु के विकास प्रभारी भी हैं। डीके शिवकुमार ने भाजपा पर कावेरी नदी के पानी को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने भाजपा के इस आरोप कि सूखे का सामना कर रहा राज्य पड़ोसी तमिलनाडु को चोरी से कावेरी का पानी दे रही है, को खारिज कर दिया।

■ राज्य के कई हिस्सों में पानी की कमी को लेकर दिया बयान

केवल सात हजार बोरवेल सूख गए हैं इसके लिए हमने वैकल्पिक वयवस्था बनाई है हमने जल स्रोत की पहचान की है : डीके शिवकुमार

कोई पानी नहीं छोड़ रहा

बेंगलुरु में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भाजपा के आरोपों को झूठा बताते हुए कहा कि यह एक राजनीतिक खेल है, जिसे भाजपा वाले खेल रहे हैं। यह पूरी तरह से झूठ है कि कोई पानी छोड़ा गया है या छोड़ा जाना है। भाजपा नेताओं के इन आरोपों पर डीके शिवकुमार ने पलटवार किया। उन्होंने भाजपा नेताओं को याद दिलाते हुए कहा कि उन्होंने ही रामानगर जिले के कनकपुरा तालुक में मेकेदातु में कावेरी नदी पर एक संतुलन जलाशय की मांग करते हुए मेकेदातु परियोजना के लिए पदयात्रा निकाली थी। पत्रकारों से वार्ता के समय कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों के साइनबोर्ड पर कन्नड़ भाषा के प्रयोग की समयसीमा को लेकर भी जवाब दिया। उन्होंने कहा कि साइनबोर्ड में 60 प्रतिशत कन्नड़ भाषा के प्रयोग के संदर्भ में वह नहीं चाहते कि कोई भी कन्नड़ कार्यकर्ता कानून को अपने हाथ में लें। सरकार इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकार ने व्यापारियों को समय दिया है ताकि नियम को पूरी तरह से लागू किया जा सके। जहां तक सरकार द्वारा दी गई समय-सीमा खत्म होने की बात है, व्यापारियों ने मुझसे इसे लेकर मुलाकात की है। हम इस बारे में विचार करेंगे कि कैसे इसे पूरा कराया जा सकता है।

भाजपा ने लगाए थे यह आरोप

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने कर्नाटक सरकार पर आरोप लगाया था कि राज्य की कांग्रेस सरकार तमिलनाडु को चोरी-छिपे कावेरी का पानी छोड़ रही है। उन्होंने यह भी कहा था कि सिद्धारमैया सरकार तब ऐसा कर रही है जबकि उनके राज्य के कई हिस्से पानी की गंभीर कमी से जूझ रहे हैं। भाजपा ने कहा था कि सिद्धारमैया सरकार के ऐसा करने के पीछे उसकी राजनीतिक मजबूरी है। क्योंकि वहां सत्तारूढ़ द्रमुक विपक्षी इंडिया गुट का हिस्सा है।

सीएए कानून को लेकर विपक्ष की सोच तुष्टीकरण की प्रकाष्ठा : गिरिराज

पटना/बेगूसराय, 14 मार्च (देशबन्धु)। पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों को छोड़कर पूरे देश में सीएए लागू हो गया है। इस कानून के लागू होने के बाद अब दूसरे देशों के गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भारत की नागरिकता दी जाएगी हालांकि विपक्ष इस कानून के लागू होने के समय को लेकर सवाल उठा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष पर हमला बोलते हुए बेगूसराय पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि केजरीवाल हिंदुओं को गाली दे रहे हैं। जब पाकिस्तान में हिंदुओं की बेटी को मंडप से उठाकर लेकर जाते हैं तब तो इनकी जुबान नहीं खुलती है। गिरिराज ने कहा कि मुझे दुख होता है कि विपक्ष की यह सोच तुष्टीकरण के प्रकाष्ठा है। वहीं विपक्ष का आरोप है कि लोकसभा चुनाव में फायदा लेने के लिए केंद्र की सरकार ने इसे लागू किया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के बयान पर बोला हमला

भारतवंशी को कौन सहारा देगा अगर भारत वंश से यहां नहीं आएंगे तो कहां जाएंगे : गिरिराज

भारतवंशी को कौन देगा सहारा

गिरिराज सिंह ने कहा कि भारतवंशी को कौन सहारा देगा, अगर भारत वंश से यहां नहीं आएंगे तो कहां जाएंगे। यह विपक्ष की विकृत मानसिकता है जो हिंदुओं के ऊपर ऐसी सोच रखता है। ऐसे लोगों को जब वहां न्याय नहीं मिलेगा तो वह भागकर हिंदुस्तान ही आएगा। दूसरे देशों के हिंदुओं को केजरीवाल चोर कह रहे हैं और बांग्लादेश रोहोंगिया को लेकर उनकी जुबान नहीं खुलेता क्योंकि उनका वह तो उनका वोट बैंक है, यह तुष्टीकरण नहीं चलेगा।

ओम पर्वत और आदि कैलाश में ह्वाई सेवा के विरोध में उतरे ग्रामीण

पिथौरागढ़, 14 मार्च (देशबन्धु)। सीमांत तहसील धारचूला में सरकार द्वारा ओम पर्वत और आदि कैलाश के दर्शन हेलीकॉप्टर से कराए जाने के निर्णय का विरोध तेज हो गया है। इसी क्रम में आज व्यास जनजाति संघर्ष समिति के आह्वान पर दारमा, चौदास और व्यास वैली के सैकड़ों ग्रामीणों ने नगर में पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ गांधी चौक, अटल चौक, मल्ली बाजार, घटधार और तहसील रोड़ में हेली सेवा के विरोध में जमकर नारेबाजी करते हुए पर्यटन विभाग और सरकार का विरोध किया। ग्रामीणों ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर जनसभा की। जिसमें व्यास घाटी के ग्रामीण महेंद्र बुदियाल ने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए निर्णय से स्थानीय लोगों के हित प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने लाखों रुपए का लोन लेकर क्षेत्र में होमस्टे सहित पर्यटन व्यापार के लिए वाहन आदि में पैसा खर्च किया है। ऐसे में दिल्ली से सेवा शुरू होने पर सभी की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। व्यास संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजन नबियाल ने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा हेलीकॉप्टर से आदि कैलाश और ओम पर्वत दर्शन करना दुर्भाग्यपूर्ण है। क्षेत्र में पर्यटन संबंधित सभी संसाधनों को पर्यावरण अनुकूल तरीके से विकसित करना होगा।

उत्तराखण्ड के डिग्री कॉलेजों को 117 योग प्रशिक्षकों की भर्ती की विज्ञप्ति जारी

देहरादून, 14 मार्च (देशबन्धु)। सूबे के राजकीय महाविद्यालयों में शीघ्र ही 117 योग प्रशिक्षकों की तैनाती की जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग ने इसके लिए भर्ती विज्ञप्ति जारी कर दी है। महाविद्यालयों में योग प्रशिक्षकों को आउटसोर्स के माध्यम से अस्थाई रूप से 11 माह के लिए तैनाती दी जाएगी। इस दौरान इन्हें प्रत्येक दिन 300 रूपए प्रतिवादन अथवा अधिकतम 18 हजार रूपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी को रोजगार प्रयाग पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ-साथ योग प्रशिक्षण देने के दृष्टिगत नवीन शैक्षिक सत्र से नियत वेतनमान पर 117 योग प्रशिक्षक तैनात किये जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में विज्ञप्ति जारी कर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजकीय महाविद्यालयों में योग प्रशिक्षकों को आउटसोर्स से अस्थाई रूप से 11 माह के लिए रखा जाएगा। इस अवधि में इन्हें प्रति दिन 300 रूपए प्रतिवादन या फिर अधिकतम 18 हजार रूपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। योग प्रशिक्षक के लिये अभ्यर्थी को किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से योग, योग विज्ञान, योग चिकित्सा, योग शिक्षा में स्नातकोत्तर या समकक्ष उपाधि धारक होना जरूरी है। इसके अलावा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा योग शिक्षा में प्रतिष्ठित संस्थान से योग, योग विज्ञान, योग चिकित्सा, योग शिक्षा में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा या समकक्ष उपाधि धारक भी योग प्रशिक्षक पद के लिये आवेदन कर सकता है। इसके साथ ही अभ्यर्थी के पास योग शिक्षा में अध्यापन एवं प्रशिक्षण का न्यूनतम दो वर्ष का अनुभव होना आवश्यक है।

■ राजकीय महाविद्यालयों में योग प्रशिक्षकों को आउटसोर्स से अस्थाई रूप से 11 माह के लिए रखा जाएगा

चिंता *जम्मू-कश्मीर में चुनाव पर आतंकियों का साया*

34 सालों में एक हजार के करीब राजनीतिज्ञ आतंकियों के शिकार बने

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 14 मार्च (एजेंसियां)। सुरक्षाबलों और प्रदेश सरकार के दावों के बावजूद इस सच्चाई से मुख नहीं मोड़ा जा सकता कि कश्मीर में फैले आतंकवाद में राजनीतिज्ञ आर्तकियों के नर्म लक्ष्य रहे हैं। कश्मीर में होने वाले हर किस्म के चुनावों में आर्तकियों ने राजनीतिज्ञों को ही निशाना बनाया गया है। उन्होंने न ही पार्टी विशेष को लेकर कोई भेदभाव किया।

है और न ही उन राजनीतिज्ञों को ही बख्शा जिनकी पार्टी के नेता अलगाववादी सोच रखते हों। माना कि अब कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे का दावा किया जा रहा है पर यह इसी से स्पष्ट होता है कि पिछले 34 सालों के आतंकवाद के दौर के दौरान सरकारी तौर पर आतंकियों ने 1000 के करीब राजनीति से सीधे जुड़े हुए नेताओं को मौत के घाट उतारा है। इनमें ब्लाक स्तर से लेकर मंत्री और विधायक स्तर तक के नेता शामिल रहे हैं। हालांकि वे मुख्यमंत्री या उप-मुख्यमंत्री तक नहीं पहुंच पाए लेकिन ऐसी बहुतेरी कोशिशें उनके द्वारा जरूर की गई हैं। तत्कालीन राज्य में विधानसभा चुनावों के दौरान हमेशा सबसे ज्यादा राजनीतिज्ञों को निशाना बनाया गया है। इसे आंकड़े भी स्पष्ट करते हैं।

■ विस चुनावों के दौरान सबसे ज्यादा राजनीतिज्ञों को बनाया निशाना

जानकारी के अनुसार वर्ष 1996 के विधानसभा चुनावों में अगर आतंकी 75 से अधिक राजनीतिज्ञों और पार्टी कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतारने में कामयाब रहे थे तो वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव उससे अधिक खूनी साबित हुए थे जब 87 राजनीतिज्ञ मारे गए थे। ऐसा भी नहीं था कि बीच के वर्षों में आतंकी खामोश रहे हों बल्कि जब भी उन्हें मौका मिलता वे लोगों में दहशत फैलाने के इरादों से राजनीतिज्ञों को जरूर निशाना बनाते रहे थे। अगर वर्ष 1989 से लेकर वर्ष 2005 तक के आंकड़ें लें तो 1989 और 1993 में आतंकियों ने किसी भी राजनीतिज्ञ की हत्या नहीं की और बाकी के वर्षों में यह आंकड़ा 8 से लेकर 87 तक गया है। इस प्रकार इन सालों में आतंकियों ने कुल 671 राजनीतिज्ञों को मौत के घाट उतार दिया। अगर वर्ष 2008 का रिकार्ड देंखें तो आतंकियों ने 16 के करीब कोशिशें राजनीतिज्ञों को निशाना बनाने की अंजाम दी थीं।

इनमें से वे कईयों में कामयाब भी रहे थे। चौंकाने वाली बात वर्ष 2008 की इन कोशिशों की यह थी कि यह लोकतांत्रिक सरकार के सत्ता में रहते हुए अंजाम दी गईं थी जिस कारण जनता में जो दहशत फैली वह अभी तक 'कायम' है। अब जबकि प्रदेश में लोकसभा चुनावों का बिगुल बजने जा रहा है और अधिकारियों को आशंका है कि आतंकी भी अपनी मांद से बाहर निकलेंगें। दरअसल उन्हें सीमा पार से दहशत मचाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। वे अपनी कोशिशों में कामयाब न हों इसके लिए सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा भी आरंभ हो चुकी है।

प्रादेशिकी

सभासदों ने बजट प्रस्ताव का विरोध कर बैठक का किया बहिष्कार

फर्रुखाबाद, 14 मार्च (देशबन्धु)। विरोध पक्ष के सभासदों ने बजट प्रस्ताव का विरोध कर बैठक का भी बहिष्कार कर दिया। सत्ता पक्ष के सभासदों ने करोड़ों का बजट पास कर दिया। तहसील सदर के सभागार में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती बत्सला अग्रवाल एवं अधिशासी अधिकारी की देखरेख में बोर्ड की बैठक 4.10 बजे शुरू हुई। वर्ष 2024/25 25 के 99 करोड़ 38 लाख बजट का 70 नम्बर प्रस्ताव शरद वाजपेई ने पढ़ा। प्रस्ताव में बजट के व्यय का विस्तृत विवरण न होने के कारण विरोध पक्ष के सभासद अतुल शंकर दुबे अनिल तिवारी विश्वनाथ राजपूत आदि ने विरोध कर खर्चे के संबंध में जानकारी मांगी। तभी सत्ता पक्ष के सभासद असलम अंसारी रफीक अंसारी धर्मेंद्र कन्नौजिया आदि ने प्रस्ताव को स्वीकार करने की रट लगा दी।

प्रदेश में आज बेटी व व्यापारी सुरक्षित : योगी

लखनऊ/गोंडा, 14 मार्च (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपके एक वोट ने देश की तकदीर को बदल दिया। पहले आप जिन लोगों को वोट देते थे, उन्हें राम के नाम से भय होता था। राम का नाम लेने में संकोच होता था। आपका पर्व-त्योहार आता था तो वे कर्फ्यू लगा देते थे। अराजकता फैलाते थे, आस्था पर प्रहार करते थे। आपके वोट को आपके खिलाफ प्रयोग करते थे। सुरक्षा व नौजवानों के रोजगार में सेंध लगाते थे। किसानों की खुशहाली को रौंदते थे और व्यापारियों के यहां डकैती डलवाते थे पर आज बेटी और व्यापारी सुरक्षित है। डबल इंजन की सरकार है तो आस्था का सम्मान है। गुरुवार सुबह ही लखनऊ में 100 नौजवानों को नियुक्ति पत्र दिया है। यूपी के नौजवान नियुक्ति पत्र प्राप्त कर अग्रणी सेवा में जा रहे हैं, क्योंकि सरकार संवेदनशील तरीके से उनके विकास के लिए कार्य कर रही है।

■ **मुख्यमंत्री ने गोंडा में 1689.46 करोड़ की 422 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास**

नियुक्ति पत्र प्राप्त कर अग्रणी सेवा में जा रहे यूपी के नौजवान : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने गोंडा के शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह थॉमसन इंटर कॉलेज ग्राउंड में 1689.46 करोड़ की 422 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। साथ ही स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का उद्घाटन किया और देवी बख्श सिंह के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नाम करने की घोषणा की। सीएम ने कहा कि हमारा देश बदल चुका है। हम नए भारत में रह रहे हैं, जिसने दुनिया में 140 करोड़ भारतवासियों का गौरव बढ़ाया है। आतंकवाद, नक्सलवाद समाप्त हो गया। देश सुरक्षा व समृद्धि के नित नए प्रतिमान को गढ़ता हुआ आगे बढ़ रहा है। मोदी जी को तीसरा कार्यकाल दीजिए, भारत उनके नेतृत्व में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

वायुसेवा से जुड़ेगा श्रावस्ती

चार दशक से लंबित सरयू नगर राष्ट्रीय परियोजना को पूरा करने का काम हुआ है। कोई सोचता था कि श्रावस्ती वायुसेवा से जुड़ेगा। अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बन चुका है। अयोध्या से गोंडा को फोरलेन की कनेक्टिविटी से जोड़ने की कार्रवाई हो रही है। 84 कोसी परिक्रमा मार्ग पर 8000 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। सीएम ने घोषणा की कि 1857 के जिस योद्धा व स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ने गोंडा में मोर्चा संभाला था, उन देवी बख्श सिंह के नाम पर गोंडा मेडिकल कॉलेज का नाम होगा। कॉलेज में उनकी प्रतिमा लगेगी। 1857 का उनका इतिहास लिखा जाएगा। आजादी के नायकों व भारत मां की सेवा करने वालों को भारत सम्मान देगा। इनके नाम पर मेडिकल कॉलेज, पॉलीटेक्निक, कॉलेज, हाइवे व एक्सप्रेसवे आदि होंगे। उन्हें सम्मानित कर भावी पीढ़ी प्रेरणा प्राप्त करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले गोंडा की स्थिति क्या थी। 2015-16 का सर्वे आया था तो गोंडा सबसे गंदा शहर था, तब मैंने प्रतीक भूषण से कहा था कि जनता ने आशीर्वाद दिया है, विधायक बने हैं तो गोंडा को स्वच्छ शहर के रूप में स्थापित करो। उन्होंने प्रयास किया, आज गोंडा स्वच्छ हो गया। यहां के जनप्रतिनिधि विकास के लिए बात करने आते हैं। यह लोग मुझे घर का व्यक्ति मानते हैं और गोंडा के विकास के लिए झगड़ा करते हैं। गोंडा और देवीपाटन कमिश्नरी में विकास कार्यों में पैसे की कमी नहीं होने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार नहीं होती तो क्या रामलला के भव्य मंदिर का निर्माण हो पाता।

लाभार्थियों को प्रमाण पत्र किए वितरित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चाबी, चेक, प्रमाण पत्र आदि वितरित किया। योगी ने कहा कि पूरा गोंडा अयोध्या दर्शन करने चला गया है। पैदल भी चुपचाप चले गए होंगे, आपको कौन रोकने वाला है। बीच में सरयू मैया हैं। इस पार से उस पार चले गए तो कोई पूछेगा भी नहीं। अयोध्या में रामलला के विराजमान होने का सर्वाधिक लाभ गोंडा को मिल रहा है, सारा विकास इधर आ रहा है। अच्छी सरकारें आती हैं तो गरीबों का कल्याण होता है। विकास और आस्था को ऐसे ही सम्मान होता था। राम मंदिर लोगों के लिए सपना था। कभी राम के नाम पर डंडे बरसते थे और गोलियां चलती थीं पर आज सबके मुंह से जयश्रीराम की बोली निकलती है। आज रामभक्तों पर गोली नहीं, पुष्पवर्षा हो रही है। 22 जनवरी को श्रीरामलला विराजमान कार्यक्रम को पीएम बढ़ाकर पांच सदी का इंतजार समाप्त कर रहे थे तब हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा हो रही थी।

विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों का हो त्वरित निस्तारण : ईशा दुहन

मेरठ, 14 मार्च (देशबन्धु)। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. की प्रबन्ध निदेशक ईशा दुहन की अध्यक्षता में डिस्कॉम मुख्यालय ऊर्जा भवन के सभागार में निवेश मित्र, झटपट पोर्टल, विद्युत दुर्घटना, विभिन्न माध्यमों से प्राप्त (आईजीआरएस, संभव आदि) शिकायत, विद्युत हेल्पलाईन नं. 1912 से प्राप्त शिकायत आदि बिन्दुओं पर समीक्षा बैठक आहुत हुई। बैठक में प्रबन्ध निदेशक ने कहा उपभोक्ताओं की विद्युत सम्बन्धी शिकायतों का निस्तारण मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुये गुणवत्तापूर्वक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विद्युत हेल्पलाईन नं0 1912 से सम्बन्धित शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि उपभोक्ताओं कि विद्युत आपूर्ति, क्षतिग्रस्त परिवर्तकों से सम्बन्धित शिकायत, बिल सम्बन्धी शिकायत, मीटर सम्बन्धी शिकायत, ब्रेकडाउन आदि से सम्बन्धित शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। झटपट पोर्टल एवं निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से आनलाईन निर्गत किये गये नये संयोजनों की समीक्षा करते हुए, प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि आनलाईन संयोजन, झटपट पोर्टल एवं निवेश मित्र पोर्टल के माध्यम से बिना किसी परेशानी के उपभोक्ताओं को निर्गत किये जायें। बैठक में प्रबन्ध निदेशक ने निर्देश दिये कि उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति देने हेतु, ओवरलोड और विद्युत कटौती की समस्या को समाप्त करने हेतु जनपदवार विद्युत तंत्र को सुदृढ़ किया जाए। प्रबन्ध निदेशक ने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं का निवारण विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जन-शिकायतों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। उपभोक्ता की शिकायतों के समाधान हेतु पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. द्वारा विद्युत हेल्पलाईन नं. 1912 एवं टोल फ्री नं. 1800-180-3002 जारी किए गए है जिस पर उपभोक्ता विद्युत संबंधी शिकायतों एवं क्षतिग्रस्त परिवर्तकों को निर्धारित समय-सीमा में बदलने आदि शिकायतों को दर्ज कराकर, निस्तारण प्राप्त कर सकता है।

प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

सार संक्षेप

कारीगरों को निःशुल्क मशीनें कीं गईं वितरित

मेरठ। गांधी आश्रम प्लॉट, निकट सात फेरे रेस्टोरेन्ट गढ रोड मेरठ के परिसर में मेरठ मण्डल के अन्तर्गत जनपद-मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़ , बुलन्दशहर, गौतमबुद्ध नगर एवं बागपत मे वर्ष 2023-24 में चयनित माटीकला के परम्परागत कारीगरों को विद्युत चालित चाक व पॉपकार्न मेकिंग मशीन का निःशुल्क वितरण सांसद राजेन्द्र अग्रवाल के द्वारा किया गया। माटीकला विद्युत चालित चाक का वितरण मेरठ-49, बागपत-23 गौतमबुद्धनगर-10, गाजियाबाद-25, बुलन्दशहर-47 हापुड़-36 एवं जनपद मेरठ मे 10 पॉपकार्न मेकिंग मशीन का वितरण किया गया है। इस अवसर पर उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के पूर्व सदस्य संजय प्रजापति, जिला उद्योग केन्द्र के उपायुक्त दीपेन्द्र कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक एस.के.मजुमदार, खादी ग्रामोद्योग आयोग, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी बागपत संदीप व अन्य जनपदों की कार्मिक उपस्थित रहे।

गांवों में बाल विवाह के प्रति चला जागरूकता अभियान

मेरठ। गैरसरकारी व कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउंडेशन यूएस द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अर्न्तगत जनपद मेरठ के 150 गांवों में बाल विवाह के प्रति जागरूकता कार्यक्रम कराये जा रहे है। जिसमे आशा, आंगनवाड़ी, स्वय सहायता समूह की महिलाए सबको साथ जोड़ कर इस अभियान को चलाया जा रहा है। गांव गांव किशोरी समुह बना कर इस अभियान को गति दी गई है।

शहर कोतवाल, कादरी गेट व जहानगंज थानाध्यक्ष बदले

फर्रुखाबाद। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार नें शहर कोतवाली, थानाध्यक्ष कादरी गेट, थानाध्यक्ष जहानगंज की तैनाती में फेर बदल किया है। एसपी नें थानाध्यक्ष जहानगंज जेपी शर्मा को शहर कोतवाल बनाया है। शहर कोतवाल भोलेंद्र चतुर्वेदी को थानाध्यक्ष जहानगंज बनाया गया है। कादरी गेट थानाध्यक्ष विनोद कुमार शुक्ला की प्रभारी न्यायालय सुरक्षा के पद पर तैंनाती की है वहीं प्रभारी न्यायालय सुरक्षा अवध नारायण पाण्डेय की थानाध्यक्ष कादरी गेट के पद पर तैंनाती हुई है।

डॉक्टर व मरीज की सड़क हादसे में कई जान

फर्रुखाबाद। थाना कमालगंज क्षेत्र में बुधवार को देर रात ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार मरीज और डॉक्टर दोनों की मौत हो गई। मरने वाले पड़ोसी जिला कन्नौज के रहने वाले है। पड़ोसी जिला कन्नौज के थाना इंदरगढ़ के गांव कचासीपुर निवासी प्रदीप कुमार (40) पुत्र वीरेंद्र कुमार व गांव मढपुर निवासी डॉक्टर कुबेर मिश्रा (27) पुत्र डॉक्टर वीके मिश्रा के साथ आंख का आपरेशन कराने फर्रुखाबाद में आए थे। बुधवार रात दोनों बाइक से अपने गांव वापस जा रहे थे। वह थाना कमालगंज के गांव कतरौली पट्टी क्रासिंग के पास पहुंचे उसी समय ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे दोनों दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्रदीप को मृत घोषित कर दिया।

विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शनी का आयोजन

मेरठ, 14 मार्च (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ मोदीपुरम में बीएड विभाग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसकी थीम आर्ट एंड एस्थेटिक रही। प्रदर्शनी की शुरुआत विनायक विद्यापीठ की प्राचार्या एवं निदेशक (एकेडमिक) रुद्रा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस डॉ.अनुप्रीता शर्मा द्वारा रिबन काटकर एवं सरस्वती मां के समक्ष ज्योति प्रज्वलित कर की गई। इस दौरान रुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, मवाना की प्राचार्या डॉ. उर्मिला मोरल, डीन रुचिका गुप्ता, रुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, नानपुर की प्राचार्या डॉ पूनम नागर, विनायक विद्यापीठ के निदेशक इंजी. विकास कुमार, टीपीओ प्रवीन शर्मा, बीएड विभागाध्यक्ष एकता सिंधु, सहायक प्रोफेसर जगजीत कौर के अलावा अन्य विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण मौजूद रहे। तत्पश्चात अतिथियों ने विद्यार्थीयों द्वारा प्रदर्शित, वेस्ट मटेरियल से बनाए गए, मॉडल का निरीक्षण किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए मॉडल्स की सराहना की ओर अंत में भव्य राजपूत, अपूर्वा एवं स्वाति को प्रथम, ज्योति एवं ऋतु को द्वितीय एवं नीतू एवं आकृति को तृतीय स्थान देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही अन्य सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

आवास विकास परिषद को मिली बड़ी सफलता

■ **पूर्व विधायक की 22 एकड़ भूमि का किया अधिग्रहण**
■ **करीब 30 वर्षों से किया जा रहा था अधिग्रहण का प्रयास**
■ **अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार अथक प्रयासों का हुआ असर**

मेरठ, 14 मार्च (देशबन्धु)। करीब 30 वर्षा से 22 एकड़ भूमि अधिग्रहण करने के प्रयास में लगे आवास विकास परिषद को अखिरकार सफलता मिल ही गई। अब आम जन को अपने घर का सपना पूरा करने के लिए आवासीय योजना को अमलीजामा पहनाया जा सकेगा। बता दें कि बुलंदशहर के डीएम रोड पर स्थित ऑफिसर कालोनी मार्ग भूमि वर्ग गृह स्थान योजना संख्या-1 बुलंदशहर के मध्य में बुलंदशहर के पूर्व विधायक सुंदर सिंह लोधी की 22 एकड़ भूमि स्थित थी। जिसका अभिनिर्णय घोषित कराने में करीब 30 वर्षों से प्रयास तो किया जा रहा था लेकिन विधायक के प्रभाव के कारण आवास विकास के कई पूर्व अधिकारियों के पसीने छूट रहे थे, परन्तु अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार के अथक प्रयासों व निडर होकर पूर्व विधायक के खसरों की भूमि का अधिग्रहण कर कब्जा प्राप्त किया गया। तदोपरांत अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि अधिग्रहण की गई जमीन का जल्द ही ले-आउट प्लान तैयार होगा और आम नागरिकों के लिए आवासीय आबंटन दिए जाएंगे। ज्ञातव्य हो कि यह भूमि जिसका अधिग्रहण किया गया है इसके लिए आवास विकास के उच्च अधिकारियों द्वारा समय-समय पर अधिग्रहण की बहुत काशिशें की गई लेकिन विधायक का क्षेत्र में दबदबा होने के कारण भूमि अधिग्रहण के समस्त प्रयास असफल रहे। अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार के अथक प्रयासों से भूमि का अधिग्रहण हो पाया।

राजीव कुमार, अधीक्षण अभियंता, आवास विकास परिषद।

उक्त भूमि शहर के बीचों बीच पॉश इलाके में होने के बावजूद लगता है कि आवास विकास परिषद के पूर्व अधिकारी आंखे मूंदे बैठे थे या विधायक से भयभीत थे। अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार के प्रयासों से उस भ्रम को तोड़ते हुए उक्त भूमि का अधिग्रहण किया गया।

एएस पीजी कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

मवाना, 14 मार्च (देशबन्धु)। एएस (पीजी) कालेज, मवाना में गुरुवार को साहित्यक सांस्कृतिक गतिविधि के अंतर्गत सेमिनार हाल में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डा. नीतू सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं को समूह में विभाजित कर प्रतियोगिता की रूपरेखा तैयार की, साथ ही मंच का संचालन करते हुए क्विज प्रतियोगिता को प्रारम्भ किया। राबिन सिंह ने तकनीकी भूमिका को निभाते हुए प्रतियोगिता को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने में विशेष सहयोग प्रदान किया। डा.कुलदीप मलिक ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए अंकों के आधार पर विजेता व उपविजेता टीमों के नामों की घोषणा की।

उन्होंने बताया की उपविजेता टीम ने 100 में से 72 अंक अर्जित किए और विजेता टीम ने 100 में से 89 अंक प्राप्त किए। विजेता टीम के प्रतिभागी मुस्कान सैफी, इशिता शर्मा, प्रियांशु, प्रियांशु त्यागी व विजेता टीम के शुभम यादव, श्वेता त्यागी, विकास कुमार, तुषार भार्गव इन सभी प्रतिभागियों को प्रो. पूनम रानी व प्रो. शर्मिला दयाल ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें टीम डी विजेता रही, जिसके लीडर शुभम यादव रहे और द्वितीय स्थान पर टीम सी रही, जिसकी लीडर इशिता शर्मा रही। तृतीय स्थान पर टीम ए और बी रही।

छात्रों ने व्यापार उद्योग के बारे में सीखा

मेरठ, 14 मार्च (देशबन्धु)। शोभित विश्वविद्यालय के नाइस स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज विभाग द्वारा रिटेल व्यवसाय से संबंधित महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का उद्देश्य छात्रों को व्यापारिक उद्योग की विभिन्न पहलुओं और रिटेल सेक्टर के विपरीतताओं के बारे में जागरूक करना था। छात्रों को नए उद्यमिता योजनाओं के बारे में सोचने और उन्हें वास्तविकता में लागू करने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दुबई स्टोर के प्रोपराइटर एवं दुबई की सबसे बड़ी ज्वेलरी टेस्टिंग के संस्थापक सुधीर भल्ला जी रहे। इस खास व्याख्यान में छात्रों ने व्यापार उद्योग के बारे में बहुत कुछ सीखा। उन्होंने देखा कि भारतीय रिटेल का हाल क्या है और कैसे वहां की दुकानें और ऑनलाइन व्यवसाय अलग-अलग हैं। छात्रों ने ब्लिंकिट, जोमैटो, और अन्य कंपनियों के बारे में भी सीखा, जिन्होंने भारतीय बाजार को तेजी से बदल दिया है। इसके अलावा उन्होंने एफएमएफओ, उद्यमिता, लागत को कम करना, शॉप इन शॉप, सर्विस रिटेलिंग, ब्लैक स्टोर्स तथा उन्होंने छात्रों को उद्यमिता की दुनिया में नेतृत्व करने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया।

शोभित विश्वविद्यालय में रिटेल व्यवसाय पर व्याख्यान आयोजित

उनके अनुभव और विशेषज्ञता के साथ, छात्रों को व्यापार उद्योग के जटिलताओं को नेविगेट करने के वर्षों के अनुभव की साझा किया गया, जो एक उद्यमिता स्प्रिट को प्रेरित करता है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. नेहा त्यागी रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में नाइस स्कूल आफ बिजनेस स्टडीज विभाग के शिक्षक डॉ. अभिषेक डबास, डॉ. अनुज गोयल, डॉ. नेहा त्यागी, डॉ. नेहा यजुर्वेदी, डॉ. अंशु चौधरी, डॉ. प्रीती गर्ग, डॉ. गार्गी चौधरी एवं सबसे महत्वपूर्ण विभाग के समस्त छात्रों का विशेष सहयोग रहा।

सीसीएसयू में फिनटेक फ्यूचर प्रेन्योसी बूटकैप लगाया

मेरठ,14 मार्च (देशबन्धु)। आईआईएम लखनऊ एंटरप्राइज इनक्यूबेशन सेंटर व भारतीय रिजर्व बैंक की ईकाई रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आर.बी.आई.एच) के सहयोग से वाणिज्य विभाग, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में 'फिनटेक फ्यूचर प्रेन्योसी बूटकैप' का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रुप में अरुणोदय वाजपेयी, व सचिन शर्मा, आई.आई.एम लखनऊ एंटरप्राइज इनक्यूबेशन सेंटर, एवं चर्मीला नागाला, व सक्षम जैन एवं रजत मित्तल रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आर.बी.आई.एच), व मोहित शर्मा स्टार्ट-अप तेजो-पे से रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अरुणोदय वाजपेयी, सीओओ आईआईएम लखनऊ एंटरप्राइज इनक्यूबेशन सेंटर एवं विभाग के समन्वयक प्रो. रविन्द्र कुमार शर्मा ने दीप प्रजव्वलन करके की। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर हिमांशी बंसल व बीकॉम (ओनर्स) तृतीय वर्ष की छात्रा आयुषी सैनी ने संयुक्त ग्रुप से किया। अरुणोदय वाजपेयी ने छात्रों को स्टार्टअप में असीम सभावानाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

आग लगने से लाखों के कूड़ेदान जलकर राख

मवाना, 14 मार्च (देशबन्धु)। गुरूवार को नगर की ढिकोली रोड स्थित पम्प नंबर सात के समीप कूड़े की ढेर में भीषण आग लग गई, जिसमें कूड़े के ढेर के समीप रखे लाखों रुपए का कूड़ेदान जलकर राख हो गया। बताया जा रहा है कि कचरे में लगी आग की चिंगारी के चलते गोदाम में आग लगी है। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को कड़ी मशक्त के बाद आग को काबू में किया। जानकारी के अनुसार नगर की ढिकोली रोड स्थित पम्प सेट सात पर गुरुवार दोपहर अचानक आग लग गई। आग की लपटे उठते देख आस पास अफ्रा तफ्री मच गई। स्थानीय लोगो ने आग की सुचना नगर पंचायत कर्मचारियों और दमकल विभाग को दी। नगर पंचायत कर्मचारियों ने आग को काबू में करने का प्रयास किया लेकिन आग पर काबू नही पा सके। मौके पर पहुंची फायर विभाग की टीम ने आग पर को काबू में करने का प्रयास किया लेकिन तब तक समीप रखे कुडे दान जल कर राख हो गये। अधिसाशी अधिकारी राजीव जैन का कहना है कि पम्प सेट संख्या 7 में आग लगने से पम्प सेट के समीप रखे कई कुडेदान जलकर रखा हो गए।

■ **दमल कर्मचारियों को कड़ी मशक्त के बाद पाया आग पर काबू**

आयोजन *कला, संस्कृति व नवाचार महोत्सव का शुभारंभ*

सामाजिक कार्यों में दें अपनी प्रतिभागिता : .योगेश प्रधान

मवाना, 14 मार्च (देशबन्धु)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान छोटा मवाना में दो दिवसीय कला, संस्कृति एवं नवाचार महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख पति योगेश प्रधान रहे। मुख्य अतिथि उप प्राचार्य मनोज कुमार आर्य व जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मेरठ वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती गीता चौधरी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

■ **शिक्षकों व प्रशिक्षुओं को शिक्षा में कला की महत्ता से कराया परिचित**

मुख्य अतिथि डॉ. योगेश प्रधान ने सभी प्रशिक्षुओं को एक अच्छा नागरिक व अध्यापक बनने के साथ-साथ सामाजिक कार्यों व समाज में अपनी प्रतिभागिता करने की बात कही, जबकि उप प्राचार्य मनोज कुमार आर्य ने अतिशीघ्र सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने की प्रतिबद्धता के साथ शिक्षकों व प्रशिक्षुओं को शिक्षा में कला की महत्ता से परिचित कराया तथा वरिष्ठ प्रवक्ता गीता चौधरी ने सभी को कला महोत्सव की बारीकियों से अवगत कराया। इससे पहले डायट उप प्राचार्य के द्वारा मुख्य अतिथि को बुके एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात सरस्वती वंदना के साथ ही कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और महोत्सव के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में विवरण दिया। उप प्राचार्य मनोज कुमार आर्य ने मुख्य अतिथि को सम्मान प्रतीक भेंट किया गया। कला, क्राफ्ट प्रतियोगिता एवं वॉल पेंटिंग प्रतियोगिता के प्रथम दिन निर्णायक मंडल में डा.विधि खंडेलवाल (विभागाध्यक्ष) एनीमेशन एंड फाइन आर्ट विभाग सुभारती विश्वविद्यालय मेरठ, प्रेमनाथ किसान इंटर कॉलेज माछरा की प्रवक्ता निधि चौधरी एवं राष्ट्रीय इंटर कॉलेज लावड़ के प्रवक्ता डॉ. पवन कुमार ने प्रतिभागियों की कला को परखा। कार्यक्रम प्रभारी व प्रवक्ता प्रदीप कुमार ने कार्यक्रम की संयोजना की। दिनेश कुमार के निर्देशन में संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था की गई। वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती गीता चौधरी ने दो दिवसीय कार्यक्रम की संकल्पना की गई। कार्यक्रम में समस्त प्रवक्ताओं एवं डाइट मेंटर्स का सहयोग रहा।

डोर टू डोर प्रचार में जुटें भाजपा कार्यकर्ता : कौशिक

मवाना, 14 मार्च (देशबन्धु)। तहसील रोड स्थित नगर पालिका के आरओ प्लांट पर बने सभागार में गुरुवार को हस्तिनापुर विधानसभा चुनाव समिति की एक बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पालिका चेयरमैन अखिल कौशिक ने की। इस बैठक में चुनाव समिति प्रभारी विकास पंवार ने मवाना नगर व मवाना पूर्वी मंडल के कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। राज्य मंत्री दिनेश खटीक ने कहा कि हस्तिनापुर विधान सभा क्षेत्र से पिछले चुनावों से ज्यादा मतों से रालोद-भाजपा के संयुक्त प्रत्याशी को जिताना है। नल चलेगा तो कमल खिलेगा। इस नारे के साथ सभी कार्यकर्ता 15 मार्च से क्षेत्रों में जाकर चुनाव प्रचार में जुट जायें और डोर-टू-डोर जाकर आम लोगों को चुनाव चिह्न के बारे में जानकारी दें। आगामी लोक सभा के चुनाव को हमें अधिक से अधिक मतों से विजयी बनाकर छोटे भाई चन्दन को सांसद बनाये और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना चार सौ पार में पूरा सहयोग करना है। अबकी बार तीसरी बार नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाना है। बैठक में मंडल अध्यक्ष सचिन कोशिक ने कहा कि रालोद के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रत्येक बूथ पर गठबंधन के रूप में नल चलेगा, कमल खिलेगा के नारे को मतदान के दिन पूरा करना है। सभी को नल पर बटन दबाकर मतदान कराने का संकल्प लिया गया। अमल खटीक ने भी विचार रखें।

वर्ष 2025 तक क्षय रोग मुक्त बनेगा हिमाचल

शिमला। हिमाचल की स्वास्थ्य सचिव एम.सुधा देवी ने बुधवार को यहां राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी विभागों विशेषकर पंचायती राज विभाग से लोगों को जागरूक करने के लिए पंचायती राज प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित करने और प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पंचायत राज प्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में क्षय रोग (टीबी) के बारे में और टीबी रोगियों को 'निक्षय मित्र' के रूप में अपनाने और उन्हें पोषण संबंधी सहायता प्रदान की जाए ताकि हिमाचल प्रदेश को 2025 तक टीबी मुक्त बनाया जा सके। इसके अलावा उन्होंने टीबी उन्मूलन के लिए उठाए जा रहे कदमों और गतिविधियों की सराहना की और इस दिशा में जागरूकता और प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों के लिए विभागों को सम्मानित किया।

त्रिपुरा में 10 फीसदी छात्र एड्स से पीड़ित, मुख्यमंत्री ने जताई चिंता

हर महीने 150-200 लोग हो रहे संक्रमित : माणिक साहा

अगरतला, 14 मार्च (एजेंसियां)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने गुरुवार को राज्य में एचआईवी/एड्स के मामले बढ़ने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इस संक्रामक बीमारी से प्रति माह 150 से 200 लोग संक्रमित हो रहे हैं। छात्रों और युवाओं के बीच इंट्रावेनस इंजेक्शन या आईवी दवा का उपयोग बढ़ जाना भी चिंताजनक है। यहां के रवींद्र शतवार्षिकी भवन में एचआईवी/एड्स पर एक जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहा ने कहा कि जनवरी तक 1,033 महिलाओं और 558 छात्रों सहित 5,330 लोग एचआईवी/एड्स से संक्रमित थे। साहा के पास स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का भी प्रभार है। स्वास्थ्य विभाग के तहत त्रिपुरा एड्स कंट्रोल सोसाइटी द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, शिक्षक, अभिभावक, छात्र और स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे।

■ **जनवरी तक 1,033 महिलाओं और 558 छात्रों सहित 5,330 लोग एड्स से संक्रमित थे**

मुख्यमंत्री ने शिक्षण समुदाय से हालात पर बारीकी से नजर रखने का आग्रह करते हुए कहा कि एचआईवी/एड्स के खतरे को

रोकने के लिए निगरानी और पर्यवेक्षण मुख्य कार्य है।

उन्होंने कहा कि 1970 के दशक से मणिपुर कि आईवी ड्रग उपयोग में पूर्वोत्तर राज्यों में शीर्ष पर है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र और देश के सभी राज्य केंद्र के मार्गदर्शन और मदद से नशा मुक्त भारत के लिए प्रयास कर रहे हैं। साहा ने कहा कि हाल ही में मैं दक्षिण त्रिपुरा के बेलोनिया में एक छात्र से मिला। उसने कहा कि वह अच्छा छात्र और खिलाड़ी था, लेकिन बाद में नशीली दवाओं के खतरे का शिकार हो गया। पांच साल के बाद उसने नशीली दवाओं का सेवन बंद कर दिया है और अब वह अपनी बीमारी से उबर रहा है। साहा खुद डेंटल सर्जन हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय कारणों और अज्ञानता के कारण कई युवा एक ही डिस्पोजेबल सिरिंज का उपयोग बार-बार करते हैं, जिससे बीमारी फैल रही है। उन्होंने शिक्षकों, स्वास्थ्य अधिकारियों और गैर सरकारी संगठनों सहित सभी संबंधित पक्षों से नशीली दवाओं के खतरे के केंद्र की पहचान करने और एचआईवी/एड्स को जड़ से खत्म करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में असम के बाद त्रिपुरा में सबसे ज्यादा नशीले पदार्थ जब्त और नष्ट किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही आठ जिलों में आठ नशा मुक्ति केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है, ताकि इस समस्या से खुद को मुक्त करने का प्रयास कर रहे युवाओं को सभी तरह की मदद और मार्गदर्शन मिल सके। अधिकारियों ने कहा कि म्यांमार से तस्करी कर लाई गई दवाएं मिजोरम और असम के रास्ते त्रिपुरा आ रही हैं और गुप्त मार्गों से बांग्लादेश जा रही हैं। हालांकि सीमा सुरक्षा बल ड्रग्स के कारोबार को खत्म करने के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सुरक्षा बलों के अलावा, कई अन्य सरकारी एजेंसियां व गैर सरकारी संगठन त्रिपुरा को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने सभी संबंधित लोगों से अपने बच्चों के बारे में सतर्क रहने का आग्रह किया, ताकि वे प्रभावित न हों या नशीली दवाओं का शिकार न बनें।

गोवंश रक्षा का संदेश देने और रामलला के दर्शन के लिए बैलगाड़ी से अयोध्या पहुंचे किन्नर

■ **महाराष्ट्र में अमरावती से तीन सप्ताह से अधिक की बैलगाड़ी से यात्रा करके किन्नर अखाड़े की महंत अपनी टोली के साथ कारसेवकपुरम पहुंची**

अयोध्या, 14 मार्च (एजेंसियां)। भगवान श्रीराम के 14 वर्ष बाद वनवास से आने का इंतजार करने वाले किन्नर अब गोवंश रक्षा का संदेश देने के लिए महाराष्ट्र से बैलगाड़ी चलाकर अयोध्या में रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं। विदर्भ किन्नर संस्थान से जुड़ी और जूना अखाड़े से संबद्ध किन्नर अखाड़े से दीक्षित महंत गुड्डी बाई और मधुबाई महाराष्ट्र के अमरावती से 21 फरवरी को रामलला के दर्शन के लिए बैलगाड़ी से रवाना हुई थीं। मधुबाई ने बताया कि महाराष्ट्र में अमरावती से तीन सप्ताह से अधिक की बैलगाड़ी से सतत यात्रा करके किन्नर अखाड़े की महंत अपनी टोली के साथ कारसेवकपुरम पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि बैलगाड़ी से इतनी लंबी दूरी तय करने का उद्देश्य गोवंश की रक्षा का संदेश देना है। भगवा वेशधारी गुड्डी बाई रास्ते भर मिले अपार स्नेह से अभिभूत हैं। वह कारसेवकपुरम पहुंचीं। पुरम के प्रभारी शिवदास सिंह ने उनके रहने और बैलों के चारे-पानी का इंतजाम कराया। महंत की सहयोगी किन्नर मधु बाई उच्च शिक्षित हैं। वे बताती हैं कि कुछ दिन रामलला के दर्शन के उपरांत अयोध्या घूमकर बैलगाड़ी से ही

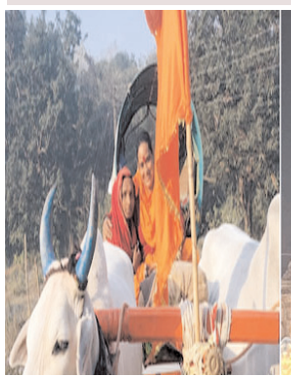

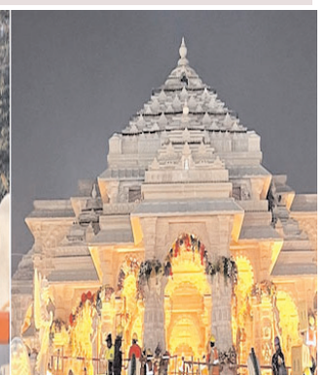

वापस जाएंगी। गुड्डी बाई ने बताया कि हमारा उद्देश्य प्रभु राम के दर्शन करना है। साथ ही गोवंश के सरंक्षण का संदेश भी देना है। हम चाहते हैं कि गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। मान्यता है कि प्रभु श्रीराम जब 14 वर्ष का वनवास काटने के लिए अयोध्या छोड़ने लगे, तब उनकी प्रजा और किन्नर समुदाय भी उनके पीछे-पीछे चलने लगे थे। श्रीराम ने उन्हें वापस अयोध्या लौटने को कहा। लंका विजय के पश्चात जब श्रीराम 14 साल बाद वापस अयोध्या लौटे तो उन्होंने देखा बाकी लोग तो चले गए थे, लेकिन किन्नर वहीं पर उनका इंतजार कर रहे थे। उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर प्रभु श्रीराम ने किन्नरों को वरदान दिया कि उनका आशीर्वाद हमेशा फलित होगा। उस समय से बच्चे के जन्म और विवाह आदि मांगलिक कार्यों में किन्नर लोगों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पेइचिंग में 15 से 17 मई तक अंतरराष्ट्रीय शिक्षा और विदेशी अध्ययन प्रदर्शनी

बीजिंग, 14 मार्च (एजेंसियां)। वैश्विक आदान-प्रदान बढ़ने के चलते अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा उद्योग का तेज विकास कायम रहा। चीन में बहुत से माता-पिता अपने बच्चों को विदेशों में पढ़ाई करने के लिए भेजना चाहते हैं। इसके तहत वर्ष 2024 पेइचिंग अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और विदेशी अध्ययन प्रदर्शनी 15 से 17 मई तक राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्रें आयोजित होगी।

प्रदर्शनी में बीस से अधिक देशों और क्षेत्रों के तमाम विश्वविद्यालय और अध्ययन एजेंसियां शामिल होंगे, जो परिवार अपने बच्चों को पढ़ाई करने के लिए विदेश भेजना चाहते हैं, प्रदर्शनी में संबंधित सभी जानकारियां मिलेंगी। कोविड-19 महामारी की वजह से विदेशों में पढ़ाई पर बड़ा असर पड़ा। महामारी की स्थिति बेहतर होने के चलते वर्ष 2022 से 2023 के आवेदन सीजन में विदेशों में पढ़ाई के लिए आवेदकों की संख्या में 63 प्रतिशत का इजाफा हुआ वर्ष 2023 में आवेदकों की संख्या में काफी बड़ी बढ़ोतरी हुई। विदेश में अध्ययन बाजार पूरी तरह से बहाल हो गया है। इसके साथ चीनी छात्रों के लिए विदेशों में पढ़ाई के गंतव्य देश विविध हो गए हैं। इससे पहले चीनी छात्र ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देशों में पढ़ाई करना चाहते हैं। अब जापान और मलेशिया, सिंगापुर,

■ **कोविड-19 महामारी की वजह से विदेशों में पढ़ाई पर बड़ा असर पड़ा**

थाईलैंड व इंडोनेशिया जैसे आसियान देश भी चीनी छात्रों को आकर्षित करते हैं। आंकड़ों के अनुसार अब करीब एक लाख चीनी विद्यार्थी दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों में पढ़ाई करते हैं। यह संख्या साल दर साल बढ़ रही है। वहीं, वैश्वीकरण और शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के चलते अधिकाधिक विदेशी छात्र चीन में पढ़ाई करने आते हैं। चीन में तेज आर्थिक विकास, उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, चीनी संस्कृति का आकर्षण और चीन का बढ़ता अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव विदेशी छात्रों को आकर्षित करता है। विदेशी छात्र न सिर्फ चीन में अपनी पढ़ाई करते हैं, बल्कि चीनी संस्कृति की जानकारी भी ले सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मंच पर चीन का प्रभाव बढ़ने के चलते भविष्य में और ज्यादा विदेशी छात्र चीन में पढ़ाई जारी रखेंगे।

न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने हासिल की शानदार उपलब्धि

गुरुग्राम 14 मार्च (एजेंसियां)। न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसटी) के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने इंटरनेशनल कॉलेजिएट प्रोग्रामिंग कॉंटेस्ट (आईसीपीसी) में देश के शीर्ष कॉलेजों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को पीछे छोड़ते हुए यादगार बना दिया। विचारणीय है कि न्यूटन स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी नए जमाने की यूनिवर्सिटी है जो कंप्यूटर साइंस और अर्टिफिशियल इंटेलीजेंस में उन्नत तकनीकी शिक्षा प्रदान करती है। आईसीपीसी कोडिंग के क्षेत्र में दुनिया की सबसे पुरानी व सबसे प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धाओं में से एक है। इस मुकाबले में आईआईटी, बिट्स पिलानी आदि जैसे 3,000 विश्वविद्यालयों के लगभग 50,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया था। प्रोग्रामिंग के ओलम्पिक्स के नाम से मशहूर आईसीपीसी में एनएसटी के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों से भी बढ़कर प्रदर्शन करते हुए 114 की प्रभावशाली रैंक हासिल की है।

नमक, चीनी से भरपूर अनहेल्दी डाइट बच्चों में बढ़ा रही किडनी रोग : डॉक्टर

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। विश्व में हर साल 14 मार्च को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर गुरुवार को डॉक्टरों ने बढ़ती किडनी (गुर्दे) की बीमारी को लेकर बात की। डॉक्टरों का कहना है कि नमक और चीनी से भरपूर डाइट के साथ अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण बच्चों में किडनी की बीमारी बढ़ रही है। विश्व किडनी दिवस मनाने का उद्देश्य किडनी के विभिन्न खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना है। अनहेल्दी फास्ट फूड का सेवन, व्यायाम की कमी किडनी की बीमारियों के बढ़ने में प्रमुख फैक्टर रहे हैं। ये फैक्टर हाई ब्लडप्रेशर और मधुमेह जैसी अन्य बीमारियों को भी जन्म देते हैं, जो किडनी को नुकसान पहुंचाते हैं। दिल्ली स्थित सीके बिरला हॉस्पिटल में नियोनेटोलॉजी और पीडियाट्रिक्स की निदेशक पूनम सिदाना ने आईएएनएस को बताया, बचपन में किडनी की बीमारी में बढ़ोतरी पर आकड़े हैं। यह बढ़ोतरी लाइफस्टाइल फैक्टरों से जुड़ी है। उन्होंने आगे कहा कि नमक और चीनी से भरपूर डाइट के साथ अनहेल्दी लाइफस्टाइल के कारण बच्चों में किडनी की बीमारी बढ़ रही है। ये आदतें खराब स्वास्थ्य में योगदान करती हैं, जिसमें मधुमेह और मोटापे में वृद्धि भी शामिल है, जो किडनी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। धूम्रपान और शराब के सेवन से भी किडनी की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बेंगलुरु के नारायणा हेल्थ सिटी की बाल रोग विशेषज्ञ अखिला वसंत हसन ने आईएएनएस को बताया कि बच्चों में पथरी के मामले विश्व स्तर पर बढ़े हैं। उन्होंने अफसोस जताया कि नमक और प्रोटीन की बढ़ती खपत तथा बढ़ता मोटापा बच्चों में 75 से 85 प्रतिशत किडनी स्टोन के लिए जिम्मेदार है। कुपोषण और पानी की कमी भी किडनी की पथरी में वृद्धि में योगदान दे सकती है। डॉक्टरों ने किडनी और अच्छी हेल्थ के लिए रोजाना व्यायाम, हेल्दी डाइट, फलों और सब्जियों का सेवन बढ़ाने और ज्यादा नमक खाने से बचने और चीनी से बने खाद्य पदार्थों का कम सेवन करने की सलाह दी है।

■ **अनहेल्दी फास्ट फूड का सेवन, व्यायाम की कमी किडनी की बीमारियों के बढ़ने में प्रमुख कारण रहे**

पारंपरिक चिकित्सा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। विश्व किडनी दिवस पर भारतीय शोधकर्ताओं ने नीरी केएफटी दवा को किडनी के इलाज में रामबाण बताया। शोधकर्ताओं ने मरीजों पर किए परीक्षण में 42 दिन के भीतर सीरम क्रिएटिनिन का स्तर काबू में पाया जो बताता है कि किडनी रक्त को कितनी अच्छी तरह से फिल्टर कर रही है। बेंगलुरू स्थित राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान के शोधकर्ताओं का यह अध्ययन ईरान के मेडिकल जर्नल एविसेना जर्नल ऑफ मेडिकल बायोकेमिस्ट्री ने प्रकाशित किया है जिसका संचालन चर्चित हमादान

■ **विश्व किडनी दिवस**

■ **नीरी केएफटी 19 जड़ी-बूटियों से बनी एक भारतीय आयुर्वेदिक दवा**

यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन साइंसेज कर रहा है। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि नीरी केएफटी 19 जड़ी-बूटियों से बनी एक भारतीय आयुर्वेदिक दवा है जिसमें पुनर्नवा, गोखरू, वरुण, कासनी, मकोय, पलाश, गिलोय मिश्रण है। भारतीय वैज्ञानिकों के साथ खोज करने वाले एमिल फार्मास्युटिकल्स के कार्यकारी निदेशक डॉ. संचित शर्मा ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। आयुर्वेद में किडनी को मजबूती देने के लिए कई औषधियों का जिक्र है। नीरी केएफटी पर अब तक कई चिकित्सा अध्ययन हुए हैं जिनमें इसे असरदार पाया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार, समय पर पहचान न होने से क्रोनिक किडनी डिजीज यानी सीकेडी का बोझ लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर यह करीब 13 फीसदी तक है। भारत की बात करें तो 10 में से नौ सीकेडी रोगी महंगे उपचार का भार नहीं उठा सकते। इसलिए सस्ते विकल्प के तौर पर पारंपरिक चिकित्सा के वैज्ञानिक तथ्यों का पता लगाने के लिए यह अध्ययन किया गया।

करिश्मा तन्ना ने कहा कि 'स्कूप' ने दिलाई अभिनय की दुनिया में नई पहचान

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। 2001 में एक टीवी शो से अभिनय में कदम रखने वाली एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना ने कहा कि 2023 में रिलीज हुई सीरीज स्कूप ने उन्हें अभिनय की दुनिया में नई पहचान दिलाई। एक्ट्रेस ने बताया कि इसके बाद ही लोगों ने उन्हें गंभीरता से लेना शुरू किया। लैक्मे फैशन वीक के दौरान एक्ट्रेस ने आईएएनएस को बताया कि सीरीज स्कूप से पहले भी लोग मुझे इस इंडस्ट्री में जानते थे। मगर स्कूप ने मुझे अभिनय की दुनिया में नई पहचान दिलाई है। इसके बाद ही इंडस्ट्री ने मुझे गंभीरता से लेना शुरू किया। मेरे काम के बाद लोगों में मेरे प्रति बदलाव आया। एक्ट्रेस ने महत्वाकांक्षी डिजाइनरों के सपनों और जुनून को रैंप पर उतारा। यह पूछे जाने पर कि जब वह इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश कर रही थीं तो क्या उन्हें सपोर्ट मिला, करिश्मा ने कहा कि नहीं, मुझे कोई सपोर्ट नहीं मिला। मैं इस इंडस्ट्री से नहीं आई थी। मेरा कोई कनेक्शन नहीं था। एक्ट्रेस आज जहां हैं उसके लिए वह अपनी किस्मत और अपनी मां को श्रेय देती हैं। करिश्मा ने आगे कहा कि मेरे करियर में भाग्य ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके साथ ही मेरी कड़ी मेहनत, मेरे सपने और मेरे जुनून ने मेरे सपने सच किए। मैं एक बात को लेकर साफ थी कि मैं कुछ बनना चाहती हूं, जिससे मुझे अलग पहचान मिले। उन्होंने कहा कि मैंने बस उस जुनून और अपने सपने को जीया और मैंने इसे भगवान और अपनी मां पर छोड़ दिया।

ग्लोबल मिसेज, मिस्टर वर्ल्ड इंडिया 2024 ब्यूटी प्रतियोगिता का आयोजन

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। दिल्ली के वेस्टेंड इन होटल में ग्लोबल इंडिया एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के द्वारा ग्लोबल मिसेज, मिस्टर, मिस एंड मिस टीन ग्लोबल वर्ल्ड इंडिया 2024 ब्यूटी प्रतियोगता का आयोजन किया गया। जिसमे देश भर से 100 से अधिक प्रतिभागियो ने भाग लिया और रैंप पर अपनी प्रतिभा का खूब जलवा दिखाया। इस ब्यूटी प्रतियोगिता का आयोजन सुशील गोयल और मोनिका गोयल के द्वारा आयोजित किया गया था। जिनका उद्देश्य सभी प्रतिभागियों को बढावा देना और उनको मंच प्रदान करना है जिससे वह आगे बढ़ सकें। वही इस शो में अपनी अहम भूमिका निभाई क्रिएटिव डायरेक्टर एली शर्मा ने जिन्होने बहुत ही बेहतरीन तरीके से सभी प्रतिभागियों को ग्रुम किया। वहीं ब्यूटी प्रतियोगिता के इस ग्रैंड फिनाले में सेलेब्रिटी गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी उपस्थित हुई जिन्होने शो के आयोजक को शुभकामनाएं देते हुआ कहा की बहुत अच्छा लगा यहां आकर जिस तरीक़े से सभी बच्चो को इन्होंने मंच प्रदान किया है। आगे बढावा देने के लिए आयोजकों का यह काफी सराहनीय कदम है सुशील और मोनिका गोयल का । ज्यूरी मेंबर की तो उसमे मौजूद रहे। डॉक्टर वरुण कत्याल, अंकित नागपाल, कीर्ति मिश्रा नारंग, जतिन खिरबत, ज्योतिका बबल कपूर इन सभी ने बडी ही सूझ बूझ के साथ सभी प्रतिभागियों का चयन किया। इस प्रतियोगिता में प्लेटिनियम कैटेगरी में ग्लोबल वर्ल्ड इंडिया 2024 कृष्णा मोदी, रंगमानी वराडा, ऋतु शर्मा, तूलिका सिकंदर और प्रगति मल्होत्रा विजेता रहे। गोल्डन कैटेगरी में मिसेज ग्लोबल वर्ल्ड इंडिया 2024 नेहा चतुर्वेदी, नीतू यादव, डॉक्टर नेहा शिवराम, रितु बिजॉय और प्रियंका रिया विजेता रहे।

हेजे जाति के लोग 'नई गुणवत्ता उत्पादक शक्तियों' से बेहतर जीवन बना रहे हैं : ल्यू लेई

■ **ल्यू लेई को लगातार चार बार एनपीसी प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है**

■ **हेजे जाति मछली पकड़ने और शिकार करके अपना जीवन यापन करते थे**

बीजिंग, 14 मार्च (एजेंसियां)। ल्यू लेई चीनी अल्पसंख्यक जातियों में से एक हेज़े जाति की हैं। इस जाति की जनसंख्या केवल 5,000 से अधिक है। हेज़े जाति की एक एनपीसी प्रतिनिधि के रूप में ल्यू लेई ने अभी-अभी पेइचिंग में संपन्न दो सत्र में भाग लिया था।

चीन के कानूनों और प्रणालियों के अनुसार, 55 अल्पसंख्यक जातियों को, उनकी आबादी के आकार की परवाह किए बिना, एनपीसी के लिए अपने स्वयं के प्रतिनिधि चुनने और चीन के सर्वोच्च प्राधिकरण में अपनी शक्ति का प्रयोग करने का अधिकार है। ल्यू लेई को

लगातार चार बार एनपीसी प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। प्रत्येक एनपीसी प्रतिनिधि का कार्यकाल पांच साल का है। यह साल एनपीसी प्रतिनिधि के रूप में ल्यू लेई का 17वां वर्ष है। वह पूर्वोत्तर चीन के हेलोंगच्यांग प्रांत के थोंगच्यांग शहर में ई-कॉमर्स विकास केंद्र की प्रमुख हैं। साल 2024 के दो सत्रों में ल्यू लेई जो प्रस्ताव लेकर आयीं, वह इस बारे में था कि स्थानीय सांस्कृतिक पर्यटन उद्योग के नए विकास को प्राप्त करने और ग्रामीणों को बेहतर जीवन जीने के लिए हेज़े जाति की अनूठी संस्कृति जैसी नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों का

उपयोग कैसे किया जाए। अतीत में, हेज़े जाति मछली पकड़ने और शिकार करके अपना जीवन यापन करते थे। हाल के वर्षों में, अधिक से अधिक हेज़े लोगों ने मछली पकड़ने वाली नौकाओं को छोड़ना शुरू कर दिया है और अपनी अनूठी जातीय संस्कृति की मदद से पर्यटन में संलग्न हो गए हैं।

ल्यू लेई ने जानकारी देते हुए कहा कि मछली-त्वचा चित्र हेज़े लोगों की एक अनूठी हस्तकला है। जैसे-जैसे पूर्वोत्तर बर्फ और हिम पर्यटन पर्यटकों के बीच अधिक से अधिक लोकप्रिय होता जा रहा है, हेज़े मछली-त्वचा चित्र भी ज्यादा लोगों द्वारा जानी और पसंद की जाने लगी है, और ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों पर एक लोकप्रिय उत्पाद बन गई है। ल्यू लेई ने कहा कि इस वर्ष के दो सत्रों में वह जो सुझाव लेकर आईं, वह हेज़े लोगों के पारंपरिक सांस्कृतिक उद्योगों के लिए समर्थन बढ़ाने के लिए था, ताकि नई गुणवत्ता वाली उत्पादक शक्तियों के साथ गृहनगर संस्कृति और पर्यटन के नए विकास का नेतृत्व करते हुए हेज़े लोगों को चीनी शैली के आधुनिकीकरण के बेहतर ढंग से विकास करने में मदद मिल सके।

देशबन्धु

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एचसीएल टेक	2.96 प्रतिशत
विप्रो	2.63 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	2.53 प्रतिशत
भारती एयरटेल	2.23 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.09 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एक्सिस बैंक	1.96 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.49 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	0.98 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	0.82 प्रतिशत
एसबीआई	0.76 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	65425
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	73100
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	850
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3590-3690
चीनी एम	4150-4250
मिल डिलीवरी	3470-3570
गुड़	4600-4700

दाल-दलहन

चना	5500-5600
दाल चना	6500-6600
मसूर काली	7350-7450
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9550-9650
अरहर दाल	12500-12600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे। जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने गुजरात में 300 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना पूरी की

■ पहले ही शुरू हो चुका था 174 मेगावाट क्षमता का संचालन ■ 21.8 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करना कंपनी का लक्ष्य

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुरुवार को बताया कि उसने गुजरात में और 126 मेगावाट की पवन ऊर्जा क्षमता का संचालन शुरू किया है। इसके साथ ही राज्य में 300 मेगावाट की परियोजना पूरी हो गई है। शेष 174 मेगावाट क्षमता का संचालन पहले ही शुरू हो चुका था।

कुल 300 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना में सालाना लगभग 109.1 करोड़ बिजली इकाई का उत्पादन होगा। इससे लगभग आठ लाख टन सीओ2 (कार्बन डाइऑक्साइड) उत्सर्जन से बचा जा सकेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि परियोजना के संचालन के साथ, एजीईएल ने देश भर में 9,604 मेगावाट के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो का संचालन करते हुए अपने बाजार नेतृत्व को और मजबूत किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी की

पवन ऊर्जा की पूरक प्रकृति, सौर तथा अन्य स्रोतों के साथ एकीकृत होकर ग्रिड की स्थिरता को मजबूत करती है : एजीईएल

परिचालन परिसंपत्तियों की रखरखाव और निगरानी इसके क्लाउड-आधारित ईएनओसी द्वारा की जाती है, जो रियल टाइम निगरानी को सक्षम बनाता है और एनालिटिक्स तथा मशीन लर्निंग का लाभ उठाते हुए उद्योग में अग्रणी प्रदर्शन के लिए मानक स्थापित करता है। कंपनी के अनुसार, ग्रिड संतुलन के लिए देश के ऊर्जा मिश्रण में पवन ऊर्जा महत्वपूर्ण है। पवन ऊर्जा की पूरक प्रकृति, सौर तथा अन्य स्रोतों के साथ एकीकृत होकर ग्रिड की स्थिरता को मजबूत करती है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, भारत दुनिया में चौथी सबसे अधिक स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता वाला देश है। राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान ने देश की कुल पवन ऊर्जा क्षमता भूतल से 150 मीटर की ऊंचाई पर 1163.9 गीगावॉट होने का अनुमान लगाया है।

एनटीपीसी ने किया रिकॉर्ड 400 बिलियन यूनिट बिजली उत्पादन

नई दिल्ली। ऊर्जा मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि एनटीपीसी समूह ने चालू वित्त वर्ष में 13 मार्च, 2024 तक बिजली उत्पादन का रिकॉर्ड 400 बिलियन यूनिट (बीयू) पार कर लिया है। मंत्रालय ने कहा कि एनटीपीसी के कोयला स्टेशनों के लिए 77.06 प्रतिशत के औसत प्लांट लोडिंग फैक्टर (पीएलएफ) के साथ यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। पिछले वित्तीय वर्ष (2022-23) के दौरान, सरकारी स्वामित्व वाली बिजली दिग्गज ने 399.3 बीयू बिजली का उत्पादन किया था। उसी वित्त वर्ष के दौरान, एनटीपीसी ने 1 सितंबर, 2023 को एक ही दिन में 1,428 मिलियन यूनिट का अब तक का सबसे अधिक एक दिवसीय बिजली उत्पादन दर्ज किया था। बिजली मंत्रालय ने कहा कि एनटीपीसी इकाइयों का शानदार प्रदर्शन एनटीपीसी इंजीनियरों की विशेषज्ञता, इसके संचालन और रखरखाव प्रणालियों का प्रमाण है।

थोक बाजार मुद्रास्फीति फरवरी में घटकर 0.20 प्रतिशत पर

- जनवरी में थोक बाजार की मुद्रास्फीति 0.27 प्रतिशत थी
- बिजली वर्ग में थोक भाव सालाना आधार पर 1.59 प्रतिशत नीचे रही

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) थोक मुद्रास्फीति गत फरवरी में घटकर 0.20 प्रतिशत रही। जनवरी, 2024 में थोक बाजार की मुद्रास्फीति 0.27 प्रतिशत थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की गुरुवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर फरवरी, 2024 महीने के लिए 0.20 प्रतिशत (अंतिम) है। फरवरी, 2024 में मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बिजली, मशीनरी और उपकरण और मोटर वाहनों, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण मुद्रास्फीति शून्य से ऊपर रही।

थोक मूल्य सूचकांक में 24.38 प्रतिशत भारांक रखने वाले खाद्य वर्ग की मुद्रास्फीति जनवरी के 3.79 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी, 2024 में 4.09 प्रतिशत हो गई। इसमें खाद्य उत्पादों के थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 6.95 प्रतिशत रही जो पिछले साल फरवरी में 3.81 प्रतिशत थी। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति में वृद्धि का प्रमुख कारण प्याज, आलू, सब्जियां, दालें और धान की कीमतों में वृद्धि है। इस साल फरवरी में इन वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी सालाना आधार पर 10 प्रतिशत या उससे अधिक थी।

फरवरी 2024 के दौरान ईंधन और बिजली वर्ग में थोक भाव सालाना आधार पर 1.59 प्रतिशत नीचे रहे जबकि पिछले साल इसी महीने में इस वर्ग में थोक मुद्रास्फीति 13.96 प्रतिशत थी।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी जारी रहने के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर

पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 85 रिंगिट की बढ़त लेकर 4330 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायद 0.18 सेंट की तेजी के साथ 48.75 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले स्तर पर टिके रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे।

दाल-दलहन : चना 5850-5950, दाल चना 6850-6950, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9900-10000, उड़द दाल 10500-10600 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

राजस्थान ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में बनाया रिकॉर्ड

केवल 22 दिनों में चूना पत्थर के 15 ब्लॉकों की हुई नीलामी

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान की मौजूदा भाजपा सरकार के तहत राज्य में प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी में एक नया रिकॉर्ड बनाया गया है। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है।

राज्य के खान सचिव आनंदी ने बताया कि राजस्थान के खान और भूविज्ञान विभाग ने भारत सरकार के ई-पोर्टल के माध्यम से 13 मार्च तक 31 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी की है। उन्होंने बताया कि केवल 22 दिनों में चूना पत्थर के 15 ब्लॉकों की नीलामी की गई है। खान मंत्रालय की ओर से जारी प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में 1 मार्च तक मध्य

केंद्र सरकार भी प्रमुख खनिजों के ब्लॉकों की नीलामी पर जोर दे रही है : आनंदी

प्रदेश और राजस्थान में 22-22 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गई। इसके तुरंत बाद, राजस्थान में नौ और ब्लॉकों की नीलामी के साथ, 13 मार्च तक राजस्थान में 31 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गई। यह देश में सबसे अधिक है। पिछले वित्तीय वर्ष में मध्य प्रदेश में 29 और छत्तीसगढ़ में 20 ब्लॉक की नीलामी की गई। राजस्थान में पिछले साल प्रमुख खनिजों के केवल आठ ब्लॉक की नीलामी की गई। पिछले साल देशभर में 105 प्रमुख खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गई थी। खान सचिव आनंदी ने कहा कि केंद्र सरकार भी प्रमुख खनिजों के ब्लॉकों की नीलामी पर जोर दे रही है और राज्यों को अधिक से अधिक खनिज ब्लॉकों की तैयारी और नीलामी के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सहित देश के 13 राज्यों में खनिज ब्लॉकों की तैयारी और नीलामी की मासिक समीक्षा की जाती है।

सार संक्षेप

आज खुलेगा केपी ग्रीन इंजीनियरिंग का आईपीओ

अहमदाबाद। हॉट-डिप गैल्वेनाइज्ड स्टील स्ट्रक्चर के निर्माता केपी ग्रीन इंजीनियरिंग लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 15 मार्च को खुलेगा। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा है कि कंपनी ने अपनी सर्वप्रथम प्रारंभिक पब्लिक ओफर के लीए पांच रुपए प्रति ईक्विटी शेयर की मूल किमत वाले ईक्विटी शेयर की प्राईस बेन्ड 137 से 144 रुपए प्रति ईक्विटी शेयर तय की है। कंपनी का आईपीओ शुक्रवार 15 मार्च को खुलेगा और मंगलवार 19 मार्च को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 1000 ईक्विटी शेयर और उस से ज्यादा के लीए 1000 के गुणक में बिड कर सकते है।

सुकन्या सदाशिवन बने मुख्य परिचालन अधिकारी

पुणे। वैश्विक इंजीनियरिंग एवं डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज ने गुरुवार को सुकन्या सदाशिवन को अपना नया मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया। उन पर डिलीवरी और आंतरिक डिजिटल तथा आईटी सिस्टम को मजबूत करने की जिम्मेदारी होगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में तीन दशकों से अधिक समय तक विभिन्न भूमिकाओं में रहने के बाद सीओओ सदाशिवन टाटा टेक्नोलॉजीज में ज्ञान और अनुभव का खजाना लेकर आई हैं। वह सीईओ और प्रबंध निदेशक वॉरेन हैरिस को रिपोर्ट करेंगी। वहीं, वैश्विक डिलीवरी, अभ्यास संगठन और डिजिटल सूचना की टीमें उन्हें रिपोर्ट करेंगी। हैरिस ने कहा कि मुझे विश्वास है कि उनकी अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन हमारी टीम को कंपनी के विकास के अगले चरण के लिए तैयार करने में मदद करेगी। हम दुनिया भर में आरएंडडी पर खर्च करने वाली शीर्ष कंपनियों के साथ अपने संबंधों को बढ़ा रहे हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज खरीदेगी वायाकॉम18 की हिस्सेदारी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी दो सहायक कंपनियों के माध्यम से पैरामाउंट ग्लोबल से वायाकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड (वायाकॉम18) की 13.01 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी 4,286 करोड़ रुपए में खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। वायाकॉम18, टीवी18 ब्रॉडकास्ट लिमिटेड की एक प्रमुख सहयोगी कंपनी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास वर्तमान में वायकॉम18 के अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय वरीय शेयर हैं जो फुली डायल्यूटेड इक्विटी शेयर का 57.48 प्रतिशत है। इस लेनदेन के पूरा होने के बाद, वायकॉम18 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की फुली डायल्यूटेड इक्विटी हिस्सेदारी बढ़कर 70.49 प्रतिशत हो जाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज, वायाकॉम 18 और द वॉल्ट डिज़्नी कंपनी (डिज़्नी) ने गत 28 फरवरी को एक संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने के लिए बाध्यकारी निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की, जो वायाकॉम 18 और स्टार इंडिया के व्यवसायों को एक करेगा।

लिवाली की बदौलत सेंसेक्स व निफ्टी में तेजी

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, यूटिलिटीज, तेल एवं गैस और सर्विसेज समेत 19 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत सेंसेक्स और निफ्टी पिछले दिवस की भारी गिरावट से उबरकर आज आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 335.39 अंक मजबूत होकर 73,097.28 अंक पर बंद हुआ। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 148.95 अंक की तेजी के साथ 22,146.65 अंक पर रहा। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 2.28 प्रतिशत चढ़कर 38,446.46 अंक और स्मॉलकैप 3.11 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 41,907.12 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3958 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2722 में लिवाली जबकि 1153 में बिकवाली हुई वहीं 83 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 37 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 13 में गिरावट रही।

बीएसई के बैंकिंग समूह की 0.45 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष 19 समूहों के तेजी का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 2.49, सीडी 1.59, ऊर्जा 2.36, एफएमसीजी 1.05, हेल्थकेयर 1.35, इंडस्ट्रियल्स 2.66, आईटी 2.23, दूरसंचार 3.81, यूटिलिटीज 3.38, ऑटो 1.07, कैपिटल गुड्स 2.00, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.00, धातु 1.38, तेल एवं गैस 3.11, पावर 2.93, रियल्टी 0.59, टेक

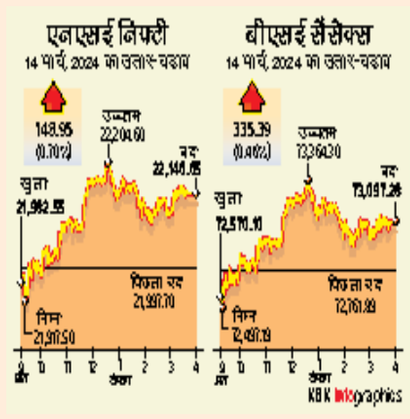

- सेंसेक्स 335.39 अंक मजबूत होकर 73,097.28 पर
- निफ्टी 148.95 अंक की तेजी के साथ 22,146.65 पर बंद

2.21 और सर्विसेज सामह के शेयर 3.99 प्रतिशत चढ़ गए। विदेशी बाजारों का रुख मिश्रित रहा। इस दौरान हांगकांग का हैंगसेंग 0.71 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.18 प्रतिशत उतर गया। साथ ही ब्रिटेन के एफ़टीएसई में भी गिरावट रही। वहीं, जर्मनी का डैक्स 0.23 और जापान के निक्केई में 0.29 प्रतिशत की तेजी रही। कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 192 अंक की गिरावट लेकर 72,570.10 अंक पर खुला और बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद 72,497.19 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद हुई लिवाली की बदौलत ठीक दोपहर तक यह 73,364.30 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। अंत में पिछले दिवस के 72,761.89 अंक के मुकाबले 0.46 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73,097.28 अंक पर बंद हुआ।

इसी तरह निफ्टी 15 अंक फिसलकर 21,982.55 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 21,917.50 अंक के निचले जबकि 22,204.60 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की जिन कंपनियों के शेयर लाभ में रहे उनमें एचसीएल टेक 2.96, विप्रो 2.63, इंफ़ोसिस 2.53, भारती एयरटेल 2.23, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.09, एलटी 1.81, टीसीएस 1.42, टेक महिंद्रा 1.34, नेस्ले इंडिया 1.16, पावरग्रिड 0.85, एनटीपीसी 0.06, रिलायंस 0.02 और आईसीआईआई बैंक 0.01 प्रतिशत शामिल हैं।

वहीं, एक्सिस बैंक 1.96, इंडसइंड बैंक 1.49, बजाज फाइनेंस 0.98, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.82, एसबीआई 0.76, टाटा स्टील 0.70, आईटीसी 0.62, टाटा मोटर्स 0.54, बजाज फिन सर्व 0.50 और एचडीएफसी बैंक के शेयर 0.29 प्रतिशत के नुकसान में रहे।

2024 में बिजनेस के लिए एआई अहम : रिपोर्ट

संस्थान का एआई खर्च को 45 प्रतिशत बढ़ाने की योजना

बेंगलुरु, 14 मार्च (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को अपनाने को लेकर गुरुवार को एक रिपोर्ट में अहम खुलासा हुआ है। करीब 95 प्रतिशत भारतीय सीआईओ को लगता है कि 2024 में बिजनेस के लिए एआई को अपनाना महत्वपूर्ण है।

लेनोवो द्वारा कमीशन की गई इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वे में 900 से ज्यादा सीआईओ को शामिल किया गया, जिसमें 150 से ज्यादा भारतीय सीआईओ थे। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि एशिया-पैसिफिक में संस्थान 2023 की तुलना में 2024 में एआई खर्च को 45 प्रतिशत बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। लेनोवो आईएसजी इंडिया के एमडी अमित लूथरा ने कहा, भारत में सीआईओ ने एआई के बारे में सबसे अधिक 95 प्रतिशत विश्वास जताया है। उनका मानना है कि यह प्रतिस्पर्धी लाभ पैदा करेगा, और उनमें से 57 प्रतिशत इसे अपने संगठनों के

भारत में सीआईओ ने एआई के बारे में 95 प्रतिशत विश्वास जताया है : अमित लूथरा

लिए गेम चेंजर मानते हैं। इसके अलावा, 2024 में भारतीय सीआईओ के लिए एक प्रमुख रुझान में जेनएआई में 28 प्रतिशत निवेश शामिल है। रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि एआई ने देश में बढ़ी हुई योग्यता के लिए साइबर सुरक्षा और खतरे का पता लगाने, इंटेलिजेंस ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन समेत टॉप टेक्नोलॉजी को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

बायजू का वित्तीय अनियमितताएं पाए जाने की जानकारी से इनकार

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) की जांच टीम द्वारा बायजू पर एक रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद, जिसमें फर्म में कथित वित्तीय अनियमितताओं के बारे में विवरण है, संकटों का सामना कर रही एडटेक कंपनी ने गुरुवार को कहा कि उसे ऐसी किसी रिपोर्ट या उसके कंटेंट के बारे में जानकारी नहीं है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एमसीए की जांच शाखा ने बायजू पर कंपनी अधिनियम के कई उल्लंघन और वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है। मंत्रालय को अभी रिपोर्ट का विश्लेषण करना है, उसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। बायजू के प्रवक्ता ने बताया कि हम पुष्टि कर सकते हैं कि कंपनी के मामलों में किसी भी

तरह की वित्तीय अनियमितता नहीं हुई है। प्रवक्ता ने कहा कि हम एमसीए से किसी भी औपचारिक संचार का इंतजार कर रहे हैं। कंपनी ने पहले कहा था कि उसने एमसीए को दस्तावेजों के साथ सभी आवश्यक प्रतिक्रियाएं दीं। सरकार ने बायजू की बही खातों की जांच तेज कर दी है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड को कुछ निवेशकों द्वारा दायर जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने के लिए समय दिया।

क्वालकॉम ने भारत में खोला नया चिप डिजाइन सेंटर

चेन्नई, 14 मार्च (देशबन्धु)। चिप निर्माता कंपनी क्वालकॉम ने गुरुवार को चेन्नई में अपने नए डिजाइन सेंटर का उद्घाटन किया।

चिप डिजाइन सेंटर को बनाने में लगभग 177.27 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यह सेंटर वाई-फाई टेक्नोलॉजीज के पूरक इनोवेशन पर फोकस के साथ वायरलेस कनेक्टिविटी समाधानों में विशेषज्ञता हासिल करेगा।

इससे 1 हजार 600 कुशल प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए नौकरियां पैदा होने, सरकार के मेक इन इंडिया के दृष्टिकोण के समान सेमीकंडक्टर डिजाइन के लिए नए दरवाजे खुलने और एक मजबूत स्वदेशी डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र के लिए विकास के अवसरों को खोलने की भी उम्मीद है। इसके अलावा, भारत सरकार के भारत 6जी विजन के अनुरूप, कंपनी ने भारत में 6जी यूनिवर्सिटी रिसर्च को समर्थन देने वाले अपने प्रोग्राम का भी ऐलान किया।

उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय संचार,

भारत की तकनीकी क्षमता लगातार बढ़ रही है। यह हमें इनोवेशन में विश्व लीडर के रूप में स्थापित कर रही है : अश्विनी वैष्णव

- सेंटर को बनाने में लगभग 177.27 करोड़ रुपए हुए खर्च

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने डिजिटल रूप से सशक्त भारत के लिए अपना विजन साझा किया। उन्होंने कहा कि भारत की तकनीकी क्षमता लगातार बढ़ रही है। यह हमें इनोवेशन में विश्व लीडर के रूप में स्थापित कर रही है। डिजिटल प्रगति को अपनाने के लिए हमारे देश की मजबूत प्रतिबद्धता डिजिटल रूप से सशक्त समाज की दिशा में हमारी यात्रा का प्रतीक है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें क्वालकॉम को अपना समर्थन देने में खुशी हो रही है। हमारा लक्ष्य 5जी कनेक्टिविटी के माध्यम से लाखों भारतीयों को जोड़ना है।

फरवरी में नए डीमैट खातों की संख्या में बढ़ोतरी

नई दिल्ली। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुसार, फरवरी 2024 में देश में डीमैट खातों की कुल संख्या बढ़कर 14.8 करोड़ हो गई। फरवरी 2024 में जोड़े गए नए खातों की संख्या बढ़कर 43 लाख हो गई, जबकि वित्त वर्ष 23 में औसत मासिक वृद्धि 21 लाख थी। फरवरी 2024 में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सक्रिय ग्राहकों की संख्या माह-दर-माह आधार पर 4.8 प्रतिशत बढ़कर 4.005 करोड़ हो गई। वर्तमान में, शीर्ष पांच डिस्काउंट ब्रोकरों की एनएसई पर सक्रिय कुल ग्राहकों में हिस्सेदारी 63.5 प्रतिशत है, जबकि फरवरी 2023 में यह आँकड़ा 59.6 प्रतिशत था। डिस्काउंट ब्रोकरों के बीच, ज़ेरोधा ने अपने ग्राहकों की संख्या में 3.3 प्रतिशत यानि 72 लाख की वृद्धि दर्ज की, हालांकि उसकी बाजार हिस्सेदारी 0.30 प्रतिशत घटकर 18 प्रतिशत रह गई।

खेल जगत

ऋषभ की बैट स्विंग में पुरानी धार है : प्रवीण आमरे

विशाखापत्तनम। आईपीएल 2024 नजदीक आने के साथ, जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की सह-स्वामित्व वाली फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने बुधवार को विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में अपना पहला व्यापक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। 14 महीने बाद पेशेवर क्रिकेट में वापसी कर रहे स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भी टीम के साथ अपना पहला प्रशिक्षण सत्र किया। पंत की बहुप्रतीक्षित वापसी के बारे में बात करते हुए, दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आमरे ने कहा कि कोचिंग इकाई के रूप में और व्यक्तिगत रूप से, उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखना वाकई सुखद था। ऐसा नहीं लगा कि वह लंबे समय के बाद बल्लेबाजी कर रहे थे।

मुंबई 42वीं बार बना रणजी चैंपियन

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई ने रणजी ट्रॉफी 2023-24 की ट्रॉफी जीत ली है। साथ ही मुंबई के लिए आठ साल का रणजी ट्रॉफी का सूखा खत्म हो गया, क्योंकि उन्होंने गुरुवार को वानखेड़े स्टेडियम में फाइनल के पांचवें दिन विदर्भ को 169 रनों से हराकर रिकॉर्ड 42वां चैंपियनशिप खिताब जीता। मुंबई ने आखिरी खिताब 2015-16 के सीजन में जीता था। खिताबी मुकाबले में मुंबई की टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। गेंदबाजों की बात करे तो अपना फेयरवेल मैच खेल रहे धवल कुलकर्णी ने मुंबई के आक्रमण का नेतृत्व किया। मुंबई की जीत घरेलू क्रिकेट में कुलकर्णी की उत्कृष्टता की विरासत के लिए एक यादगार अंत है। मुंबई के स्पिन-गेंदबाजी ऑलराउंडर तनुश कोटियन और तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे ने विदर्भ के बल्लेबाजों को खूब छकाया और उन्हें क्रीज पर जमने का कोई मौका नहीं दिया। दोनों गेंदबाजों ने विदर्भ की बल्लेबाजी लाइनअप को ध्वस्त कर दिया और 538 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी विरोधी टीम को 368 रनों पर समेट दिया। वानखेड़े मैदान पर गुरुवार को विदर्भ ने अपने आखिरी 5 विकेट दूसरे सेशन में गंवा दिए। लंच तक टीम का स्कोर 333/5 था। अक्षय वाडकर 102 और हर्ष दुबे 65 रन बनाकर आउट हुए। दोनों के बीच 130 रनों की पार्टनरशिप हुई। इन दोनों के आउट होते ही टीम बिखर गई। मुंबई की पहली पारी में 136 रन बनाने वाले मुशीर खान ने 2 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया जबकि कोटियन को उनके ऑलराउंड खेल के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का ख़िताब मिला। मुंबई 224 (शार्दुल ठाकुर 75, यश ठाकुर 3-54, दुबे 3-62) और 418 (मुशीर 136, अय्यर 95, दुबे 5-144) ने विदर्भ 105 (राठौड़ 27, कोटियन 3-7, कुलकर्णी 3-15) और 368 (वाडकर 102, नायर 74, कोटियन 4-95, मुशीर 2-48) को 169 रनों से हराया।

हमारे एथलीट पेरिस ओलंपिक से अब तक के सर्वश्रेष्ठ पदक के साथ लौटेंगे : अनुराग ठाकुर

भारत के एथलीटों को वैश्विक मंच पर चमकते देखने की उम्मीद बढ़ी

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। जैसे-जैसे पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की उलटी गिनती तेज हो रही है, भारत के एथलीटों को वैश्विक मंच पर चमकते देखने की उम्मीद बढ़ गई है जबकि खिलाड़ी खेलों के लिए अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने विश्वास जताते हुए कहा कि एथलीट अपने निडर और प्रतिस्पर्धी स्वभाव के कारण पेरिस 2024 में नए भारत को प्रतिबिंबित करेंगे। आईएएनएस से विशेष रूप से बात करते हुए, अनुराग ठाकुर ने पेरिस गेम्स, खेलो इंडिया, डोपिंग रोधी कार्यक्रमों और एथलीटों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन पर अपने विचार साझा किए। मंत्री ने विशेष रूप से एथलीटों पर अनुचित दबाव डाले बिना उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए पीएम मोदी के अनूठे दृष्टिकोण का उल्लेख किया। यह एक ओलंपिक वर्ष है, सरकार एथलीटों को सभी आवश्यक आवश्यकताएं प्रदान कर रही है और तैयारी कैसी चल रही है? इस बार आपको कितने पदकों की उम्मीद है? क्या हम पिछली बार का रिकॉर्ड तोड़ देंगे? मुझे विश्वास है कि हमारे एथलीट पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में सर्वश्रेष्ठ पदक के साथ वापस आएंगे। मेरा आत्मविश्वास उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से उपजा है, जो कोचिंग स्टाफ, सहयोगी स्टाफ के समर्थन और भारतीय खेल प्राधिकरण और उनके राष्ट्रीय खेल महासंघों के माध्यम से मंत्रालय द्वारा समर्थित है। मुझे विश्वास है कि एथलीट अपने निडर और प्रतिस्पर्धी स्वभाव के साथ नए भारत को प्रतिबिंबित करेंगे। खेलो इंडिया ने भारत में खेलों का ग्राफ बढ़ाया है, इस पर आपके विचार और क्या किया जा सकता है? डोप से संबंधित शिक्षा कोच और एथलीट दोनों के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित, खेलो इंडिया योजना देश की व्यापक खेल परियोजना है। यह केवल प्रतियोगिताओं - खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, खेलो इंडिया विंटर गेम्स और खेलो इंडिया पैरा गेम्स - के बारे में नहीं है। खेलो इंडिया योजना का एक प्रमुख घटक बुनियादी ढांचे का विकास है। 2014 से अब तक 2943.64 करोड़ रुपये की लागत की लगभग 331 परियोजनाएं स्वीकृत की गयी हैं। इससे आधुनिक खेल सुविधाएं जमीनी स्तर की प्रतिभाओं के दरवाजे तक पहुंच गई हैं।

विरोधी चाहते हैं कि स्टीव स्मिथ बतौर ओपनर खेलें : टिम पेन

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। डेविड वॉर्नर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी बैटिंग लाइनअप को नया आकार देने में जुट गई है। इस बीच स्टीव स्मिथ को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान टिम पेन ने चौंकाने वाला बयान दिया है। टिम पेन ने स्टीव स्मिथ के सलामी बल्लेबाज के रूप में उनके सफल होने की क्षमता पर भरोसा जताया है। वॉर्नर के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्टीव स्मिथ को बतौर ओपनिंग बल्लेबाज खिलाने का फैसला किया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान स्मिथ के प्रदर्शन ने सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी काबिलियत पर सवाल उठाए। पेन ने चिंताओं को स्वीकार करते हुए कहा कि विरोधी टीमें स्मिथ के पारी की शुरुआत में उनकी कमजोरियों का फायदा उठाने के अवसर के रूप में देख सकती हैं। न्यूजीलैंड में स्मिथ के संघर्षों पर बात करते हुए, जहां वह 12.75 की औसत से केवल 51 रन बना सके, पेन ने स्मिथ को नई भूमिका में अपनी लय खोजने के महत्व पर जोर दिया। टिम पेन ने ईएसपीएन अराउंड द विकेट को दिए अपने बयान में कहा कि मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच खेल रहा होता तो मैं चाहता कि स्टीव स्मिथ ओपनिंग बल्लेबाजी करें। इससे मेरे बेस्ट गेंदबाजों को उन्हें आउट करने का पूरा मौका मिलेगा, वह भी नई गेंद के साथ।

■ टिम पेन ने स्टीव स्मिथ के सलामी बल्लेबाज के रूप में उनके सफल होने की क्षमता पर भरोसा जताया

विराट की फॉर्म तय करेगी आरसीबी की प्लेऑफ में जगह : कैफ

2024 का अपना पहला मैच 22 मार्च को चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेंगे

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां) भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि स्टाइलिश बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म प्लेऑफ में आरसीबी की जगह तय करेगी। कोहली ने बेंगलुरु में अफगानिस्तान के खिलाफ शून्य बनाया और जनवरी के बाद से भारत के लिए नहीं खेले हैं। कोहली ने निजी कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से खुद को अलग कर लिया था। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने सोमवार को अपना आईपीएल प्रशिक्षण सत्र शुरू किया और 2024 का अपना पहला मैच 22 मार्च को चेन्नई में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेंगे। उम्मीद है कि सीज़न की शुरुआत से पहले विराट जल्द ही टीम में शामिल हो जाएंगे। कैफ ने विराट कोहली की उल्लेखनीय फॉर्म और आरसीबी की प्लेऑफ आकांक्षाओं में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया, इस बात पर जोर दिया कि ग्रीन और मैक्सवेल जैसे अन्य उल्लेखनीय खिलाड़ियों की उपस्थिति के बावजूद, कोहली की निरंतरता टीम की सफलता के लिए सर्वोपरि होगी। कैफ ने स्टार स्पोर्ट्स के शो गेम प्लान में कहा कि विराट कोहली पिछले 1-2 वर्षों से अद्भुत क्रिकेट खेल रहे हैं; वह अच्छी फॉर्म में हैं। मुझे याद है एशिया कप के दौरान जब उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ शतक बनाया था; तब से, उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह तब से अद्भुत फॉर्म में हैं, और जब विराट कोहली जैसा खिलाड़ी फॉर्म में होता है, तो वह जानता है कि हर मैच में रन कैसे बनाने हैं; वह विश्व कप के दौरान टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी थे। इसलिए मुझे लगता है कि वह इस अद्भुत फॉर्म को जारी रखेंगे। दो शतकों के साथ विराट कोहली ने 2023 आईपीएल सीज़न में 14 मैचों में 53.25 की शानदार औसत के साथ 639 रन बनाए। कैफ ने ब्रेक के बाद खतरनाक वापसी करने की क्षमता को स्वीकार करते हुए कोहली का समर्थन किया। विराट कोहली के बारे में एक खास बात यह है कि वह जब भी ब्रेक से वापस आते हैं तो बहुत अच्छा खेलते हैं। अधिकांश खिलाड़ी फॉर्म में रहने के लिए क्रिकेट के संपर्क में रहना चाहते हैं और नियमित रूप से खेलना चाहते हैं, लेकिन विराट कोहली जब भी ब्रेक से वापस आते हैं, तो वह अधिक खतरनाक बल्लेबाज के

■ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने सोमवार को अपना आईपीएल प्रशिक्षण सत्र शुरू किया

सार संक्षेप

सर्जरी के बाद भारत लौटे शमी

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी यूनाइटेड किंगडम (यूके) में अपने अकिलीज़ टेंडन की देखरेख के लिए एड़ी की सफल सर्जरी के बाद भारत लौट आए हैं। भारत के 2023 एकदिवसीय विश्व कप अभियान के दौरान घायल होने के बाद शमी को अपने अकिलीज़ टेंडन को ठीक करने के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी और 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया से फाइनल में हार के बाद से उन्होंने किसी भी प्रकार का क्रिकेट नहीं खेला है। शमी ने अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते हुए यूके से भारत लौटने की जानकारी दी और प्रशंसकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। शमी ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया कि सर्जरी के बाद भारत वापस आकर आभारी हूं। मजबूत महसूस कर रहा हूं और इस अगले अध्याय को अपनाने के लिए तैयार हूं। आपके समर्थन और प्यार के लिए सभी को धन्यवाद! शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 घरेलू सीरीज के अलावा दक्षिण अफ्रीका दौरे और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेल पाए।

स्मृति मंधाना समूह में स्थिरता लाने में बहुत मजबूत रही हैं : कोच विलियम्स

नई दिल्ली। डब्ल्यूपीएल 2024 में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले से पहले, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने कप्तान स्मृति मंधाना को टीम में स्थिरता लाने के मामले में एक बहुत मजबूत व्यक्ति होने का श्रेय दिया है। स्मृति डब्ल्यूपीएल 2024 में आठ मैचों में दो अर्धशतक सहित 259 रन के साथ टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रही हैं। एक लीडर के रूप में, उन्होंने टीम को प्लेऑफ़ में ले जाने का आश्वासन दिया है, जो कि पिछले साल के टूर्नामेंट से गायब था, जहां आरसीबी अपने पहले पांच गेम हार गई थी और नॉकआउट की दौड़ से जल्दी ही बाहर हो गई थी। स्मृति का बल्ले से और नेतृत्व में भी शानदार टूर्नामेंट चल रहा है। पिछले साल के अभियान का अनुभव और योजना बनाने, समीक्षा करने और टीम कैसी होनी चाहिए इसके विभिन्न पहलुओं पर गौर करने के लिए 12 महीने का समय मददगार रहा है।

डच फुटबॉलर क्विंसी प्रॉम्स दुबई में गिरफ्तार

हेग। ड्रग्स की तस्करी और अपने चचेरे भाई पर चाकू से हमला करने के दोषी डच फुटबॉलर क्विंसी प्रॉम्स को डच अधिकारियों के अनुरोध पर दुबई में गिरफ्तार कर लिया गया है। दुबई के सरकारी वकील ने इसकी जानकारी दी। बयान के अनुसार, गिरफ्तारी यूएई और नीदरलैंड के अधिकारियों के बीच ज्वाइंट ऑपरेशन की मदद से हुई। यह गिरफ्तारी नीदरलैंड द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर की गई। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, नीदरलैंड अब दुबई पुलिस से क्विंसी प्रॉम्स को उन्हें सौंपने का अनुरोध करेगा। रेड नोटिस दुनिया भर में कानून प्रवर्तन से प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की कानूनी कार्रवाई के लिए लंबित किसी व्यक्ति का पता लगाने और उसे अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने के लिए जारी किया जाता है।

डैरेन गॉफ ने यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के प्रबंध निदेशक का पद छोड़ा

लंदन, 14 मार्च (एजेंसियां)। यॉर्कशायर और इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डैरेन गॉफ ने घोषणा की है कि वह यॉर्कशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के प्रबंध निदेशक का पद छोड़ रहे हैं। अज़ीम रफ़ीक नस्लवाद संकट के बाद दिसंबर 2021 में भूमिका निभाते हुए, गॉफ़ ने क्लब के लिए उथल-पुथल भरे दौर में कमान संभाली। गॉफ के नेतृत्व ने यॉर्कशायर के क्रिकेट संचालन को स्थिर करने, मुख्य कोच के रूप में ओटिस गिब्सन की नियुक्ति की देखरेख करने और क्लब के पुनर्निर्माण प्रयासों के हिस्से के रूप में खेलने वाली टीम में महत्वपूर्ण बदलावों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गॉफ 2020 में इंग्लैंड के गेंदबाजी सलाहकार थे। गॉफ के जाने के बाद, कॉलिन ग्रेव्स यॉर्कशायर के अध्यक्ष के रूप में वापस आएंगे। अपने कार्यकाल पर विचार करते हुए, गॉफ ने अपने नेतृत्व में हुई प्रगति पर गर्व व्यक्त किया, पुरुष टीम के पूर्ण ओवरहाल और विभिन्न सहायता क्षेत्रों में सुधार पर जोर दिया। चुनौतियों के बावजूद गॉफ की दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प ने यॉर्कशायर के पुनरुत्थान की नींव रखी, जिससे पुरुष टीम और नॉर्दर्न डायमंड्स दोनों को भविष्य की सफलता के लिए तैयार किया गया।

केरल में अफ्रीकी फुटबॉलर को भीड़ ने पीटा

कोझिकोड, 14 मार्च (एजेंसियां)। फुटबॉल जगत से एक बेहद हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यह मामला केरल के मलप्पुरम जिले का है। जहां एक फुटबॉल टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों ने आइवरी कोस्ट के 22 वर्षीय फुटबॉलर डायरासौबा हसने जूनियर को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भीड़ ने उनके साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किया। हसने जूनियर फुटबॉल क्लब जवाहर मावूर का हिस्सा हैं, जो सेवन्स फुटबॉल टूर्नामेंट खेल रही है। यह घटना सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने के बाद सामने आई, जिसमें कई लोगों को हसन जूनियर के पीछे दौड़ते और उन्हें जबरन पकड़ कर मारते हुए देखा गया।

रून इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में

इंडियन वेल्स, 14 मार्च (एजेंसियां)। सातवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रून ने अपने लचीलेपन और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए हार के कगार से वापसी करते हुए घरेलू पसंदीदा टेलर फ्रिट्ज़ को 2-6, 7-6(2), 6-3 से हराकर परीबा ओपन में अपने पांचवें एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। युवा डेनिश सनसनी ने रोमांचक मुकाबले में एक मैच प्वाइंट बचाया जिससे इंडियन वेल्स में प्रशंसक अपनी सीटों से खड़े हो गए। शुरुआती सेट में धीमी शुरुआत और अप्रत्याशित त्रुटियों की बौछार के बावजूद, रून ने दबाव में झुकने से इनकार कर दिया। फ्रिट्ज ने कोर्ट पर अपना दबदबा बनाए रखा जबकि रून ने अपना ध्यान केंद्रित और दृढ़ रहते हुए खुद को मुकाबले में बनाये रखा। दूसरे सेट में 4-5 पर एक कठिन मैच प्वाइंट का सामना करते हुए, रून ने अपनी सारी मानसिक शक्ति जुटाई और मुकाबले में जीवित रहने के लिए फ्रिट्ज से छूटे हुए रिटर्न का फायदा उठाया। अपनी नई गति से उत्साहित होकर, रून ने अपने आक्रामक बेसलाइन खेल के साथ फ्रिट्ज पर नियंत्रण हासिल कर लिया। निर्णायक सेट में रून ने अपना आक्रामक रुख बरकरार रखा और फ्रिट्ज की दूसरी सर्विस पर लगातार हमला किया।

शैफाली की तूफानी पारी से दिल्ली कैपिटल्स की महिला टीम लगातार दूसरी बार फाइनल में

दिल्ली कैपिटल्स की निगाहें अब डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी जीतने पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 14 मार्च (देशबन्धु)। अब अलग अंदाज में बल्लेबाजी कर रही विस्फोटक सलामी बैटर शैफाली की 71 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत पिछली उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स की महिला टीम ने गुजरात जायंटस को यहां अरुण जेटली स्टेडियम में बुधवार रात सात विकेट से हरा कर आठ मैचों में छठी जीत के साथ सबसे पहले और लगातार दूसरी बार दूसरी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी-20 क्रिकेट लीग के फाइनल में प्रवेश पा लिया। अब दिल्ली कैपिटल्स की महिला टीम का फाइनल में मुकाबला रविवार को मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेले जाने वाले एलिमिनेटर मैच के विजेता से होगा। दिल्ली कैपिटल्स की निगाहें अब ट्रॉफी जीतने पर हैं। ऑफ स्पिनर मीनू मणि, अनुभवी तेज गेंदबाज मैरिजन कैप और शिखा पांडे ने दो दो विकेट चटका भारती फुलमणि की 7 चौकों की मदद से 42 रन की पारी के बावजूद टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने वाली गुजरात जायंट्स महिला टीम को निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 126 पर पर रोक दिया। शैफाली वर्मा की 37 गेंदों पर पांच छक्कों और सात चौकों की मदद से 71 रन और जेमिमा रॉड्रिग्ज 28 गेंद पर एक छक्के चार चौकों की मदद से अविजित 38 रन की पारी की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स की महिला टीम ने 13.1 ओवर में सात विकेट 129 रन बना मैच जीत लिया। दिल्ली कैपिटल्स की महिला टीम की शैफाली वर्मा मौजूदा डब्ल्यूपीएल में तीन अर्धशतकों सहित 265 रन बना चौथे स्थान पर हैं जबकि जेमिमा रॉड्रिग्ज ने दो अर्धशतक सहित 235 रन और एलिस कैप्सी एक अर्धशतक सहित 230 रन बना रंग में चल रही है। दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम की दक्षिण की तेज गेंदबाज मैरिजन कैप और बाएं हाथ की स्पिनर जेस जेनसन 11-11 विकेट चटका और बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव चार विकेट चटका मौजूदा सीजन में विकेट चटकाने वाली चार शीर्ष गेंदबाजों में हैं।

अब मैं यह समझ गई हूं कि निरंतरता बेहद अहम है : शैफाली वर्मा

दिल्ली कैपिटल्स महिला टीम की जीत पर मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शैफाली वर्मा ने कहा कि मेरी अपनी दिल्ली की कप्तान मेग लेनिंग के साथ जोरदार जुगलबंदी है और वह बराबर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। डब्ल्यूपीएल के पिछले सीजन में मैच 20-20 और 30-30 रन की कई पारियां खेलीं हालांकि में जानती हूं जब में रंग में हूं तो बड़े स्कोर बना सकती हूं। में खुश हूं कि मौजूदा डब्ल्यूपीएल सीजन में बड़ी पारियां खेलने में सफल रही। मैंने इस डब्ल्यूपीएल सीजन में अपनी बल्लेबाजी में तकनीकी और जेहनी तौर पर कुछ बदलाव किए हैं। अब में ज्यादा सधे ढंग से अपने शॉट खेल रही हूं और क्षेत्ररक्षकों के बीच से दरार खोजने की अहमियत समझ गई हूं। जब में 2020 में टी-20 विश्व कप में खेली थी तो तब में यह जानती ही नहीं थी कि निरंतरता क्या होती है। अब में यह समझ गई हूं कि निरंतरता बेहद अहम है। आप जितना खेलते जाते हैं ताते आप अपनी खामियों की बाबत भी जानते चले जाते हैं और यह भी जान जाते हैं कि आप क्या बेहतर कर सकते हैं। मेग लेनिंग जैसी खिलाड़ियों के साथ अभ्यास कर और खेल कर मैंने बहुत कुछ सीखा। मेघ लेनिंग बेहद अनुभवी है और वह अभी भी बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है और इससे मैंने यह जाना की में यह कुछ क्यों हासिल नहीं कर सकती।